सूर्योदय 6:07 सूर्यास्त 6:42

आज का तापमान

शिमला	9.0 न्यू	18.0 अधि
धर्मशाला	10.0 न्यू	19.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,320
निफ्टी	22,713
सोना	1,46,300
चांदी	2,25,200

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | शनिवार, 4 अप्रैल 2026 | 22 चैत्र, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 95, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

प. बंगाल में मालदा हिंसा का मुख्य आरोपी अरेस्ट

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा में एसआईआर से जुड़े न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में मुख्य आरोपी समेत 35 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के 48 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से पकड़ा। वह बेंगलुरु भागने की फिराक में था। इस्लाम कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील है। वह 2011 में एआईएमआईएम का उम्मीदवार रह चुका है। मोफक्करुल पर आरोप है कि मालदा के सुजापुर में 1 अप्रैल को एसआईआर में नाम कटने के विरोध प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण दिया। इससे लोग भड़क गए और हजारों लोगों ने कलियाचक के बीडीओ ऑफिस को घेर लिया। दो गेट बंद कर दिए गए, जिससे 7 न्यायिक अधिकारी 9 घंटे ऑफिस के अंदर बंधक रहे। (अनंत ज्ञान)

हाथियों ने तीन ग्रामीणों को कुचलकर मार डाला

एजेंसी, रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों के झुंड ने शुक्रवार की सुबह तीन लोगों को कुचलकर मार डाला। मृतकों में ईंट भट्ठा पर काम करने वाले दो मजदूर और एक बुजुर्ग ग्रामीण शामिल हैं। घटना के बाद से पूरे इलाके में भय और वन विभाग के खिलाफ आक्रोश का माहौल है। पहली घटना बांदा गांव की है, जहां तड़के सुबह करीब चार बजे ईंट भट्ठा पर काम करने वाले दो मजदूर धीरज भुइयां और जुगल भुइयां शौच के लिए निकले थे। इसी दौरान हाथियों के झुंड ने उन्हें घेर लिया और पटक-पटक कर मार डाला। दसरी घटना मुरपा गांव में हुई, जहां सुबह-सुबह महुआ चुनने के लिए घर से निकले 80 वर्षीय रामदेव साव को हाथियों ने कुचल कर मार दिया। (अनंत ज्ञान)

फ्लाइट में 60% सीटें मुफ्त देने के फैसले पर रोक

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एयरलाइंस को फ्लाइट में 60% सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के चुनने देने वाले निर्देश को अस्थायी रूप से रोक दिया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह नियम 20 अप्रैल से लागू होना था, लेकिन अब इसे अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 15 दिन पहले 18 मार्च को कहा था कि डीजीसीए को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी फ्लाइट में सीट चयन के लिए न्यूनतम 60% सीटें बिना चार्ज उपलब्ध कराई जाएं। इसका उद्देश्य यात्रियों को सीट चुनने में समान अवसर देना बताया गया था। (अनंत ज्ञान)

मोतिहारी में जहरीली शराब से 5 की मौत

एजेंसी, पटना। बिहार में एक बार फिर जहरीली शराब से मौत हुई है। मोतिहारी में 5 लोगों की जान चली गई, जबकि 15 की हालत गंभीर है। इनमें से 6 की आंखों की रोशनी चली गई है। सभी का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। बीमार लोगों में से 2 की हालत नाजुक बनी हुई है। मामला रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव से शुरू हुआ और अब आसपास के इलाकों में फैल गया है। शराबकांड पर एसपी ने कार्रवाई की है। तुरकौलिया एसएचओ मांझी को सस्पेंड किया गया है, वहीं चौकीदार को गिरफ्तार कर लिया है। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- प्रदेश में हेडमास्टर के 600 पद रिक्त, शीघ्र प्रमोशन करे विभाग -पेज 4
- सरकीधार भिक्षुणी हत्याकांड के मंडी पुलिस ने दबोचे 3 आरोपी -पेज 9
- छह महीने से बंद फुटपाथ का निर्माण कार्य शुरू -पेज 12

खतरे में हमीरपुर के चीड़ के जंगलों का अस्तित्व

हर साल आग की भेंट चढ़ रहे हजारों सूखे पेड़, इस बार काटे गए 28 हजार चीड़ के पेड़

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। कोई वक्त था जब हमीरपुर जिला के बड़सर इलाके के चीड़ के जंगल जग विख्यात हुआ करते थे, लेकिन अब इनका अस्तित्व खतरे में पड़ चुका है। इस बार करीब 28000 चीड़ के सूखे और पुराने पेड़ कट गए। कई जगह अभी भी काम जारी है। अब अलग-अलग क्षेत्रों में ये 'ठूंठ' की शक्ल में अपनी मौजूदगी से व्यवस्था की पोल निश्चित रूप में खोल रहे हैं। इतना ही नहीं जंगल से 1500 के करीब खैर के पेड़ भी कटे हैं।

वन भूमि पर अब चीड़ के पौधों की 'रोपाई' की नहीं की जाती, क्योंकि उसके बदले में जहां खाली जगह मिली या कोई जंगल 'बिरला' पड़ा, तो वहां फलदार या पत्तीदार पौधे लगाए जाने का बीड़ा विभाग ने उठा रखा है। पिछले साल भी काफी तादाद में चीड़ पेड़ सूखे थे, लेकिन इस बार 28000 के रूप में पेड़ों का यह आंकड़ा कम नहीं है।

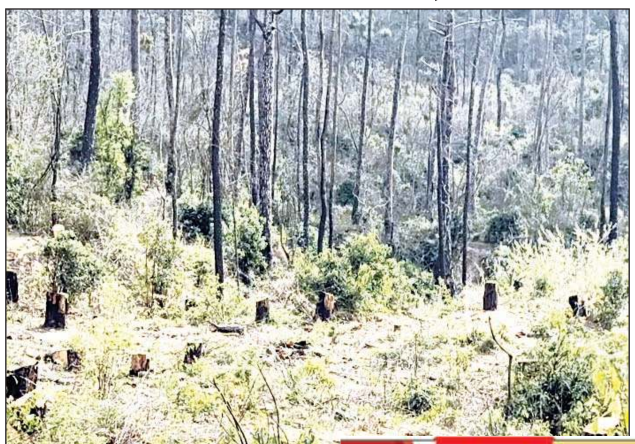

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

चकड़ाला गांव के 99 वर्षीय बुजुर्ग कृपाराम का कहना था कि जंगलों की हिफाजत के लिए पुरानी व्यवस्था अच्छी थी, लेकिन समय बदल गया और लोगों की भागीदारी खत्म हो गई। लोगों से उनके 'हक-हकूक' छीन लिए गए। इसी वजह से जंगलों की हिफाजत के लिए अब आम जनता आगे नहीं आती। सरकार और विभाग को इस पर विचार करना चाहिए।

चीड़ से ही निकलता है बिरोजा

चीड़ के पेड़ों की मौजूदगी का एहसास स्वास्थ्य के साथ भी जुड़ा हुआ है। इनकी आबोहवा सेहत के लिए काफी लाभदायक मानी जाती है। चीड़ के पेड़ से 'बिरोजे' की निकासी जिस 'रील' प्रणाली से होती है, इसका फायदा निश्चित रूप में पेड़ की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए भी काफी अहम माना जाता है। इसे स्थानीय भाषा में 'टक' कहा जाता है। इसी हिसाब से इसकी गिनती की जाती है। बिरोजे की निकासी से वन निगम को भी काफी फायदा होता है, लेकिन अब क्योंकि जंगल जलते हैं और इनकी तादाद भी घट रही है, तो फिर निश्चित रूप में बिरोजे की निकासी की मात्रा में भी कमी आना स्वाभाविक है।

सबसे ज्यादा बड़सर में कटे पेड़

हमीरपुर के निचले इलाके खासकर बड़सर के इलाके में चीड़ के जंगल काफी बड़ी मात्रा में पाए जाते हैं। बीट बाइज इस बार तकरीबन 5000 से 7000 सूखे चीड़ पेड़ कटे हैं। सबसे ज्यादा बड़सर इलाके में कटे हैं। उसमें कई जगह मुकम्मल तौर पर जमीन खाली हो गई है और वहां निश्चित रूप में नई 'पौध' उगाने की सख्त जरूरत है।

एशिया में नंबर वन माना जाता है प्लाटू का चीड़ का जंगल

प्लाटू का जंगल न केवल हिमाचल, बल्कि एशिया भर की जंगलों में नंबर वन माना जाता रहा है, लेकिन अब यह आंकड़ा वन विभाग के पास शायद नहीं है क्योंकि आगजनी की घटनाओं ने और बदलते परिवेश की वजह से भी चीड़ के जंगल कमजोर पड़ गए हैं। प्लाटू के जंगल में मोटे-मोटे और घनत्व वाले चीड़ के पेड़ थे, इसीलिए यह जंगल एशिया में नंबर बन रहा है।

पेड़ सूख चुके हैं, उन्हें तो काटना पड़ेगा : डीएफओ

डीएफओ अंकित कुमार का कहना है कि कुछ पेड़ पिछले साल भी नहीं काटे जा सके थे, इसलिए इस बार 28000 का आंकड़ा ज्यादा लग रहा है। पेड़ सूख चुके हैं, उन्हें तो काटना पड़ेगा। अब जहां जरूरत होगी, पत्तीदार पौधों की ही नई 'पौध' उगाई जाएगी। अब चीड़ के पौधे नहीं रोपे जा रहे हैं।

बारिश-बर्फबारी से 24 घंटे में 4.6 डिग्री तक गिरा तापमान

प्रदेश के चार जिलों में ओलावृष्टि के साथ तेज तूफान का ऑरेंट अलर्ट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल में राजधानी शिमला समेत अन्य भागों में आंधी के साथ बारिश और लाहौल-स्पीति के ऊंचे पहाड़ों पर बर्फ के फाहे गिरे। इससे पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 4.6 डिग्री तक तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने ताजा बुलेटिन जारी कर चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और शिमला जिला में ओलावृष्टि के साथ तेज तूफान का ऑरेंट अलर्ट जारी किया है। अन्य जिलों में येलो अलर्ट की चेतावनी दी गई है।

वहीं, धर्मशाला में शुक्रवार शाम पांच बजे तक सबसे ज्यादा 8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। शिमला में 3 मिमी, कांगड़ा में 4 मिमी और मनाली में 1 मिमी बारिश हुई। बीते 24 घंटे के दौरान प्रदेश के औसत अधिकतम अधिकतम तापमान में 4.6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद प्रदेश का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे गिरा है।मंडी का अधिकतम तापमान बीते 24 घंटे में 7.4 डिग्री नीचे गिरने के बाद 23.5 डिग्री, भुंतर का 7.2 डिग्री कम होने के बाद 21.4, सुंदरनगर का 7.1 डिग्री कम होने के बाद 23.7, मनाली का 6.4 डिग्री लुढ़कने के बाद 15.2 डिग्री, शिमला का अधिकतम तापमान 3.0 डिग्री कम होने के बाद 20.4 डिग्री सेल्सियस रह गया है। अगले छह दिन के दौरान तापमान में और ज्यादा गिरावट आएगी।

9 अप्रैल तक बरसेंगे बादल

मौसम विभाग के अनुसार- पहाड़ों पर नौ अप्रैल तक निरंतर मौसम खराब रहेगा। पांच से सात अप्रैल तक कोई चेतावनी तो नहीं दी गई, लेकिन मौसम पूरे प्रदेश में खराब रहेगा और बारिश-बर्फबारी का पूर्वानुमान है। आठ अप्रैल को वेस्टर्न डिस्टरबेंस और स्ट्रांग होगा। इसे देखते हुए फिर से तेज बारिश-ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट दिया गया है। नौ अप्रैल को भी पूरे प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहेगा।

बदले मौसम से चिंता में किसान और बागवान

बदले मौसम से किसान बागवान परेशान है। प्रदेश में इन दिनों सेब की फ्लावरिंग चल रही है। ऐसे में मौसम का साफ रहने जरूरी है, लेकिन बीते डेढ़ सप्ताह से मौसम खराब बना हुआ है। कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि किसानों-बागवानों की फसलों को कहर बनकर टूट रही है। इस वजह से किसानों-बागवानों की चिंताएं बढ़ती जा रही है।

हिमाचल में नवाचार से उद्यमिता को मिलेगी नई रफ्तार : सीएम

औद्योगिक विकास को मिलेगी मजबूती, रोजगार के खुलेंगे नए द्वार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार नवाचार के माध्यम से उद्योग और उद्यमिता को नई दिशा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में उद्योग स्थापित करने और नवप्रवर्तन आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की स्टार्ट-अप श्रेणीकरण की पांचवीं कड़ी में हिमाचल को देश के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल किया जाना प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए नई 'हिम आरंभ योजना' लाई जाएगी, जिसके तहत इच्छुक उद्यमियों और नवप्रवर्तन केंद्रों को आर्थिक तथा गैर-आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इससे प्रदेश में नवाचार आधारित उद्योगों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि उद्योग विभाग के माध्यम से दस हजार युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें कार्यकुशल बनाया जाएगा और प्रशिक्षण के दौरान मासिक वजीफा भी दिया जाएगा। प्रदेश की भौगोलिक विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए हरित उद्योगों, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में निवेश को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

नवाचार आधारित योजनाओं का निरीक्षण करते सीएम सुक्खू।

'एक जिला तीन उत्पाद' कार्यक्रम करेंगे शुरू

सीएम ने कहा कि कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए 'एक जिला तीन उत्पाद' कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक जिले में तीन विशिष्ट उत्पादों की पहचान कर उन्हें औद्योगिक नीति के अंतर्गत सहयोग दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से स्थानीय उत्पादों की मांग बढ़ेगी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और छोटे उद्यमों को विस्तार का अवसर मिलेगा, जिससे आत्मनिर्भर हिमाचल के लक्ष्य को बल मिलेगा।

भारत अकेला, जिसने होर्मुज में अपने नाविक खोए : मिस्री

एजेंसी, नई दिल्ली

ब्रिटेन की पहल पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए एक बड़ी ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिस्री शामिल हुए। इसमें सभी ने संकट के समाधान के लिए अपने - अपने सुझाव रखे। बैठक में विक्रम मिस्री ने कहा कि होर्मुज संकट में अब तक सिर्फ भारत के ही नागरिक मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होर्मुज संकट में अब तक 3 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं, ये सभी विदेशी जहाजों पर काम कर रहे थे। भारत ने कहा कि इस पूरे संकट का हल सिर्फ बातचीत और शांति से ही निकल सकता है।

कहा-सेंटर-ईस्ट संकट का हल बातचीत से ही संभव

भारत ने सभी देशों से अपील की कि तनाव कम करें और आपसी बातचीत के जरिए रास्ता निकालें। इससे पहले ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट उनके कंट्रोल में है और यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेतुके बयानों से नहीं खुलेगा। यह रास्ता तभी खुलेगा जब उसकी शर्तें मानी जाएंगी। (अनंत ज्ञान)

नगरोटा में 180 करोड़ से बनेगा प्रदेश का पहला फाइव स्टार होटल : बाली

एचपीटीडीसी के 8 होटलों का होगा निजीकरण

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने घाटे में चल रहे हिमाचल प्रदेश टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एचपीटीडीसी) के आठ होटलों को ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (ओएनएम) आधार पर निजी हाथों में देने का फैसला लिया है।

पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने शुक्रवार को शिमला में कहा है कि यह निर्णय कैबिनेट स्तर पर लिया गया है और निगम अब इस फैसले को चुनौती नहीं दे सकता। हालांकि उन्होंने साफ किया कि पर्यटन निगम इन होटलों को निजी हाथों में देने के पक्ष में नहीं था और कर्मचारियों की ओर से भी इसका विरोध किया गया है। इसी बीच पर्यटन निगम की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में पर्यटन ढांचे को मजबूत करने से जुड़े कई बड़े फैसले भी लिए गए हैं। कांगड़ा जिले के नगरोटा बगवां में बनेर खड्ड के किनारे करीब 180 करोड़ रुपए की लागत से प्रदेश का पहला बड़ा और फाइव स्टार होटल बनाया जाएगा। यह परियोजना एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के सहयोग से तैयार होगी। इस होटल को फाइव स्टार श्रेणी के स्तर पर विकसित करने की योजना है और इसमें प्रदेश का पहला म्यूजिकल फाउंटेन भी बनाया जाएगा। धौलाधार पर्वत की तलहटी में बनने वाला यह होटल पर्यटन को नया आकर्षण देगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया 6 अप्रैल तक अंतिम रूप देने की तैयारी है।

पर्यटन सुविधाओं को और बेहतर बनाना है उद्देश्य

आरएस बाली ने बताया कि इन होटलों की हालत सुधारने और उन्हें आधुनिक बनाने के लिए पहले सरकार से बजट की मांग की गई थी, लेकिन सरकार ने निजी भागीदारी के जरिए इनके संचालन और रखरखाव का रास्ता चुना है। उनका कहना है कि निगम का उद्देश्य पर्यटन सुविधाओं को बेहतर बनाना है और इसी दिशा में आगे की योजनाओं पर काम जारी रहेगा।

मुझे खामोश करवाया, लेकिन मैं हारा नहीं : राघव चड्ढा

एजेंसी, चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में उपनेता पद से हटाए जाने को लेकर शुक्रवार को पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किए वीडियो में कहा- मुझे खामोश करवाया गया है, लेकिन मैं हारा नहीं हूं। आम आदमी को ये मेरा संदेश है। राघव चड्ढा ने कहा कि मैंने पब्लिक के मुद्दे उठाए, इससे पार्टी को क्या नुकसान हुआ? वीडियो के आखिर में उन्होंने आम आदमी पार्टी को चेतावनी दी कि आवाज खामोश कराने वालों के सामने मैं सैलाब बनकर आऊंगा। हालांकि, राघव ने न तो पार्टी के किसी नेता का नाम लिया और न ही पार्टी छोड़ने या आगे की रणनीति को लेकर कुछ कहा। उधर, आप के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुराग ढांडा ने कहा कि राघव चड्ढा सदन में पार्टी के मुद्दे उठाने के बजाय एयरपोर्ट की कैंटीन में समोसे सस्ते करवाने की बात करते उठाते थे। सदन में पार्टी के लाए प्रस्ताव पर भी उन्होंने साइन करने से मना कर दिया था। कोई मोदी से डर जाए तो लड़ेगा क्या देश के लिए?

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राघव को कंप्रोमाइज्ड करार देते हुए कहा कि अगर कोई पार्टी लाइन के खिलाफ जाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। (अनंत ज्ञान)

ईको फ्रेंडली रोड | पर्यावरण संरक्षण में कारगर साबित होगा लोक निर्माण विभाग का प्रयोग

बिलासपुर में प्लास्टिक कचरे से बनाई जाएंगी सड़कें

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में लोक निर्माण विभाग ने प्लास्टिक कचरे के उपयोग से सड़क निर्माण का प्रयोग शुरू किया है। यह पहल न केवल सड़कों की गुणवत्ता सुधारने में सहायक साबित हो रही है, बल्कि प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या से निपटने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में प्लास्टिक वेस्ट से सड़क निर्माण की तकनीक को चरणबद्ध तरीके से अपनाया जा रहा है। राज्य स्तर पर अब तक 283 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण प्लास्टिक कचरे के उपयोग से किया जा चुका है, वहीं वर्तमान में लगभग 200 किलोमीटर नई सड़कों को इस तकनीक से बनाने की योजना पर कार्य चल रहा है। बिलासपुर जिले में इस तकनीक को फिलहाल प्रयोगात्मक तौर पर अपनाया गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार जिले की कई सड़कों के निर्माण व मरम्मत कार्यों में प्लास्टिक मिश्रित डामर का उपयोग किया गया है। सड़क निर्माण का यह प्रयोग सफल रहता है तो यह पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए एक उदाहरण बन सकता है। यह पहल विकास और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन की दिशा में अहम कदम साबित हो रही है।

पीडब्ल्यूडी को यहां से मिलेगा प्लास्टिक वेस्ट

प्रदेश सरकार द्वारा प्लास्टिक कचरे के संग्रहण केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां से यह कचरा लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध कराया जाता है। इससे कचरे का निस्तारण होने के साथ-साथ टिकाऊ बुनियादी ढांचा भी तैयार हो रहा है।

अनंत ज्ञान स्पैशल

प्लास्टिक वेस्ट से ऐसे बनती हैं सड़कें

इस तकनीक में पॉलिथीन, पैकेजिंग सामग्री व डिस्पोजेबल प्लास्टिक को एकत्र कर साफ किया जाता है। इसके बाद इसे छोटे टुकड़ों में काटकर 160-165 डिग्री सेल्सियस तापमान पर गर्म किया जाता है। पिघले हुए प्लास्टिक को गर्म बिटुमेन (डामर) में मिलाकर मिश्रण तैयार किया जाता है, जिसे सामान्य प्रक्रिया की तरह सड़क पर बिछाया जाता है।

ये हैं प्लास्टिक मिश्रित सड़कों के फायदे

विशेषज्ञों के अनुसार प्लास्टिक मिश्रित सड़कें अधिक टिकाऊ होती हैं। इनमें दरारें व गड्ढे कम बनते हैं और यह पानी को अवशोषित नहीं करतीं, जिससे बरसात में भी सड़क की गुणवत्ता बनी रहती है।

प्लास्टिक वेस्ट के उपयोग को बढ़ावा दे रहा विभाग

बिलासपुर लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता जीत सिंह ठाकुर ने भी इस तकनीक के प्रयोग की पुष्टि करते हुए कहा कि विभाग चरणबद्ध तरीके से प्लास्टिक वेस्ट के उपयोग को बढ़ा रहा है और भविष्य में इसे और व्यापक स्तर पर अपनाया जाएगा।

आईएनएस तारागिरी नेवी में शामिल

ब्रह्मोस और एयर डिफेंस सिस्टम से लैस, नौसेना की बढ़ेगी ताकत

एजेंसी, नई दिल्ली

आईएनएस तारागिरी शुक्रवार को विशाखापत्तनम में इंडियन नेवी में शामिल हुआ। डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह इस सेरेमनी में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि जब भी कोई संकट आता है, चाहे वह रेस्क्यू ऑपरेशन हो या मानवीय सहायता देना हो। हमारी नेवी हमेशा सबसे आगे रहती है।

आईएनएस तारागिरी की कमीशनिंग से हमारी नेवी की ताकत और बढ़ेगी। तारागिरी को मझगांव डॉक शिप बिल्डिंग लिमिटेड ने प्रोजेक्ट 17-ए के तहत तैयार किया है। वॉरशिप में ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल, एमएफस्टार(रडार), मीडियम रेंज सर्फेस-टू-एयर मिसाइल एयर डिफेंस सिस्टम लगा हुआ है।

इसके अलावा यह 76 मिमी गन, 30 मिमी और 12.7 मिमी क्लोज-इन वेपन सिस्टम के साथ एंटी सबमरीन रॉकेट और टॉरपीडो से भी लैस है। वहीं भारत की स्वदेशी न्यूक्लियर सबमरीन 'अरिदमन' को भी नेवी में शामिल किया गया। (अनंत ज्ञान)

नीलगिरि क्लास का चौथा युद्धपोत है तारागिरी

भारत की नीलगिरी क्लास में कुल 7 स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। तारागिरी इस क्लास का चौथा युद्धपोत है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, प्रोजेक्ट 17-ए युद्धपोत को आगे आने वाली समुद्री चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। 'तारागिरी' उसी नाम के पुराने युद्धपोत का एडवांस्ड वर्जन है, जिसने 1980 से 2013 तक नौसेना में 33 सालों तक सेवा दी थी। नई 'तारागिरी' हाईटेक स्टेल्थ तकनीक, बेहतर मारक क्षमता, अत्याधुनिक ऑटोमेशन और मजबूत सर्वाइवेबिलिटी से लैस है।

न्यूज ब्रीफ

नुक्कड़ नाटक से दिया नशा मुक्त हिमाचल का संदेश

अनंत ज्ञान, शिमला। रिज मैदान पर शुक्रवार को उस वक्त जागरूकता का माहौल देखने को मिला, जब आईईसी विश्वविद्यालय के छात्रों ने नशा मुक्त हिमाचल अभियान के तहत प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक के माध्यम से युवाओं ने नशे के बढ़ते प्रचलन और उसके खतरनाक दुष्परिणामों को जीवंत ढंग से दर्शाया, जिससे वहां मौजूद स्थानीय लोगों और सैलानियों का ध्यान आकर्षित हुआ। छात्रों ने अपने अभिनय के जरिए यह पैगाम दिया कि नशा न सिर्फ व्यक्ति बल्कि पूरे समाज को खोखला करता है, इसलिए इससे दूरी बनाना बेहद जरूरी है। इस पहल की स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने खुलकर सराहना की। वहीं, विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि छात्र लगातार ऐसे सामाजिक अभियानों में भाग लेकर समाज में बेहतरी की राह दिखा रहे हैं।

परवेश व जोगिंद्र ने थामा कांग्रेस का दामन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। जुब्बल तहसील की ग्राम पंचायत बढ़ाल से संबंध रखने वाले परवेश चौहान और जोगिंद्र नरगेटा ने कांग्रेस में घर वापसी का ऐलान किया। दोनों नेताओं ने शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर से मुलाकात कर उनकी जनहितैषी कार्यशैली और जुब्बल-नावर-कोटखाई क्षेत्र में जारी विकास कार्यों से प्रभावित होकर यह कदम उठाया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जुब्बल-नावर-कोटखाई के अध्यक्ष मोतीलाल डेरटा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि पार्टी में उन्हें पूरा मान-सम्मान मिलेगा और संगठन को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका अहम रहेगी।इस अवसर पर बढ़ाल गांव के नरेंद्र रिख्ता और अनिल चौहान भी उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम को स्थानीय स्तर पर व्यापक समर्थन मिला।

सड़क पर नमाज पढ़ने को लेकर हुआ विवाद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। शिमला जिला के नेरवा क्षेत्र में सड़क पर नमाज पढ़ने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक समुदाय विशेष के कुछ लोगों द्वारा सड़क पर बैठकर नमाज अदा की जा रही थी, जिससे मार्ग पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई और आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी दौरान दूसरे पक्ष के कुछ युवकों ने इस पर आपत्ति जताई, जिससे मौके पर माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना से जुड़ा वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ लोग 'भारत माता की जय' के नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिससे स्थिति और संवेदनशील हो गई। बताया जा रहा है कि यह घटना शिमला और सिरमौर जिला की सीमा से सटे नेरवा क्षेत्र की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाई जा सके।

वीकेंड पर शिमला में उमड़ी सैलानियों की भीड़

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। राजधानी शिमला में वीकेंड के आगाज के साथ ही पर्यटकों की भारी आमद देखने को मिल रही है। शुक्रवार से शुरू हुई रौनक शनिवार तक चरम पर पहुंच गई, जहां देश के विभिन्न राज्यों से आए सैलानी ठंडी हवाओं और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने पहुंचे हैं। खासकर मैदानों में बढ़ती गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में परिवार, युवा और पर्यटक समूह शिमला की ओर रुख कर रहे हैं। इन दिनों शहर का मौसम बेहद सुहावना बना हुआ है। बीच-बीच में हो रही हल्की बारिश और रिमझिम फुहारों ने वातावरण को और भी आकर्षक बना दिया है, जिससे पर्यटन गतिविधियों में तेजी आई है। माल रोड, रिज मैदान और आसपास के पर्यटन स्थलों पर दिनभर चहल-पहल बनी रही। पर्यटक बारिश के बीच घूमने का आनंद लेते नजर आए, वहीं स्थानीय कारोबारियों के चेहरों पर भी रौनक लौट आई है। वीकेंड के चलते होटल कारोबार भी पूरी तरह पटरी पर लौट आया है। शहर के अधिकांश होटलों में 80 प्रतिशत तक ऑक्यूपेंसी दर्ज की जा रही है, जबकि कई प्रमुख होटलों में अग्रिम बुकिंग पहले से ही फुल चल रही है। पर्यटन कारोबारियों का मानना है कि रविवार तक यह भीड़ और बढ़ेगी, जिससे आने वाले दिनों में पर्यटन उद्योग को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

कनिष्ठ सहायक कर्मियों ने सीएम सुक्खू से नियमितीकरण में समानता की उठाई मांग

बोले-नियुक्ति में कुछ दिनों का अंतर, सेवा लाभों में छह माह की बड़ी खाई

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। सूचना प्रौद्योगिकी आधारित कनिष्ठ कार्यालय सहायक पोस्ट कोड 817 के कर्मचारियों ने अपनी लंबित समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मुलाकात कर न्याय की मांग बुलंद की। एक ही परीक्षा और चयन प्रक्रिया से गुजरने के बावजूद सेवा लाभों में उत्पन्न असमानता को कर्मचारियों ने गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि यह स्थिति न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि उनके भविष्य को भी प्रभावित कर रही है। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि वर्षों के इंतजार के बाद मिली नौकरी के बावजूद उन्हें बराबरी का अधिकार नहीं मिल पा रहा है।

जानकारी के अनुसार भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2020 में आरंभ हुई थी, जो विभिन्न कानूनी कारणों से अगस्त 2024 में जाकर पूर्ण हुई। इसके पश्चात नियुक्तियां दी गईं, लेकिन कुछ कर्मचारियों को सितंबर 2024 में कार्यभार ग्रहण करने का अवसर मिला, जबकि अन्य को प्रशासनिक कारणों से अक्तूबर 2024 में ज्वाइनिंग दी गई।

वर्तमान नियमों के अनुसार सितंबर में नियुक्त कर्मचारी अक्तूबर 2026 में नियमित हो जाएंगे, जबकि अक्तूबर में नियुक्त कर्मचारियों को अप्रैल 2027 तक प्रतीक्षा करनी पड़ेगी, जिससे एक ही बैच के कर्मचारियों के बीच छह माह का अंतर उत्पन्न हो रहा है।

इस विषय को विस्तार से रखते हुए कर्मचारियों ने कहा कि जब परीक्षा, चयन और परिणाम सभी के लिए समान रहे हैं, तो केवल विभागीय देरी के कारण सेवा लाभों में भेदभाव स्वीकार्य नहीं हो सकता। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि पूरे बैच को एकमुश्त छूट प्रदान की जाए, ताकि सभी कर्मचारियों को एक समान तिथि से नियमित किया जा सके और किसी के साथ भी अन्याय न हो। कर्मचारियों ने यह भी कहा कि चार वर्षों तक चले संघर्ष और अनिश्चितता ने उन्हें मानसिक रूप से भी प्रभावित किया है।

सरकार करेगी सहानुभूति पूर्वक विचार : सीएम सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कर्मचारियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि सरकार इस विषय पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी। उन्होंने कहा कि नियमों के दायरे में रहते हुए ऐसा समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा, जिससे सभी कर्मचारियों के हित सुरक्षित रह सकें। अब इस मुद्दे पर सरकार के निर्णय का इंतजार किया जा रहा है, जिससे लंबे समय से चली आ रही यह असमानता समाप्त हो।

हिमाचल चेस्टर हिल विवाद गहराया

10 दिन बाद भी एफआईआर नहीं, हाईकोर्ट जाने की तैयारी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल में चेस्टर हिल-2 और चेस्टर हिल-4 परियोजनाओं से जुड़ा जमीन खरीद विवाद लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। करीब 1500 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के आरोपों के बीच 10 दिन बीत जाने के बावजूद एफआईआर दर्ज न होने से मामले ने अब राजनीतिक रंग भी ले लिया है। हाईकोर्ट के एडवोकेट विनय शर्मा द्वारा दी गई शिकायत पर कार्रवाई में देरी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं अब यह मामला अदालत की चौखट तक पहुंचने की तैयारी में है।

एडवोकेट विनय शर्मा ने 24 मार्च को छोटा शिमला थाना में मुख्य सचिव संजय गुप्ता के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। उनका आरोप है कि एसडीएम सोलन की जांच रिपोर्ट, जिसमें जमीन खरीद में गड़बड़ियों के संकेत मिले थे, उसे दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने यह भी दावा किया कि इन घटनाओं के बाद मुख्य सचिव द्वारा न्यू चंडीगढ़ में करोड़ों रुपये की संपत्ति खरीदी गई, जिससे संदेह और गहरा गया है।

मामले में पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। अब तक एफआईआर दर्ज न होने पर पुलिस ने शिकायत को राज्य सरकार को भेजने का निर्णय लिया है, जिससे स्पष्ट है कि अंतिम फैसला सरकार स्तर पर लिया जाएगा। हालांकि, शिकायतकर्ता का कहना है कि जब जांच रिपोर्ट में अनियमितताओं के प्रमाण मौजूद हैं, तो कार्रवाई में देरी न्याय प्रक्रिया पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने पुलिस के रवैये को देखते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की बात कही है।

इस बीच, सोलन जिले में करीब 275 बीघा जमीन की खरीद को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि अलग-अलग हिस्सों में की गई इस खरीद में ऐसे लोगों के नाम सामने आए, जिनकी आर्थिक स्थिति इतनी बड़ी जमीन खरीदने की नहीं थी। आरोप यह भी है कि यह जमीन बेनामी तरीके से बाहरी लोगों के लिए खरीदी गई, जो हिमाचल प्रदेश टेनेंसी एंड लैंड रिफॉर्म्स एक्ट, 1972 के प्रावधानों के खिलाफ हो सकता है। राजनीतिक स्तर पर भी यह मुद्दा तेजी से उछला है। माकपा नेताओं ने दस्तावेजों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्य सचिव को पद से हटाने और एसआईटी जांच की मांग उठाई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो सचिवालय का घेराव किया जाएगा। वहीं भाजपा ने भी इस मामले को लेकर सरकार पर हमला बोलते हुए मुख्य सचिव को हटाने की मांग की है।

विधानसभा में गूंज चुका है मामला

विधानसभा में भी यह विवाद गूंज चुका है। विपक्ष के हमलों के बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इसे अधिकारियों के बीच का विवाद बताया, जिससे राजनीतिक हलकों में नई बहस छिड़ गई है। दूसरी ओर, मुख्य सचिव संजय गुप्ता ने मीडिया के सामने आकर पूर्व मुख्य सचिवों और अन्य अधिकारियों पर साजिश रचने के आरोप लगाए, जिससे विवाद और गहराता नजर आ रहा है।

हिमाचल में 777 नए प्रधानाचार्यों की तैनाती

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश सरकार ने 777 पदोन्नत प्रधानाचार्यों को विभिन्न स्कूलों में तैनाती प्रदान कर दी है। इस निर्णय से लंबे समय से खाली पड़े नेतृत्व पद भरने की दिशा में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जिससे विद्यालयों की कार्यप्रणाली में न केवल स्थिरता आएगी बल्कि शैक्षणिक वातावरण भी अधिक सुदृढ़ होगा।

शिक्षा सचिव राकेश कंवर द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सभी नव पदोन्नत प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि वे तत्काल प्रभाव से अपने नए तैनाती स्थलों पर कार्यभार ग्रहण करें और विभाग को अपनी ज्वाइनिंग रिपोर्ट प्रस्तुत करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी छात्रों की पढ़ाई को प्रभावित कर सकती है, इसलिए समयबद्ध तरीके से कार्यभार संभालना अनिवार्य किया गया है।

सरकार द्वारा यह भी व्यवस्था की गई है कि जिन स्कूलों को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध किया जा चुका है या किया जाना प्रस्तावित है, वहां तैनात प्रधानाचार्यों का स्थानांतरण आवश्यकता अनुसार किया जा सकेगा। इसके साथ ही शिक्षकों के लिए अलग उप-कैडर बनाए जाने की नीति को भी लागू किया जा रहा है, जिसमें प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल, पीजीटी, टीजीटी सहित अन्य पद शामिल होंगे। इस नए ढांचे के तहत चयनित शिक्षकों का मूल कैडर से कोई संबंध नहीं रहेगा, जिससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने का प्रयास किया गया है।

अभाविप ने शूलिनी विवि में छात्र मौत मामले पर प्रशासन पर लगाए आरोप

अनंत ज्ञान, ब्यूरो, शिमला। सोलन की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने शूलिनी विश्वविद्यालय में एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रदेश मंत्री नैंसी अटल ने कहा कि यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि संस्थान की लापरवाही और छात्रों की समस्याओं की अनदेखी का परिणाम है। अटल ने बताया कि छात्र मानसिक दबाव, शैक्षणिक तनाव और प्लेसमेंट से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहा था, लेकिन उसकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। घटना के बाद छात्रों का विरोध प्रदर्शन यह दर्शाता है कि लंबे समय से समस्याएं उत्पन्न हो रही थीं।

अभाविप ने चेतावनी दी है कि मामला दबाया नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तक आंदोलन जारी रहेगा। परिषद ने प्रदेश सरकार से उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच, छात्र सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य सहायता को प्राथमिकता देने तथा पीड़ित परिवार को न्याय सुनिश्चित करने की मांग की है।

शिक्षा मंत्री ने जुब्बल में दो प्रमुख संपर्क सड़कों का किया लोकार्पण

अनंत ज्ञान

जनता को संबोधित करते शिक्षा मंत्री।

ब्यूरो, शिमला। जुब्बल उपमंडल की ग्राम पंचायत कोट काईना में शुक्रवार को शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने विकास की नई इबारत लिखी। उन्होंने 75 लाख रुपए की लागत से निर्मित संतोषीनगर-शोली काईना मार्ग और 1 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से तैयार काईना-धरोट संपर्क मार्ग का लोकार्पण किया।

मंत्री ने कहा कि पहाड़ी प्रदेश में सड़कें केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि विकास और समृद्धि की धुरी हैं, जो दूरदराज क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ती हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कोट काईना में 4 करोड़ 30 लाख रुपए की लागत से 6 नई सड़कों का निर्माण हुआ है, जबकि पूरे बुशहर क्षेत्र में 18 सड़कें बन चुकी हैं। इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झड़ग (1.56 करोड़) और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सारी (2.38 करोड़) के भवन निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। जुब्बल-नावर-कोटखाई क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग के तहत 550 करोड़ रुपए के विकास कार्य स्वीकृत हैं, जो क्षेत्र की तस्वीर बदलने में मील का पत्थर साबित होंगे। मंत्री ने जनसभा में प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. यशवंत सिंह परमार और पूर्व मुख्यमंत्रियों ठाकुर राम लाल व वीरभद्र सिंह के योगदान का स्मरण किया। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में जुब्बल-नावर-कोटखाई क्षेत्र में 171 नई सड़कें बन चुकी हैं और यह सिलसिला जारी है।

◆ कहा-जुब्बल-नावर-कोटखाई क्षेत्र में 550 करोड़ के कार्य प्रगति पर

कार्यक्रम में फल एवं सब्जी उत्पादक संघ अध्यक्ष हरीश चौहान, पूर्व प्रधान ईश्वर सिंह ढोलता, निरंजन चौहान, रूपिंद्र ढालटा, पूर्व उपप्रधान गोपाल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक काल्टा आदि उपस्थित रहे।

हिमाचल में पेट्रोलियम व एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह सामान्य : नेगी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच तेल विपणन कंपनियों ने स्थिति पूरी तरह सामान्य होने का भरोसा दिलाया है। राज्य स्तरीय समन्वयक आईएल नेगी ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में मोटर स्पिरिट (पेट्रोल) और हाई-स्पीड डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है तथा सभी डिपो और पेट्रोल पंपों पर निर्बाध आपूर्ति जारी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए कंपनियां पूरी तरह सक्षम हैं और किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है।

उन्होंने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह या आशंका के चलते घबराहट में अनावश्यक खरीदारी न करें। इससे कृत्रिम दबाव बनता है, जबकि वास्तविकता में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और नियमित आपूर्ति जारी है। लोगों से संयम और समझदारी बरतने की जरूरत है, ताकि वितरण व्यवस्था संतुलित बनी रहे।

◆ घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उपभोक्ताओं से कहा गया है कि गैस सिलेंडर की बुकिंग केवल डिजिटल माध्यमों से करें और डिलीवरी के समय डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के जरिए प्राप्ति की पुष्टि अवश्य करें। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और वास्तविक उपभोक्ताओं को समय पर सेवा सुनिश्चित होगी। अधिकारियों ने दोहराया कि जनता का सहयोग ही प्रदेश में सुचारु और प्रभावी आपूर्ति व्यवस्था बनाए रखने की कुजी है।

सदस्यता अभियान से संगठन को सुदृढ़ करने की जरूरत : प्रतिभा सिंह

अनंत ज्ञान

नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ प्रतिभा सिंह और विक्रमादित्य सिंह। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य प्रतिभा सिंह ने पीसीसी के नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि पार्टी के सदस्यता अभियान को व्यापक स्तर पर चलाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इससे संगठन को और अधिक सुदृढ़ता मिलेगी तथा सभी पदाधिकारियों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान को बनाए रखना पदाधिकारियों की बड़ी जिम्मेदारी है और इसके लिए समय-समय पर उनसे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए।

होली लॉज में नव नियुक्त पदाधिकारियों से भेंट के दौरान संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार कार्यकर्ताओं के परिश्रम से बनी है, जिसमें वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

◆ पीसीसी के नए पदाधिकारियों से की मुलाकात

उन्होंने पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों में ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं को आगे लाने की बात कही, जिनकी आम जनता के बीच अच्छी साख हो। साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अभी से तैयारी आरंभ करनी होगी और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों, जनहितकारी योजनाओं व नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं को पार्टी से जोड़ने पर भी बल दिया।

सीएम सुक्खू ने ओक ओवर में सुनीं लोगों की समस्याएं

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास ओक ओवर में आयोजित जनता दरबार के दौरान प्रदेशभर से पहुंचे लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान सैंकड़ों लोग अपनी विभिन्न शिकायतों और मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष पहुंचे। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना, समझा और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए, ताकि शिकायतों का शीघ्र और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

जनता दरबार के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते सीएम सुक्खू। अनंत ज्ञान

जनता दरबार में सामाजिक, राजस्व, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार और अन्य विभागों से जुड़ी अनेक समस्याएं सामने आईं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता की शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और तय समयसीमा में कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सीधे सरकार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

हाईकोर्ट के जज से करवाई जाए चेस्टर हिल प्रकरण की जांच : रणधीर शर्मा

अनंत ज्ञान

शिमला में प्रेस वार्ता को संबोधित करते भाजपा नेता रणधीर शर्मा। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता रणधीर शर्मा ने शिमला में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए चेस्टर हिल भूमि प्रकरण की जांच हाईकोर्ट के सिंगल जज से करवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस मामले ने प्रशासनिक तंत्र की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं और जिस तरह कार्यवाहक मुख्य सचिव को खुद सामने आकर सफाई देनी पड़ी, वह अभूतपूर्व है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार की चुप्पी यह संकेत देती है कि मामला गंभीर है और उच्च स्तर पर संरक्षण की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। रणधीर शर्मा ने एंट्री टैक्स के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि विधानसभा में एक बात कही गई, जबकि अधिसूचना में अलग प्रावधान लागू कर दिए गए। उन्होंने कहा कि 5-सीटर वाहनों पर 100 रुपए टैक्स लगाकर सरकार ने आम जनता, व्यापारियों और पर्यटन क्षेत्र पर अतिरिक्त बोझ डाला है। एक अप्रैल को प्रदेश की सीमाओं पर अलग-अलग दरों की वसूली से भ्रम और आक्रोश की स्थिति बनी रही, जिससे सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं।

◆ एंट्री टैक्स और पंचायत चुनाव पर भी उठाए सवाल

पंचायतीराज चुनाव को लेकर भी उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि रोस्टर में बदलाव के नाम पर धांधली की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि बैकडेट अधिसूचना के माध्यम से उपायुक्तों को 5 प्रतिशत तक बदलाव की शक्ति देना संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत है और इससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा उन्होंने प्रदेश के बजट को भी दिशाहीन बताते हुए कहा कि बढ़ते कर्ज और घटते विकास व्यय से प्रदेश आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है।

चिंता सेब पट्टी में बीमारी और मौसम बना चुनौती, किसी अनजाने संक्रमण से सहमे बागवान

परागण के लिए बाहरी मधुमक्खियों पर उठे सवाल

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। जिला शिमला के ऊपरी क्षेत्रों में सेब बागवानों के बीच परागण के लिए बाहर से लाई जा रही मधुमक्खियों को लेकर आशंकाएं गहराने लगी हैं। बागवानों का कहना है कि इस बार परागण की प्रक्रिया अपेक्षित ढंग से सफल नहीं हो पा रही, जिसके पीछे मौसम की बेरुखी के साथ-साथ बाहरी मधुमक्खियों की स्थिति भी एक बड़ा कारण बन रही है।

कई क्षेत्रों से यह भी सूचना मिल रही है कि मधुमक्खियों के बक्सों में असामान्य मृत्यु दर देखी जा रही है, जिससे बागवान चिंतित हैं कि कहीं कोई रोग या संक्रमण तो इसका कारण नहीं।

जानकारी के अनुसार, हर वर्ष सेब के फूलों के मौसम में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में मधुमक्खियों के बक्से बाहरी राज्यों, विशेषकर पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड से मंगवाए जाते हैं। अनुमानत: हिमाचल प्रदेश में हर साल हजारों की संख्या में मधुमक्खी बक्से परागण के लिए पहुंचते हैं, जिनकी सहायता से सेब उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि संभव मानी जाती है। यह पूरी व्यवस्था एक तरह से मौसमी प्रवासन पर आधारित है, जहां मधुमक्खी पालक अपनी कॉलोनियों को फूलों की उपलब्धता के अनुसार स्थानांतरित करते हैं।

हालांकि इस बार मौसम की अनिश्चितता, लगातार ठंड, वर्षा और धुंध ने मधुमक्खियों की सक्रियता को प्रभावित किया है। बागवानों का कहना है कि मधुमक्खियां फूलों पर अपेक्षित संख्या में नहीं बैठ रहीं, जिससे परागण प्रभावित हो रहा है। इसके साथ ही कुछ स्थानों पर मधुमक्खियों के कमजोर पड़ने और मरने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति कई कारणों से उत्पन्न हो सकती है, जिनमें मौसमीय तनाव, लंबी दूरी का परिवहन, और कॉलोनियों का पोषण संतुलन शामिल हैं। फिलहाल किसी बड़े वायरस या संक्रामक बीमारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन आशंकाओं ने चिंता जरूर बढ़ा दी है।

बागवानी विभाग की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में मार्गदर्शक और समन्वयक की रहती है। विभाग समय-समय पर बागवानों को परागण के महत्व और मधुमक्खियों के उपयोग के बारे में जागरूक करता है, साथ ही वैज्ञानिक सलाह भी उपलब्ध कराता है। मधुमक्खी बक्सों का प्रबंध प्राय: निजी स्तर पर होता है, जहां किराया प्रति बक्सा मौसम और मांग के अनुसार तय होता है।

बागवान बोले- सेब में समस्या की हो जांच

इस वर्ष कुछ बागवानों का कहना है कि दरों में वृद्धि हुई है, जबकि परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिल पा रहे। ऐसे में बागवान अब यह मांग उठा रहे हैं कि विभाग इस विषय में विस्तृत जांच करवाए और यदि किसी रोग या संक्रमण की संभावना हो तो समय रहते समाधान सुनिश्चित करे, ताकि सेब अर्थव्यवस्था को किसी बड़े नुकसान से बचाया जा सके।

फेक न्यूज के बढ़ते खतरे से सतर्क रहने की जरूरत : केएस ढटवालिया

अनंत ज्ञान

नगरोटा बगवां। हिमाचल प्रदेश के तेजी से उभरते दैनिक समाचार पत्र अनंत ज्ञान ने 1984 बैच के भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के वरिष्ठ अधिकारी एवं सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय से सेवानिवृत्त प्रधान महानिदेशक केएस ढटवालिया से विशेष बातचीत की। उन्होंने अखबारों और पत्रिकाओं के टाइटल, रजिस्ट्रेशन और विज्ञापन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर खुलकर अपने अनुभव साझा किए।

ढटवालिया ने अपने करियर की शुरुआत हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के छोटे गांव महारल से की। उन्होंने गांव में प्रारंभिक शिक्षा पूरी की और फिर हमीरपुर कॉलेज से ग्रेजुएशन तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से गणित में मास्टर्स किया। 1983 में उन्होंने सिविल सर्विस परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय सूचना सेवा में शामिल होकर पीआईबी, कृषि मंत्रालय, केंद्रीय संचार ब्यूरो, ऑल इंडिया रेडियो और गृह मंत्रालय जैसे विभागों में जिम्मेदारी निभाई।

उन्होंने बताया कि पहले अखबार शुरू करने की प्रक्रिया जटिल और समय-साध्य थी, जिसमें जिलाधीश के माध्यम से आवेदन भेजना पड़ता था। अब पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो गई है, जिससे टाइटल और रजिस्ट्रेशन तुरंत मिल जाते हैं।

मीडिया व्यवसाय नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का माध्यम

नए प्रकाशकों और पत्रकारों को उन्होंने सलाह दी कि अखबार शुरू करने से पहले उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए। मीडिया केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का माध्यम है। डिजिटल युग में ई-पेपर और ऑनलाइन मीडिया का महत्व बढ़ा है, लेकिन प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता आज भी कायम है। उन्होंने युवा पत्रकारों और सिटीजन जर्नलिस्ट्स को संदेश दिया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, और सही व सत्य जानकारी ही पत्रकारिता की सबसे बड़ी ताकत है।

केएस ढटवालिया से **विशेष बातचीत**

कृषि मंत्रालय में उनके अनुभव में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रोटोकॉल के महत्वपूर्ण कार्य शामिल थे। भारतीय वैज्ञानिकों को विदेश भेजना और विदेशी वैज्ञानिकों से तालमेल बनाना उनके दायरे में था। उन्होंने अपने गांव लौटने के अनुभव साझा किए और बताया कि बचपन की यादें और स्कूल की पुरानी यादें आज भी उतनी ही ताजा लगती हैं। प्रवक्ता के रूप में उनकी जिम्मेदारी थी कि सरकार की नीतियों और योजनाओं को जनता तक सही रूप में पहुंचाया जाए। पीआईबी में रहते हुए उन्होंने चुनाव आयोग, पर्यटन मंत्रालय, कानून मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ काम किया। कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान सही जानकारी का प्रसार करना उनकी सबसे चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी थी।

ढटवालिया ने मीडिया के बदलते स्वरूप पर भी अपने विचार साझा किए। रेडियो, टीवी, अखबार और डिजिटल मीडिया सभी के अपने योगदान हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम का उदाहरण देते हुए रेडियो की लोकप्रियता बढ़ने की बात कही। फेक न्यूज के बढ़ते खतरे पर उन्होंने सतर्क रहने और जिम्मेदारी से जानकारी साझा करने पर जोर दिया।

'गफ्फे-दफ्फे' का खेल वाह रे शिक्षा विभाग

अनंत ज्ञान

- सेवा विस्तार के बाद प्रमोशन का 'पिक एंड चूज'
- प्रभावशाली, शक्तिशाली दिखा रहे 'दम'

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। 58 वर्ष की सेवा के बाद शिक्षा विभाग में सेवा विस्तार तो मिल गया यहां तक तो सब ठीक है, लेकिन इसी सेवा विस्तार में क्या प्रमोशन भी मिल सकती है? जी हां, ऐसा संभव हो रहा है, क्योंकि एक शिक्षक को अब प्रमोशन भी मिल गई है। इसे यह कहना अनुचित नहीं होगा कि प्रभाव अपना काम कर रहा है, क्योंकि जिस शिक्षक को सेवा विस्तार के आदेशों के बाद अब थोड़े ही समय में प्रमोशन सूची में भी शामिल कर लिया गया हो, वह सामान्य प्रक्रिया नहीं है।

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

यही नहीं, प्रमोशन के बाद उसे संबंधित ओहदे पर उसी स्थान पर विराजमान भी कर दिया गया है। वाह रे शिक्षा विभाग।

इधर असल में पिछले कुछ समय से शिक्षा विभाग में जो कुछ चल रहा है वह किसी की समझ में नहीं आ रहा बड़े-बड़े धुरंधर ऐसे आदेशों से भौचक्के हो रहे हैं, क्योंकि ऐसा पहले शायद कभी हुआ हो, इसकी किसी को याद भी नहीं है। 58 वर्ष के बाद प्रमोशन यह मामला बेहद ताज्जुब भरा है।

जो भी हो, सरकार फैसला ले रही है और जिसे फायदा देना है वह इसका पात्र भी बन रहा है, लेकिन विडंबना एक ही है कि केवल असरदार को ही इन मामलों में तरजीह मिल रही है। सामान्य प्रक्रिया यह हो नहीं सकती, विषय यही गंभीर और चिंता का है।

हमीरपुर में दो अधिकारियों को एक्सटेंशन, बेनिफिट में भेद

31 मार्च को हमीरपुर में भी ऐसे दो अधिकारियों को एक्सटेंशन मिली थी जिसमें एक डिप्टी डायरेक्टर रैंक का और दूसरा सुपरवाइजर शामिल था, लेकिन उनके आदेशों में इस बात का खास जिक्र किया गया था कि किसी तरह के अन्य बेनिफिट यानी प्रमोशन और वित्तीय लाभ उन्हें अतिरिक्त रूप में नहीं मिलेंगे। केवल आखिरी पे जिसे उन्होंने ड्रॉ किया है, इस पर आगे भी उन्हें शामिल किया गया है। मसला यही है कि किसी को तो प्रमोशन भी मिल रही और किसी के लिए मनाही हो रही है। ठीक है शिक्षा विभाग के बड़े अधिकारी ऐसे आदेशों के बाद चर्चा में हैं। और शिक्षा विभाग के भीतर चर्चाएं जिस मरहले में करवट ले रही हैं, वह किस अंजाम तक जाएंगी, इसका इंतजार भी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' से दमन यात्रा पर किया आत्मीय संवाद

कहा-चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के बच्चों की दूरियों को पंख, सपनों को उड़ान

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल के दूरदराज इलाकों से निकले मासूम सपनों को उस वक्त नई उड़ान मिली, जब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वर्चुअल माध्यम से दमन भ्रमण पर गए 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' से आत्मीय संवाद किया। पहली बार हवाई यात्रा का अनुभव कर रहे इन बच्चों की आंखों में चमक, आवाज में उत्साह और भविष्य को लेकर नई उम्मीद साफ झलक रही थी। यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव और आत्मविश्वास की नई शुरुआत बनकर उभरी है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने जिला चंबा के 35 बच्चों से बातचीत के दौरान उनके अनुभवों को बड़े ध्यान से सुना और यात्रा के दौरान मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि राज्य सरकार हर बच्चे के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है।

बच्चों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सोच और संवेदनशील पहल के कारण ही उन्हें यह अवसर मिला है। उन्होंने उत्साह के साथ बताया कि वे पहली बार हवाई जहाज से दमन पहुंचे और विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर रहे हैं, जो उनके लिए बेहद खास अनुभव है। बच्चों ने स्नेहपूर्वक कहा कि धन्यवाद सीएम सर, आपने हमें यह नया संसार दिखाया।

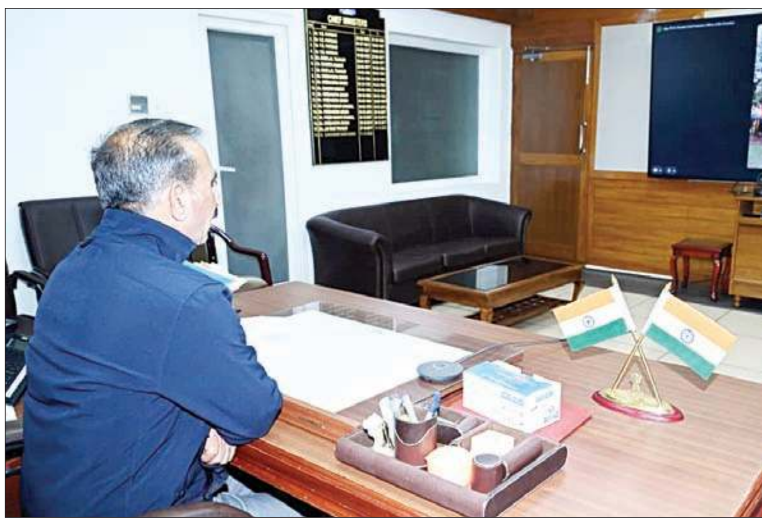

'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' से वर्चुअल संवाद करते सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू। अनंत ज्ञान

सात अप्रैल तक चलेगी यात्रा

इस शैक्षणिक भ्रमण में चंबा जिले के साहो, पांगी, चंबा और चिल्ली (तीसा) के बाल देखभाल संस्थानों से 24 लड़कियां और 11 लड़के शामिल हैं। यह यात्रा 31 मार्च से आरंभ होकर 7 अप्रैल तक चलेगी। बच्चों ने दिल्ली में हिमाचल भवन में ठहरने के बाद हवाई मार्ग से सूरत होते हुए दमन पहुंचकर अपने अनुभवों को समृद्ध किया।

मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना निराश्रित बच्चों के लिए संबल का कार्य कर रही है। इसके तहत उनकी शिक्षा, कोचिंग, विवाह सहित अन्य आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के संसाधनों पर इन बच्चों का भी समान अधिकार है और सरकार उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है।

हिमाचल में शिक्षकों के तबादलों पर लगी रोक

अनंत ज्ञान

- शिक्षा मंत्री बोले-केवल जरूरतमंद मामलों में ही होगा विचार

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में नए शैक्षणिक सत्र के आगाज के साथ ही शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के सामान्य तबादलों पर रोक जारी रखने का बड़ा निर्णय लिया है। विभाग ने साफ किया है कि फिलहाल तबादले केवल बेहद आवश्यक परिस्थितियों में ही किए जाएंगे, ताकि स्कूलों में तालीमी निजाम सुचारु बना रहे और विद्यार्थियों की पढ़ाई पर किसी तरह का असर न पड़े।

सरकार का यह कदम मौजूदा हालात को देखते हुए एक संतुलित और दूरदर्शी नीति के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे शिक्षा व्यवस्था में स्थिरता कायम रखने की कोशिश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार दरअसल, प्रदेश के लगभग 155 सीबीएसई पाठ्यक्रम वाले स्कूलों में इसी महीने शिक्षकों की नई नियुक्तियां प्रस्तावित हैं, जिनमें चयन परीक्षा की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। इस नई भर्ती प्रक्रिया से स्कूलों में बड़े स्तर पर फेरबदल होना तय है, क्योंकि योग्य अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी और कई मौजूदा शिक्षकों को अन्य स्थानों पर भेजा जा सकता है। ऐसे में यदि सामान्य तबादलों को भी एक साथ खोल दिया जाता, तो हालात बेकाबू हो सकते थे और तालीमी ढांचे में अव्यवस्था फैलने का अंदेशा था।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने स्पष्ट किया कि सत्र के शुरुआत में व्यापक तबादले करना मुनासिब नहीं है और फिलहाल केवल जरूरी मामलों पर ही निर्णय लिया जाएगा। इसके साथ ही 31 मार्च को प्रदेशभर में करीब 650 शिक्षकों के सेवानिवृत्त होने से कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी की स्थिति पैदा हो गई है। विभाग अब इस कमी को दूर करने के लिए नई नियुक्तियों और सीमित तबादलों के संतुलित संयोजन पर काम कर रहा है, ताकि किसी भी स्कूल में पढ़ाई प्रभावित न हो।

शिक्षा विभाग ने यह भी अनिवार्य किया है कि जो शिक्षक शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान सेवानिवृत्त होने वाले हैं, वे पूर्व सूचना अवश्य दें। ऐसा न करने की स्थिति में उनकी सेवाएं 31 मार्च 2027 तक जारी रखी जाएंगी, जिससे विभाग को समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था करने में आसानी हो सके।

अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में हिमालयी राज्यों में भूकंप सुरक्षा का उठाया मुद्दा

अनंत ज्ञान

- सांसद ने भवन मजबूती स्थानीय निर्माण सामग्री और कैरीइंग कैपेसिटी अध्ययन को लेकर केंद्र से जवाब मांगा

हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने लोकसभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 6233 के माध्यम से हिमालयी राज्यों में भूकंपीय संवेदनशीलता और ढलान अस्थिरता से उत्पन्न खतरों के मद्देनजर सुरक्षा उपायों पर जानकारी मांगी। अवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री तोखन साहू ने बताया कि राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी-2016) और मॉडल बिल्डिंग बाय-लॉज (एमबएल-2016) में भूकंपीय जोन-4 और 5 के अनुसार आवश्यक प्रावधान शामिल हैं, हालांकि इनका क्रियान्वयन राज्यों और स्थानीय निकायों पर निर्भर है।

मंत्रालय ने हिल एरिया डेवलपमेंट इंजीनियरिंग समिति (बीएमटी-46) के तहत विकसित 17 भारतीय मानकों का हवाला देते हुए रिटेनिंग वॉल डिजाइन, ढलान स्थिरीकरण, भू-धंसाव अध्ययन और सतही जल प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण पहल की जानकारी दी।

अनुराग ठाकुर ने स्थानीय, हल्की और भूकंप-रोधी निर्माण सामग्री जैसे लकड़ी और बांस के इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। मंत्रालय ने बताया कि एनबीसी-2016 और एमबीएल- 2016 में इसके विस्तृत प्रावधान शामिल हैं।

सरकार की आपदा प्रबंधन प्रतिबद्धता के तहत 'मेसनरी लाइफलाइन स्ट्रक्चर्स' पायलट प्रोजेक्ट में राज्य-स्तर पर भवन सुदृढ़ीकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इस परियोजना की बचत राशि हिमाचल प्रदेश और नागालैंड में महत्वपूर्ण सरकारी भवनों के सुदृढ़ीकरण के लिए उपयोग की जा रही है।

अनुराग ने कहा कि हिमालयी क्षेत्र में नागरिक सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और भवनों का निर्माण भूकंपीय और भौगोलिक चुनौतियों का सामना कर सके, इसके लिए केंद्रीय सहायता, वैज्ञानिक मूल्यांकन और जलवायु अनुकूल निर्माण मानकों को मजबूत करना आवश्यक है।

रावी किनारे खाई में गिरा ट्रक

अनंत ज्ञान

चंबा। चंबा मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर चंबा-भांदल रोड पर बालू पुल के पास एक हैरान कर देने वाला हादसा सामने आया है, जहां पाइपों से भरा एक ट्रक ट्राला खड़े-खड़े ही अचानक ढलान पर खिसकता हुआ रावी नदी के किनारे गहरी खाई में जा गिरा। गनीमत यह रही कि हादसे के समय ट्राले का मालिक और उसका सहयोगी गाड़ी में मौजूद नहीं थे, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक ट्राला सड़क किनारे सुरक्षित खड़ा किया गया था और चालक पक्ष के लोग खाना खाने के लिए पास ही चले गए थे। इसी दौरान अचानक गाड़ी अपने आप ढलान की ओर लुढ़कने लगी और देखते ही देखते रावी नदी के किनारे खाई में जा पहुंची। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया

इस संबंध में जानकारी देते हुए ट्रक ट्राले के मालिक ने बताया कि वह चंडीगढ़ से पाइपों का लोड भरकर डीयूर की ओर जा रहे थे। रास्ते में बालू पुल के पास उन्होंने गाड़ी को एक तरफ खड़ा किया और हैंडब्रेक लगाकर खाना खाने चले गए। कुछ ही देर बाद उन्हें फोन आया कि उनकी गाड़ी खाई में जा गिरी है। मालिक ने हैरानी जताते हुए कहा कि हमने गाड़ी को ठीक तरह से खड़ा किया था और हैंडब्रेक भी लगाया था। समझ नहीं आ रहा कि इतनी भारी पाइपों से लदी गाड़ी अचानक अपने आप कैसे खिसक गई।

उन्होंने आशंका जताई कि यह किसी की शरारत भी हो सकती है, हालांकि वास्तविक कारण का खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल इस मामले की जांच की जा रही है, वहीं यह घटना सड़क सुरक्षा और वाहन पार्किंग को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

जिस हिम केयर ने लाखों लोगों को जिंदगी दी उसी की जिंदगी लेना चाहती है सरकार : जयराम

अनंत ज्ञान

अनिल शर्मा, मंडी। सराज विधानसभा क्षेत्र के शंकर देहरा में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि गरीबी से बड़ा कोई दुख नहीं होता और इसे दूर करना सरकारों का प्रमुख कर्तव्य है। उन्होंने हिम केयर योजना की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना से अब तक 11 लाख से अधिक लोगों का इलाज किया जा चुका है। 'लाखों लोगों ने कार्ड लेकर आत्मसम्मान के साथ इलाज कराया और स्वस्थ होकर घर लौटे,' उन्होंने कहा।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर।

- पूर्व मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित रथों की प्राण प्रतिष्ठा में नवाया शीश

जयराम ने वर्तमान सरकार पर हिम केयर योजना को बदनाम करने और ब्लैकमेलिंग का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि योजना में किसी भी पैसे की गड़बड़ी नहीं मिली, बावजूद इसके इसे निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने सरकार की पेंशन नीति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वृद्धा, दिव्यांग और सहारा पेंशन धारकों की पेंशन रोक दी गई है, कुछ को मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हजारों लोग बिना कारण सामाजिक सुरक्षा से वंचित हो रहे हैं। हम सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से इन मामलों को उजागर करेंगे। कार्यक्रम में जयराम ठाकुर ने देव विष्णु मतलोड़ा जी और देवी दुलासन जी के नवनिर्मित रथों की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी शिरकत की। उन्होंने कहा कि हिमाचल की पहचान उसकी देव संस्कृति और आस्था है, और आधुनिक दौर में भी अपनी परंपराओं को संजोना गर्व की बात है। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भारी उपस्थिति रही।

बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन में 'डिजिटल पहरा'

अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने पहले दिन सर्विलांस रूम से किया औचक निरीक्षण

अनंत ज्ञान

सर्विलांस रूम से निरीक्षण करते राजेश शर्मा। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य को पूरी तरह से निष्पक्ष और त्रुटिरहित बनाने के लिए बोर्ड प्रशासन एक्शन मोड में नजर आ रहा है। उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के पहले ही दिन बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए विभिन्न मूल्यांकन केंद्रों का सघन निरीक्षण किया।

तकनीक का प्रभावी उपयोग करते हुए डॉ. शर्मा ने बोर्ड मुख्यालय स्थित हाइटेक सर्विलांस कक्ष से ऑनलाइन माध्यम के जरिए प्रदेशभर के केंद्रों की गतिविधियों को परखा। इस दौरान उन्होंने न केवल प्रक्रिया का जायजा लिया, बल्कि डिजिटल माध्यम से ही मूल्यांकन कार्य में तैनात शिक्षकों और बोर्ड कर्मचारियों से सीधा संवाद कर धरातल की स्थिति जानी।

गोपनीयता से कोई समझौता नहीं: निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने अधिकारियों और शिक्षकों को स्पष्ट संदेश दिया कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता और गोपनीयता सर्वोपरि है। उन्होंने निर्देश दिए कि शिक्षक अपने कर्तव्य का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करें ताकि किसी भी छात्र के साथ अन्याय न हो। निर्धारित समय सीमा के भीतर त्रुटिरहित मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाए। बोर्ड मुख्यालय से हर केंद्र की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की कोताही की गुंजाइश न रहे।

बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि बोर्ड मूल्यांकन कार्य को पूरी तरह पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी डिजिटल निगरानी टीम हर केंद्र पर पैनी नजर रख रही है ताकि संपूर्ण प्रक्रिया सुचारू और सुरक्षित रूप से संपन्न हो सके।

सियासत | कुलदीप राठौर ने दिखाई अपनी ही सरकार को आंख

कांग्रेस सरकार में दखलअंदाजी पर छिड़ा संग्राम

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में उस समय हलचल तेज हो गई जब कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर ने संगठन के भीतर अनुशासन को लेकर कड़ा संदेश देते हुए साफ कहा कि किसी भी नेता द्वारा विधायकों के चुनाव क्षेत्रों में दखलअंदाजी अब किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि पार्टी में अनुशासन तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, जिससे यह संकेत साफ मिल गया है कि कांग्रेस अब आंतरिक खींचतान पर सख्त नियंत्रण की रणनीति पर काम कर रही है।

- विधायकों के क्षेत्र में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं

कुलदीप सिंह राठौर ने कहा कि लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ नेता अपनी सीमाएं लांघकर अन्य विधायकों के क्षेत्रों में सक्रिय हो रहे हैं, जिससे संगठन में अव्यवस्था और जमीनी स्तर पर टकराव की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने दो टूक कहा कि हर नेता को पार्टी संविधान के दायरे में रहकर ही काम करना होगा और किसी को भी मुक्त छूट नहीं दी जाएगी। उनके इस बयान को कांग्रेस के भीतर बढ़ती गुटबाजी पर सख्त लगाम के तौर पर देखा जा रहा है।

मुक्त व्यापार समझौते को लेकर भी राठौर ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अमेरिका के साथ प्रस्तावित समझौते में सेब पर शून्य शुल्क की मांग का विरोध करते हुए कहा कि यदि आयात शुल्क कम किया गया तो सस्ते विदेशी सेब भारतीय बाजार में आ जाएंगे, जिससे हिमाचल के बागवानों को भारी नुकसान होगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बागवानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और इस मुद्दे पर अन्य सेब उत्पादक राज्यों को भी एकजुट होना चाहिए।

बागवानों के मुद्दे पर केंद्र बनाम हिमाचल की सीधी टक्कर

राठौर के इस बयान ने साफ कर दिया है कि आने वाले समय में बागवानी और मुक्त व्यापार समझौते का मुद्दा प्रदेश की राजनीति के केंद्र में रहने वाला है। एक ओर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और आंतरिक अनुशासन कायम करने में जुटी है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर सीधा राजनीतिक हमला भी तेज कर दिया गया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह बयान न केवल पार्टी के भीतर संदेश देने के लिए है, बल्कि प्रदेश के लाखों बागवानों के हितों को लेकर एक बड़ा सियासी माहौल बनाने की रणनीति का हिस्सा भी है।

लुहरी में 10.16 ग्राम चिट्टे सहित दो युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

आनी। जिला कुल्लू में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना आनी ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया।

गिरफ्तार युवक पुलिस के साथ। अनंत ज्ञान

एसपी कुल्लू मदन लाल के अनुसार, पुलिस चौकी लुहरी की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर लुहरी मोड़ के समीप दबिश दी। इस दौरान दो युवकों गुड्डू (35), पुत्र मस्त राम निवासी लुहरी, तहसील आनी तथा सैलेश बंसल (27) पुत्र संतोष बंसल निवासी बागीपूल, तहसील निरमंड को मौके पर काबू किया है। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से कुल 10.16 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुआ। पुलिस ने थाना आनी में धारा 21 मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि नशे के स्रोत, सप्लाई चेन और इससे जुड़े पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके। पुलिस का कहना है कि नशे के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सीएम की माता ने बैजनाथ शिव मंदिर में पूजा कर लिया आशीर्वाद

सीएम सुक्खू की माता को सम्मानित करते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान,

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की माता संसार दयी ने शुक्रवार को अपने परिवारजनों एवं गांव के लोगों के साथ बैजनाथ शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उनके साथ उनकी बड़ी बहू अमृत वाला, अन्य परिवारजन तथा गांव के कई लोग मौजूद रहे।

बैजनाथ पहुंचने पर कांग्रेस विधायक किशोरी लाल एवं कांग्रेस नेता रविंद्र बिट्टू ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम की सबसे खास बात मुख्यमंत्री की माता की सादगी रही। वे बिना किसी सरकारी तामझाम के साधारण ऑल्टो कार में सवार होकर मंदिर पहुंचीं व आम श्रद्धालुओं की तरह दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने बाहर चल रहे लंगर में भोजन रूपी प्रसाद भी ग्रहण किया और उपस्थित लोगों से आत्मीयता से बातचीत की। इस अवसर पर नवनियुक्त राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा ने उनको टोपी और शॉल भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही इस दौरान विधायक किशोरी लाल ने उन्हें शॉल, टोपी तथा भगवान शंकर की फोटो के रूप में समृद्धि चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वहीं बैजनाथ शिव मंदिर ट्रस्ट ने भी उनकी उपस्थिति पर उन्हें पारंपरिक रूप से सम्मानित किया। सीएम की माता की इस सादगीपूर्ण उपस्थिति और आमजन से जुड़ाव ने सभी को प्रभावित किया और कार्यक्रम को विशेष बना दिया। इस मौके पर रमेश चड्ढा मिलाप राणा रजिंद्र परमार मनीष शर्मा तथा कई कांग्रेस कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे ।

उपभोक्ताओं को झटका : इस महीने 10 रुपए महंगा मिलेगा रिफाइंड तेल

राहत : डिपुओं में मिलने वाले सरसों के तेल के दाम में की गई है 7 रुपए की कटौती

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा के करीब 4 लाख 68 हजार 974 राशन कार्ड धारकों को इस बार अपनी रसोई के बजट में बदलाव करना होगा। अप्रैल महीने से सरकारी राशन के डिपुओं में मिलने वाला रिफाइंड तेल 10 रुपए प्रति लीटर महंगा कर दिया गया है। पहले जो तेल 125 रुपए में मिलता था, वह अब 135 रुपए में मिलेगा। इस फैसले का सीधा असर जिले के गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की जेब पर पड़ेगा।

प्रदेश के कुल 19 लाख राशन कार्ड उपभोक्ताओं को भी इस बढ़ी हुई कीमत का बोझ उठाना पड़ रहा है। हालांकि, इस बीच सरसों तेल के शौकीनों के लिए राहत की खबर भी है। खाद्य आपूर्ति विभाग ने सरसों तेल के दाम में 7 रुपये की कटौती की है, जिससे अब यह 161 रुपए के स्थान पर मात्र 153 रुपए प्रति लीटर की दर से डिपुओं में बेचा जा रहा है।

◆ लगभग 4.68 लाख राशन कार्ड धारकों को रसोई के बजट में करना होगा बदलाव

इस महंगाई के बीच राहत भरी खबर यह है कि नए वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी सरकार की ओर से मुफ्त अनाज की योजना चलती रहेगी। जिला के नेशनल फूड सिक्योरटी एक्ट एनएफएसए, बीपीएल और पीएचएच श्रेणी में आने वाले 1 लाख 80 हजार 608 परिवारों को हर माह की तरह 35 किलो राशन (आटा और चावल) मुहैया कराया जाएगा। इन परिवारों को 15 किलो चावल पूरी तरह निशुल्क मिलेंगे, जबकि 18 किलो 800 ग्राम आटे के लिए मात्र 1.20 रुपए प्रति किलो के हिसाब से मामूली दाम लिए जाएंगे। पीएचएच परिवारों को प्रति सदस्य के आधार पर 2 किलो 800 ग्राम आटा और 2 किलो चावल निशुल्क प्रदान किए जाएंगे।

वहीं, मध्यम वर्ग या एपीएल परिवारों को भी राहत देते हुए आटे का कोटा 11 किलो से बढ़ाकर 12 किलो कर दिया गया है, जो 12 रुपये प्रति किलो की दर से मिलेगा। इसके साथ ही 6 किलो चावल 13 रुपए प्रति किलो के हिसाब से दिए जाएंगे।

> उचित मूल्य के राशन के तहत रिफाइंड तेल डिपुओं में कुछ बढ़े हुए दामों सहित पहुंचा दिया गया है। तेल की कीमतों में हुए इस बदलाव के साथ ही अन्य राशन सामग्री का वितरण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। एनएफएसए के तहत आने वाले परिवारों को निशुल्क राशन की सुविधा जारी रहेगी और सभी डिपुओं में रिफाइंड तेल नए निर्धारित रेट 135 रुपए के हिसाब से उपलब्ध रहेगा।
>
> -पुरुषोत्तम सिंह, खाद्य नियंत्रक, खाद्य आपूर्ति विभाग कांगड़ा।

हाईकोर्ट के आदेश पर ऑनलाइन फ्रॉड केस 3 साल बाद हुआ दर्ज

◆ रोबोटिक्स निवेश के नाम पर व्यक्ति से हुई थी 13.59 लाख की ठगी

◆ अब साइबर क्राइम पुलिस जांच में जुटी

अनंत ज्ञान

अशोक ठाकुर, पठानकोट। पठानकोट में ऑनलाइन ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति से 13.59 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। इस मामले में खास बात यह है कि घटना मार्च 2023 की है, लेकिन पुलिस ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद करीब तीन साल बाद मामला दर्ज किया है। अब पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित सोहन सिंह, जो पठानकोट के निवासी हैं, ने बताया कि 6 मार्च 2023 को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, जिसने अपना नाम राजीव साहू बताया। उसने दावा किया कि वह स्टॉक मार्केट में रोबोटिक्स तकनीक के जरिए निवेश करवाता है, जिसमें जोखिम बेहद कम और मुनाफा ज्यादा होता है। उसकी बातों में आकर सोहन सिंह ने निवेश करने का फैसला कर लिया। आरोपी ने अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने को कहा। पीड़ित ने भरोसा करते हुए कुल 13.59 लाख रुपये विभिन्न खातों में भेज दिए। लेकिन जब काफी समय तक कोई मुनाफा नहीं मिला, तो उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे। इसके बाद आरोपी ने फोन बंद कर लिया और संपर्क तोड़ दिया।

ठगी का अहसास होने पर सोहन सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज करानी चाही, लेकिन शुरुआत में मामला दर्ज नहीं किया गया। इसके बाद उन्होंने अदालत का सहारा लिया। हाईकोर्ट के आदेश पर अब साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मोबाइल नंबरों को ट्रेस कर जांच शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

कार सवार दो युवकों से 2 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। पुलिस थाना शाहपुर की टीम द्वारा गश्त के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर कार सवार दो युवकों से 2 ग्राम चिट्टा बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना शाहपुर में दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार वीरवार देर शाम पुलिस की टीम मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए गश्त व चेकिंग पर थी। इसी दौरान कार सवार अश्वनी कुमार (37) निवासी भाली व सुनील कुमार (30) निवासी सियुआं के कब्जे से 2 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। मामले की पुष्टि करते हुए एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने कहा कि जिला कांगड़ा पुलिस का नशे के विरुद्ध यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा। नशे व अन्य अवैध कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

आज और कल लगेगी एचपीवी वैक्सीनेशन

अनंत ज्ञान, पिंकी, डाडासीबा। आदर्श स्वास्थ्य संस्थान सिविल अस्पताल डाडासीबा में 4, 5 और 12 अप्रैल को 14-15 साल की किशोरियों के लिए एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीनेशन अभियान आयोजित किया जाएगा। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सतीश फोतेदार के अनुसार यह अभियान केवल सिविल अस्पताल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीएचसी कसवां कोटला, सीएचसी रक्कड़, पीरसलूही, पीएचसी बाड़ी और प्रागपुर पीएचसी में भी टीकाकरण होगा। वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करती है। अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपनी बेटियों को समय पर टीका लगवाएं।

व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनुज भाजपा में शामिल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। व्यापार मंडल कोतवाली बाजार के अध्यक्ष व समाजसेवी अनुज कश्यप अज्जू भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता व धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा जी के आवास पर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की । इस मौके पर उनके साथ व्यापार मंडल के महासचिव शेखर राय व भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्षा आशु बलोरिया भी मौजूद रही । प्रेस ब्यान में अनुज कश्यप ने बताया की प्रदेश कांग्रेस सरकार की विफलता व कार्यकर्ताओं की अनदेखी के चलते उन्होंने यह फैसला लिया है । कांग्रेस सरकार बार बार धर्मशाला की अनदेखी कर रही है इससे आम जनमानस आहत है उन्होंने कहा कि धर्मशाला का संपूर्ण विकास भाजपा विधायक सुधीर शर्मा की देंन हैं व धर्मशाला के हित में उन्होंने सुधीर शर्मा के साथ जुडने़ का फैसला लिया है भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है तथा इसमें शामिल होकर वह स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं ।

वीना जग्गी जिलाध्यक्ष व मुनीष बने महासचिव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश जलशक्ति विभाग अराजपत्रित कर्मचारी सेवाएं महासंघ जिला कांगड़ा की कार्यकारिणी के त्रैवार्षिक चुनाव जलशक्ति विभाग विश्राम गृह तपोवन (सिद्धवाड़ी) में प्रदेशाध्यक्ष जलशक्ति विभाग एनजीओ फेडरेशन एलडी चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुए। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मस्त राम बरागटा चुनाव प्रभारी के तौर पर उपस्थित रहे। चुनाव में जिला कांगड़ा कार्यकारिणी में वीना जग्गी को जिलाध्यक्ष, मुनीश ठाकुर को महासचिव, संदीप कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सरबजीत कटोच को कोषाध्यक्ष, दया नंद, अनिल कुमार व पलोमा कार्की को उपाध्यक्ष, अजीज अहमद को प्रेस सचिव, सन्नी कुमार को संयुक्त सचिव तथा अंकज कुमार व रंजीत सिंह को संगठन सचिव निर्वाचित किया गया। चुनाव उपरांत एलडी चौहान ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलवाई ।

योल में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर 5 को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला के समीप योल में लोगो और पूर्व सैनिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की जा रही है। पूर्व सैनिक लीग धर्मशाला-कांगड़ा और श्री सिंह सभा गुरुद्वारा साहिब योल के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 5 अप्रैल को श्री गुरुद्वारा साहिब, योल में एक विशाल निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष कार्यक्रम में उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा और पुलिस अधीक्षक कांगड़ा अशोक रत्न बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे और शिविर का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान निजी अस्पताल के सहयोग से आयोजित होने वाले इस शिविर में देश के विख्यात विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। इनमें रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. शुभांग अग्रवाल, ब्रेन एवं स्पाइन सर्जन डॉ. सुधीर सूद, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. साहिल सरीन और यूरोलॉजिस्ट डॉ. सतिंदर पाल अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहकर मरीजों की जांच करेंगे।

केवल सिंह पठानिया ने शाहपुर के गुब्बर में 2 करोड़ से बनने वाले सोलर पावर प्लांट का किया शिलान्यास

अनंत ज्ञान

शाहपुर। विधानसभा उपमुख्य सचेतक एवं शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत परगोड के गुब्बर में लगभग 2 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 500 किलोवाट सोलर पावर प्लांट का विधिवत शिलान्यास किया। उपमुख्य सचेतक ने कहा कि आगामी 31 मई से पहले सोलर प्लांट का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा, जिससे क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हरित ऊर्जा उत्पादन को प्राथमिकता दे रही है और इसी दिशा में प्रदेशभर में अनेक सोलर परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। जिसमें ग्राम पंचायतों को केंद्रीय भूमिका दी गई है। मुख्यमंत्री द्वारा आरंभ किए गए ग्रीन पंचायत कार्यक्रम के तहत सभी पंचायतों में 500 किलोवाट क्षमता के ग्राउंड माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। केवल सिंह पठानिया ने कहा कि योजना के पहले चरण में 24 ग्राम पंचायतों में 500 किलोवाट क्षमता के सौर संयंत्र स्थापित करने को स्वीकृति मिल चुकी है, जिनमें से 16 पंचायतों में कार्य आरंभ भी हो चुका है।

विधायक केवल सिंह पठानिया समस्याएं सुनते हुए। अनंत ज्ञान

इस कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 150 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से उत्पादित बिजली से होने वाले राजस्व का 20 प्रतिशत हिस्सा संबंधित ग्राम पंचायतों के अनाथ बच्चों और विधवाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए उपयोग किया जाएगा। इसके उपरांत केवल सिंह पठानिया ने ग्राम पंचायत हारचक्कियां के वार्ड नंबर 2 का दौरा किया, जहां उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं। अधिकांश समस्याओं का उन्होंने मौके पर ही समाधान कर दिया, जबकि शेष समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जाए ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

छात्रों को पेशेवर व अच्छा इंसान बनाना उद्देश्य

श्री साई संस्थान बधानी में फेयरवेल पार्टी में बोले चेयरमैन एसके पुंज

अनंत ज्ञान

अशोक ठाकुर, पठानकोट। श्री साई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स बधानी कॉलेज में फेयरवेल पार्टी 'एलीसियम 2026' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के चेयरमैन एसके पुंज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि एमडी तृप्ता पुंज, सीएमडी कंवर तुषार पुंज और रिया पुंज विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रिंसिपल डॉ. विपिन गुप्ता, वाइस प्रिंसिपल संजय पंडित, स्टाफ और विद्यार्थियों ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

अपने संबोधन में चेयरमैन एसके पुंज ने कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य छात्रों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से न केवल एक सफल पेशेवर बनाना है, बल्कि उन्हें एक अच्छा इंसान भी बनाना है। उन्होंने बताया कि संस्थान के कई पूर्व छात्र देश-विदेश की प्रतिष्ठित संस्थाओं में उच्च पदों पर कार्यरत हैं, जो कॉलेज के लिए गर्व की बात है। उन्होंने नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए आश्वासन दिया कि उन्हें बेहतर शिक्षण संसाधन, व्यावहारिक अनुभव और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

श्री साई संस्थान में कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए। अनंत ज्ञान

उन्होंने बताया कि संस्थान शिक्षा के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान देता है। हर वर्ष जनवरी में वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें छात्रों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कॉलेज के कुछ छात्र बास्केटबॉल और फुटबॉल में राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर डायरेक्टर रणजीत सिंह, डॉ. दिनेश महाजन, डॉ. नवदीप सांवल, पुनीत सांवल, मुकेश गुप्ता, डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. नेहा तुली, समिंदर तलवार, दीपक कुमार, सुलक्ष्य कुमार, अश्वनी शर्मा सहित अन्य स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रदेश में हेडमास्टर के 600 पद रिक्त, शीघ्र प्रमोशन करे विभाग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। 511 हेडमास्टर और 266 प्रवक्ताओं को प्रिंसिपल प्रमोशन पर स्टेशन देने के लिए राजकीय टीजीटी कला संघ ने प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया है। राजकीय टीजीटी कला संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल, उपाध्यक्ष विजय बरवाल और महासचिव विजय हीर सहित पूरी राज्य और जिला कार्यकारिणी ने कहा कि कुछ महिला शिक्षकों को तबादला नीति की धारा 3 और 5(2) के तहत राहत की उम्मीद हाईकोर्ट के आदेश अनुसार थी, मगर उनको भी 300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर स्टेशन दिए गए हैं, जबकि समीपी जिलों में प्रिंसिपल पद अभी भी रिक्त हैं। ऐसे में इनके समायोजन पर विचार किया जाए। हेडमास्टर के प्रदेश में करीब 600 पद रिक्त होने से बहुत दिक्कत आएगी। हेडमास्टर के 70 फीसद पद एक साथ रिक्त हो गए हैं । ऐसे में 20 से 29 साल सेवाकाल के बावजूद प्रमोशन से महरूम पात्र शिक्षकों को तत्काल हेडमास्टर प्रमोट किया जाए।

आचार संहिता से पहले जारी हो सूची

संघ का कहना है कि स्कूल शिक्षा निदेशालय सभी शिक्षक वर्गों की लंबित पदोन्नति सूचियां पंचायती राज चुनाव आचार संहिता से पहले जारी करे और अनुबंध कर्मचारियों का शीघ्र नियमितीकरण भी सुनिश्चित करें। संघ इसकी मांग जनवरी माह से लगातार उठा रहा है मगर शिक्षा विभाग ने इस बारे तत्परता से कार्यवाही नहीं की।

पदोन्नति की प्रतिक्षा में 749 टीजीटी

संघ का कहना है कि वर्तमान में शिक्षा विभाग में 749 टीजीटी को प्रवक्ता पदोन्नति की प्रतीक्षा है क्योंकि अनेकों शिक्षक इसमें विलंब के कारण टीजीटी पद पर ही रिटायर हो रहे हैं। जेबीटी और सीएंडवी शिक्षक 2 साल से प्रमोशन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। शिक्षकों के रिक्त पदों की संख्या 13500 हो चुकी है और ऐसे में लंबित पदोन्नतियां शीघ्र की जाए। इसके अलावा 2 साल से लंबित सीएंडवी से टीजीटी व जेबीटी से टीजीटी के सारे पैनल को एकमुश्त प्रमोशन दें। इसमें दिव्यांग कोटे की डीपीसी हो चुकी है और स्टेशन देना बाकी है।

प्रमोशन सूचियां 15 तक हो जारी

संघ की मांग है कि वरिष्ठता के ताजा नियमों के अनुसार समीक्षा करते हुए यह लंबित प्रमोशन सूचियां 15 अप्रैल 2026 तक जारी कर दी जाएं। सीबीएस ई स्कूलों में स्टाफ नियुक्ति की प्रक्रिया इसी माह पूर्ण की जाए और स्कूलों मेम पाठ्यपुस्तक सप्लाई भी सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा हजारों अनुबंध शिक्षकों के नियमितीकरण हेतु डाटा एकत्रण तत्काल शुरू किया जाए और आचार संहिता से पहले सभी पात्र अनुबंध शिक्षक नियमित किए जाएं।

एचपीवी वैक्सीन हमारी बच्चियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी: कविता

अनंत ज्ञान, शाहपुर। सिविल अस्पताल शाहपुर सहित, पीएचसी चढ़ी, पीएचसी लपियाना, पीएचसी दरिनी और जेडएच धर्मशाला मे 4 व 5 अप्रैल को सुबह 9:30 से शाम तीन बजे तक 14 से 15 वर्षीय किशोरियों के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन टीकाकरण अभियान आयोजित किया जाएगा। खंड चिकित्सा अधिकारी डा कविता ठाकुर ने बताया कि यह वैक्सीन महिलाओं में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) के संक्रमण से बचाव में सहायक है, जो आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर का कारण बन सकता है। डॉ. कविता ठाकुर ने कहा कि यह टीकाकरण महिलाओं में होने वाले गंभीर सर्वाइकल कैंसर को रोकने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से इस प्रकार के कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान उनकी टीम घर-घर जाकर लोगों को वैक्सीनेशन के महत्व और इसके लाभों के बारे में जागरूक कर रही है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही गलत जानकारी के कारण किशोरियों और उनके अभिभावकों में अनावश्यक शंकाएं उत्पन्न हो रही हैं। स्वास्थ्य विभाग लगातार इन भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास कर रहा है। डॉ. कविता ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बेटियों को एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं और उन्हें इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखें।

विकास खंड रैत में सेनेटरी नेपकिन बैंडिंग मशीन स्थापित

रैत में सेनेटरी नेपकिन बैंडिंग मशीन स्थापित। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

शाहपुर। विकास खंड कार्यालय रैत में शुक्रवार को सेनेटरी नेपकिन बैंडिंग मशीन का उद्घाटन किया गया। यह पहल समाज में अक्सर झिझक पैदा करने वाले मुद्दे को आम सार्वजनिक स्थान पर लाकर स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास है। मशीन के साथ ही एक उपकरण लगाया गया है, जो खराब या उपयोग किए गए नेपकिन को सुरक्षित रूप से नष्ट कर सके, ताकि क्षेत्र में गंदगी न फैले। मशीन निर्माता कंपनी के प्रबंधक मंजीत सिंह अरोडा ने बताया कि मशीन में एक बार में 50 नेपकिन रखे जा सकते हैं। 5 रुपये के सिक्के या एक रुपये के पांच सिक्के डालने पर एक पैड और 10 रुपये के सिक्के या एक रुपये के 10 सिक्के डालने पर दो पैड उपलब्ध होते हैं। दूसरी मशीन खराब पैड को जलाकर नष्ट करती है।

खंड विकास अधिकारी रैत कमलजीत गुप्ता ने बताया कि भविष्य में विकास खंड रैत की सभी 64 ग्राम पंचायतों में यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि महिलाओं और समाज को बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता के उपाय मुहैया किए जा सकें।

कृषि विश्वविद्यालय ने निफ्टेम के सहयोग से कांगड़ा की बड़सर पंचायत में खाद्य प्रसंस्करण हब किया स्थापित

अनंत ज्ञान

अजय पाल, पालमपुर। चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर ने निफ्टेम कुंडली के सहयोग से कांगड़ा जिले की ग्राम पंचायत बड़सर में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से एक परियोजना के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हब स्थापित किया है।

यह हब अलसी के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य किफायती पोषण को बढ़ावा देना तथा क्षेत्र के जनजातीय स्व-सहायता समूहों की आजीविका को सुदृढ़ करना है। इस सुविधा का उद्घाटन करते हुए कुलपति डॉ. ए. के. पांडा ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में जमीनी स्तर की पहलें किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने पर बल देते हुए महिला स्व-सहायता समूहों को वैज्ञानिक प्रसंस्करण तकनीकों को अपनाकर मूल्य संवर्धन एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

खाद्य प्रसंस्करण हब का शुभारंभ करते हुए। अनंत ज्ञान

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. रजनी चोपड़ा, परियोजना की प्रधान अन्वेषक, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, निफ्टेम कुंडली; डॉ. चंद्रकांता वत्स, अधिष्ठाता, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय; प्रो. अनुपमा संदल, विभागाध्यक्ष, खाद्य विज्ञान एवं पोषण एवं प्रौद्योगिकी विभाग; तथा डॉ. अंजू कपूर, सह-प्रधान अन्वेषक शामिल थे। इसके अतिरिक्त स्थानीय प्रतिनिधि एवं स्व-सहायता समूहों के सदस्य भी उपस्थित रहे। यह हब किसानों एवं स्व-सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रसंस्करण, मानकीकरण एवं विपणन में अधिक दक्ष बनाएगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि एवं बेहतर बाजार उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

यह पहल पोषण सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा तथा ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और हिमाचल प्रदेश में समावेशी एवं सतत विकास के लिए सशक्त सहयोग का उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

हुनर को सलाम सीमित संसाधनों में भी पालमपुर के दराटी के निवासी 35 वर्षों से खड्डी कला के संरक्षक

रामलाल ने पारंपरिक शॉल बुनाई रखी जीवित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। आज के दौर में जब अधिकतर युवा आधुनिक रोजगार और तकनीकी क्षेत्रों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, तब खड्डी (हैंडलूम) जैसी पारंपरिक कलाओं को समझने और सीखने वाले लोगों की संख्या लगातार घटती जा रही है। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में खड्डी की आवाज सुनाई देती थी और यह कई परिवारों के जीवनयापन का मुख्य साधन हुआ करती थी। लेकिन समय के साथ नई पीढ़ी का रुझान इस कला से कम हो रहा है, जिसके कारण आज खड्डी की वह परिचित आवाज हमारे ग्रामीण परिवेश से लगभग लुप्तप्राय होती जा रही है।

वर्तमान में कुछ गिने चुने लोगों में से जिला कांगड़ा की तहसील पालमपुर के गांव दराटी के निवासी रामलाल भी पिछले करीब तीन से साढ़े तीन दशकों से पारंपरिक शॉल बुनाई की कला को जीवित रखने का काम कर रहे हैं। सीमित संसाधनों के भी उन्होंने अपनी मेहनत और लगन के बल पर इस पारंपरिक कला को न केवल सीखा बल्कि आज भी इसे पूरे समर्पण के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

रामलाल पारंपरिक तरीके से शॉल बुनाई करते हुए। अनंत ज्ञान

छोटी उम्र में काम सीख उठाई परिवार की जिम्मेदारी

रामलाल बताते हैं कि घर की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी, इसलिए कम उम्र में ही उन्हें काम सीखने और परिवार का सहारा बनने की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। इसी दौरान उन्होंने पारंपरिक शॉल बुनाई की कला सीखने का निर्णय लिया। इस कला की शुरुआत उन्होंने देवभूमि स्पिनिंग मेला, कुल्लू से की, जहां उन्होंने शाल बुनाई के शुरुआती गुर सीखे। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग जगहों पर काम करते हुए और अनुभवी कारीगरों के साथ समय बिताकर इस कला में महारत हासिल की। वर्षों के अनुभव के साथ उन्होंने न केवल तकनीक सीखी बल्कि पारंपरिक डिजाइनों और पैटर्न को भी समझा।

चंबा की एक कंपनी में दिया प्रशिक्षण

अपने अनुभव के दौरान रामलाल ने चंबा की एक कंपनी में लगभग दो वर्षों तक प्रशिक्षण भी दिया। वहां उन्होंने कई युवाओं और महिलाओं को शाल बुनाई का काम सिखाया। यह उनके लिए गर्व की बात है कि उनके सिखाए हुए कई लोग आज भी इस काम से अपना जीवनयापन कर रहे हैं। बाद में जब उन्होंने वहां से काम छोड़ा तो अपने स्तर पर यह काम फिर से शुरू किया।

किन्नौरी डिजाइनों में शॉल बनाने में माहिर

रामलाल पारंपरिक कुल्लू और किन्नौरी डिजाइनों में शॉल तैयार करने में माहिर हैं। इसके अलावा वह अलग-अलग डिजाइन के सूट के कपड़े भी तैयार कर सकते हैं। उनका कहना है कि बाजार में उनके जैसे पारंपरिक तरीके से बने शॉल 14 से 15 हजार रुपये तक में बिकते हैं, क्योंकि इसमें पूरी तरह हाथ की मेहनत और कला शामिल होती है।

शॉल के लिए कुल्लू से लाते हैं कच्चा माल

शॉल बनाने के लिए जरूरी कच्चा माल (ऊन) वह मुख्य रूप से कुल्लू से लेकर आते हैं। जो शॉल और कपड़े वह स्थानीय स्तर पर बेच पाते हैं, उन्हें यहीं बेच देते हैं और बाकी तैयार माल शॉल व्यापारियों को दे देते हैं। रामलाल पारम्परिक के साथ-साथ नए डिजाइन और पैटर्न पर भी काम करना चाहते हैं। वह उम्मीद रखते हैं कि यह हुनर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में उन्हें कामयाबी मिलेगी।

ऑक्यूपेंसी 70 फीसदी पहुंचने की 'आस'

मैदानों में गर्मी, पहाड़ों में सुहावने मौसम का मिलेगा लाभ, ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन में पहुंचते हैं लाखों पर्यटक

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। पर्यटन नगरी धर्मशाला-मैक्लोडगंज के पर्यटन कारोबारियों को आगामी दो सप्ताह में होटलों में ऑक्यूपेंसी 70 फीसदी पहुंचने की आस है। वर्तमान में आक्यूपेंसी 30 फीसदी के लगभग है। मैदानी क्षेत्रों में पड़ रही गर्मी और पहाड़ों पर आए दिन हो रही बारिश से सुहावने मौसम का लाभ पर्यटन कारोबार को मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। गौरतलब है कि ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन में देश व विदेश से लाखों की संख्या में पर्यटक, कांगड़ा घाटी का रुख करते हैं।

मिडल ईस्ट संकट के चलते इस बार होटलों में पर्यटकों को परोसी जाएगी कांगड़ी धाम

मिडल ईस्ट संकट के चलते इस बार गैस की उपलब्धता भले ही अब तक सुचारू है, लेकिन अगर युद्ध का दौर अगर लंबा चलता है तो दिक्कत हो सकती है। होटलों में इस बार पर्यटकों के लिए बनाए अपने पैकेजों में कांगड़ी धाम को भी खास स्थान दिया गया है। इसके पीछे तर्क है कि एक ओर जहां इससे स्थानीय भोजन से पर्यटक रूबरू हो पाएंगे तो वहीं गैस की किल्लत से निपटने के लिए लकड़ी के चुल्हों पर एक बार में ही ज्यादा लोगों के लिए खाना तैयार हो सकेगा। होटलों का इस बार प्रयास है कि सप्ताह में कम से कम दो दिन पर्यटकों को कांगड़ी धाम परोसी जाए।

प्रदेश में डीजल व गैस आपूर्ति नियमित तौर पर मिलती रहेगी तो कारोबार में होगी वृद्धि

होटल कारोबारियों के अनुसार अगर देश तथा प्रदेश में डीजल की उपलब्धता बनी रहती है तथा स्थानीय होटल कारोबारियों को गैस की आपूर्ति नियमित तौर पर मिलती रहेगी तो कारोबार में वृद्धि होगी। हालांकि होटलों में किसी भी प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए वैकल्पिक ईंधन के तौर पर इंडक्शन चुल्हों के प्रबंध के अलावा लकड़ी तथा कोयले का स्टॉक रख लिया है ताकि पर्यटन सीजन के दौरान होटलों के संचालन सुचारू रहने के साथ पर्यटकों को खाने को लेकर असुविधा का सामना न करना पड़े।

फोरलेन के चलते नहीं पड़ेगा असर

होटल कारोबारियों के अनुसार चूंकि फोरलेन का काम तेजी से जारी है तथा ज्यादातर सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है तो ऐसे में इससे पर्यटकों को पिछले दो सालों की तरह धर्मशाला पहुंचने में दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। फोरलेन के निर्माण का काफी हद तक लाभ बाहरी राज्यों के पर्यटकों को लाभ मिलना इस बार शुरू हो जाएगा तो वहीं अगले साल तक फोरलेन के काम के काफी हद तक पूरा होने से धर्मशाला की दूरी कम होगी जिससे पर्यटन कारोबार के लिए फोरलेन काफी फायदेमंद साबित होगा।

विदेशी पर्यटकों की कम रहेगी आमद

होटल कारोबारियों के अनुसार हालांकि धर्मशाला आदि पर्यटन स्थलों में यूरोप तथा अमेरिका जैसे देशों से सैलानियों की आमद कम रहती है लेकिन धर्मशाला के भागसू तथा धर्मकोट आदि स्थलों में काफी तादाद में पहुंचने वाले इजरायली सैलानियों के पहुंचने पर इसका असर दिख रहा है। लंबे समय तक भागसू तथा धर्मकोट में रूकने वाले इजरायली सैलानी ईरान तथा इजरायल के युद्ध के बीच लौट चुके हैं तथा स्थिति के सामान्य होने से पहले यहां इजरायली सैलानियों के पहुंचने की उम्मीद कम है। ऐसे में इजरायली टूरिस्ट के पसंदीदा भागसू तथा धर्मकोट में कारोबार पर असर पड़ेगा।

> इस वर्ष धर्मशाला में पर्यटन कारोबार में वृद्धि की आस है, बशर्ते लोगों को ईंधन तथा होटलों को गैस की आपूर्ति नियमित रहे। हालांकि होटलों को ओर से किसी भी स्थिति से निपटने के लिए इंडक्शन चुल्हों के अलावा लकड़ी तथा कोयले का प्रबंध कर लिया गया है। ईंधन की खपत कम करने के लिए पारंपरिक खाने को बढ़ावा देने के लिए सप्ताह में दो बार कांगड़ी धाम भी होटलों में परोसने की योजना है। फोरलेन का ज्यादातर काम हो जाने के कारण इस बार पर्यटकों को धर्मशाला पहुंचने में कोई समस्या नहीं होगी। वर्तमान में होटलों में ऑक्यूपेंसी 30 फीसदी है जो दो सप्ताह के बाद तथा बारिशों के थमने के साथ ही बढ़ने लगेगी।
>
> **-अश्वनी बांबा, अध्यक्ष, होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन, धर्मशाला।**

धर्मशाला में एनडीएनसी मीटर स्मार्ट में किए कन्वर्ट

अनंत ज्ञान

◆ 59 हजार उपभोक्ताओं में से 33 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगे

राजेश कुमार, धर्मशाला। विद्युत मंडल धर्मशाला के अंतर्गत सभी नॉन डॉमेस्टिक, नॉन कमर्शियल (एनडीएनसी) मीटर को स्मार्ट में कन्वर्ट कर दिया गया है। वहीं मंडल के अंतर्गत शेष बचे इलेक्ट्रोनिक मीटर्स को स्मार्ट में बदला जा रहा है। मंडल के अधीन बन रहे नए भवनों में भी अब स्मार्ट मीटर ही लगाए जाएंगे। स्मार्ट मीटर के लिए आवश्यक दिशानिर्देश सहित एसओपी भी जारी की गई हैं। गौरतलब है कि नॉन डॉमेस्टिक, नॉन कमर्शियल (एनडीएनसी) विद्युत मीटर, सरकारी विभागों और उन संस्थानों के लिए उपयोग किए जाने वाले स्मार्ट मीटर हैं जो घरेलू या वाणिज्यिक श्रेणी में नहीं आते हैं।

विद्युत मंडल धर्मशाला के एक्सईएन विकाश ठाकुर ने बताया कि धर्मशाला विद्युत मंडल के अंतर्गत 59 हजार के करीब उपभोक्ता हैं, जिनमें से 33159 मीटर्स को वर्ष 2022-23 से स्मार्ट मीटर में बदला जा चुका ऐसे में शेष 26 हजार के लगभग उपभोक्ताओं के मीटर्स को स्मार्ट मीटर में बदलने की प्रक्रिया चल रही है।

603 एनडीएनसी मीटर हुए स्मार्ट

एक्सईएन ने बताया कि मंडल के अंतर्गत 603 के लगभग एनडीएनसी सभी विद्युत मीटर्स को स्मार्ट मीटर में कन्वर्ट कर दिया गया है, साथ ही इन मीटर्स को प्रीपेड करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इसके अलावा जो इलेक्ट्रोनिक मीटर थे, उन्हें भी स्मार्ट मीटर में कन्वर्ट करने की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से जारी है। स्मार्ट मीटर को लेकर आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। जो भी स्मार्ट मीटर हैं, उनका डिसकनेक्शन बर्किंग ऑवर्स में ही होगा, इसके लिए एसओपी भी जारी की गई है।

हैप्पी बर्थडे

भवारना की दीपिका बुटा को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सएप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

एलपीजी की सप्लाई की करें होम डिलीवरी: लाल चंद

अनंत ज्ञान, पठानकोट। लाल चंद कटारूचक ने जिले में एलपीजी गैस की सप्लाई को सुचारू बनाने के लिए गैस एजेंसी मालिकों के साथ बैठक की। इस दौरान डॉ. पलवी और राज ऋषि मेहरा भी उपस्थित रहे। मंत्री ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की कमी आई है, जिससे गैस सप्लाई प्रभावित हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए एजेंसियों को सप्लाई व्यवस्था सुधारने और लोगों को समय पर गैस उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री ने अधिकारियों और एजेंसी मालिकों को अधिक से अधिक होम डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए कहा, ताकि लोगों को गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारों में न लगना पड़े। उन्होंने चेतावनी दी कि गैस की ब्लैक मार्केटिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए विशेष निगरानी टीमें गठित की गई हैं। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि गैस सप्लाई धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और घबराने की जरूरत नहीं है। लोगों के पास करीब डेढ़ महीने का गैस कोटा उपलब्ध है। सरकार केंद्र के दिशा-निर्देशों के अनुसार काम करते हुए हर संभव कदम उठा रही है ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मैन्युफेक्चरिंग में बड़ी लापरवाही छह माह में मुड़ गई वाहन चेसी

अनंत ज्ञान

◆ वाहन कंपनी को उपभोक्ता को देना होगा 50 हजार मुआवजा

ब्यूरो, धर्मशाला। जिला उपभोक्ता आयोग कांगड़ा ने एक अहम फैसले में वाहन निर्माता कंपनी की बड़ी लापरवाही उजागर करते हुए उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय सुनाया है। आयोग ने पाया कि वाहन का चेसिस मात्र छह महीने में ही मुड़ जाना गंभीर मैन्युफेक्चरिंग डिफेक्ट का संकेत है। सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आयोग ने कंपनी को 50 हजार रुपये मुआवजा और 15 हजार रुपये मुकदमा खर्च के रूप में देने के आदेश दिए हैं।

आयोग ने संबंधित डीलर को भी उपभोक्ता की 45 हजार रुपये की बकाया राशि माफ करने तथा वाहन तुरंत वापस सौंपने के निर्देश दिए हैं। यह फैसला आयोग के अध्यक्ष हेमाशु मिश्रा, सदस्य नारायण ठाकुर और आरती सूद की खंडपीठ ने सुनाया। मामले के अनुसार बैजनाथ निवासी शालिनी खानोरिया ने 22 फरवरी 2023 को सैनी मोटर्स से टिप्पर वाहन खरीदा था। कुछ ही महीनों बाद सामान्य कार्य के दौरान रेत उतारते समय वाहन का चेसिस मुड़ गया और वाहन पलट गया। शुरुआत में डीलर के तकनीकी स्टाफ ने निर्माण दोष माना, लेकिन बाद में कंपनी और डीलर ने इसे दुर्घटना बताकर जिम्मेदारी से इनकार कर दिया, जबकि बीमा कंपनी ने भी क्लेम खारिज कर दिया।

आयोग द्वारा नियुक्त तकनीकी विशेषज्ञ की रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि चेसिस की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं थी व सामान्य लोड पर ही संरचनात्मक विफलता हुई। आयोग ने कहा कि यह उपभोक्ता की गलती नहीं, बल्कि निर्माण दोष है और कंपनियां इससे बच नहीं सकतीं।

पुलिस कस्टडी से फरार आरोपी गिरफ्तार

स्नैचिंग के आरोपी ने बाइक से छलांग लगाकर पुलिस को दिया था चकमा

अनंत ज्ञान

◆ गांव में पुलिस से उलझे कुछ युवकों में से एक और युवक किया गिरफ्तार

अशोक ठाकुर, पठानकोट। बीते कल महिला से पर्स झपटने के आरोप में गिरफ्तार किया गया आरोपी सूरज शाह पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। आरोपी को थानेदार और पंजाब होमगार्ड जवान पेशी के लिए जिला अदालत ले जा रहे थे, जहां जज ने आरोपी का एक दिन का पुलिस रिमांड दिया था। पेशी के बाद आरोपी का मेडिकल कराया गया और फिर उसे वापस थाना ले जाया जा रहा था। रात को परमानंद फाटक बंद होने के कारण बाइक रोकी गई। इसी दौरान आरोपी ने हथकड़ी से हाथ बाहर निकालकर बाइक पर बैठे पुलिस कर्मियों को धक्का मार दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने करीब 40-50 मिनट तक आरोपी की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। हालांकि, पुलिस ने रात को ही आरोपी को उसके गांव ढोलोवाल से ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया। लेकिन इस दौरान गांव के कुछ युवक, जो शराब के नशे में थे, पुलिस पार्टी से उलझ गए। पुलिस ने उन्हें खदेड़ते हुए आरोपी सूरज शाह के साथ-साथ एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपी पर स्नैचिंग के अलावा अन्य धाराओं के तहत भी मामला दर्ज किया है। बीते दिन तारागढ़ के गांव शादीपुर की रहने वाली नीलम देवी अपने पोते के लिए गिफ्ट खरीदने निकली थीं, तभी आरोपी सूरज शाह ने भटोआ मोड़ पर उनका पर्स झपट लिया। पर्स में महिला का मोबाइल और नकदी थी।

पुलिस ने जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी को एएसआई और होमगार्ड जवान बाइक पर लेकर पेशी और मेडिकल के लिए गए थे। मेडिकल के बाद लौटते समय फाटक पर अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी ने पुलिस को धक्का देकर फरार हो गया। जांच अधिकारी ने बताया कि जैसे ही आरोपी भागा, पुलिस ने शोर मचाया और आसपास के लोगों से मदद मांगी। कुछ लोगों ने उसका पीछा किया, लेकिन अंधेरे और स्थिति का फायदा उठाकर आरोपी भागने में सफल रहा।

एसएसपी पठानकोट दलजिंदर सिंह ढिल्लों ने कहा कि पुलिस ने रात को ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और मामले में शामिल अन्य युवक को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपी सूरज शाह पर अब स्नैचिंग, पुलिस को धक्का देने और अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर पुलिस सुरक्षा और कस्टडी में सतर्कता की आवश्यकता को उजागर किया है। घटना के दौरान आरोपी द्वारा पुलिस कर्मियों को धक्का देने और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने की कार्रवाई की विस्तृत जांच जारी है।

चरस के साथ नप ज्वालामुखी के पूर्व उपाध्यक्ष का बेटा पकड़ा

अनंत ज्ञान

ज्वालामुखी। ज्वालामुखी पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चरस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक नगर परिषद ज्वालामुखी के पूर्व उपाध्यक्ष का 22 वर्षीय बेटा बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 71 ग्राम चरस बरामद की है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस थाना ज्वालामुखी की टीम बीती मध्य रात्रि गश्त पर थी। इसी दौरान चोहडन (गजू दा बाग) के पास एक मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान चालक के पास से 71 ग्राम चरस बरामद हुई। आरोपी की पहचान सुर्या गोस्वामी पुत्र शिव कुमार , निवासी वार्ड नंबर 7, डाकघर व तहसील ज्वालामुखी, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है।

बता दें कि नगर परिषद ज्वालामुखी का एक पार्षद नशे के कारोबार में पहले ही धर्मशाला जेल में सजा काट रहा है ।

मामले की पुष्टि एसपी देहरा मयंक चौधरी ने करते हुए बताया कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है और मामले की गहन जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी युवक ने चरस किससे खरीदी और इसका नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है। इसके लिए आरोपी के मोबाइल रिकॉर्ड भी खंगाले जाएंगे, ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके। उन्होंने बताया की नशे में संलिप्त किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

वर्ल्ड एक्सिलेंस बुक ऑफ रिकॉर्ड में आशवी धीमान का नाम दर्ज

अनंत ज्ञान, अजय पाल, पालमपुर। पंचरूखी की 7 वर्षीय बाल कलाकार आशवी धीमान ने वर्ल्ड एक्सिलेन्स बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले वह ओरिएंटल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और यूनिवर्सल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी स्थान बना चुकी हैं। आशवी एक उभरती हुई टीवी आर्टिस्ट, मॉडल और हिमाचली संस्कृति की प्रमोटर हैं। महज 20 महीनों में 165 अवॉर्ड जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उनकी इस सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोगों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

न्यूज ब्रीफ

'तेरी मेरी नई निभणी' ने बदली इंडस्ट्री की दिशा, पूजा-नीरज बने दर्शकों की पहली पसंद

अनंत ज्ञान, गरली। हिमाचली म्यूजिक इंडस्ट्री में नया ट्रेंड उभर रहा है, जहां अब केवल गाना नहीं बल्कि कलाकारों की एक्टिंग भी सफलता तय कर रही है। इसका उदाहरण तेरी मेरी नईं निभणी बना, जिसने इंडस्ट्री की दिशा बदल दी। इस गाने में कॉमेडियन जोड़ी पूजा हिमाचली और नीरज हिमाचली ने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया। डायरेक्टर बिक्की नरियाल की नई सोच के चलते एक्टिंग को केंद्र में रखा गया। हालांकि अजय भंडारालिया और सावन शहजादा का संगीत मजबूत रहा, लेकिन इस बार असली पहचान कलाकारों को मिली।

शिक्षा निकेतन पब्लिक स्कूल में युवाओं और बुजुर्गों के बीच संबंध मजबूत करने पर दिया जोर

अनंत ज्ञान, जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अंतर्गत ग्राम पंचायत संसाल स्थित शिक्षा निकेतन पब्लिक स्कूल में इंटर जनरेशनल बॉन्डिंग विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता आलोक ठाकुर ने की। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों और युवाओं के बीच मजबूत संबंध समाज की नींव को सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य, कविता पाठ व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, वहीं वरिष्ठ नागरिकों ने अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान नशे के दुष्प्रभावों पर भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी, अभिभावक और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

'शिवमहापुराण कथा से मिलते हैं समस्त सुख'

अनंत ज्ञान, डरोह। विकास खंड सुलह के भेडूमहादेव क्षेत्र के बागडू महादेव मंदिर गढ़ जमूला में 31 मार्च से 6 अप्रैल तक शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथाव्यास अनूप दीक्षित ने बताया कि कथा श्रवण से मानसिक शांति, पापों का नाश और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। उन्होंने नारद मोह प्रसंग के माध्यम से अहंकार त्यागने का संदेश दिया। कहा कि काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार मनुष्य के सबसे बड़े शत्रु हैं। सच्चे मन से कथा सुनने पर सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

सीबीएसई का ताज लगा तो बदली तस्वीर

गरली बाल स्कूल में एडमिशन के लिए मची होड़, पहले ही दिन 153 दाखिले

अनंत ज्ञान

सालविया शर्मा, गरली। राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गरली में इस बार नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत ने इतिहास रच दिया। जैसे ही स्कूल को सीबीएससी बोर्ड का दर्जा मिला, वैसे ही एडमिशन के लिए अभिभावकों की लंबी कतारें लग गईं। हालात यह रहे कि पहले ही दिन बाल वाटिका से प्लस टू तक 153 विद्यार्थियों ने दाखिला लेकर स्कूल के प्रति बढ़ते भरोसे की मजबूत तस्वीर पेश कर दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिरुद्ध शर्मा ने बताया कि सबसे ज्यादा उत्साह छोटे बच्चों के दाखिले को लेकर देखने को मिला। बाल वाटिका वन, टू और थ्री में ही पहले दिन 22 नए एडमिशन दर्ज किए गए, जो इस बात का संकेत है कि अभिभावक अब शुरुआती शिक्षा के लिए भी इस स्कूल को प्राथमिकता दे रहे हैं। सीबीएसई से जुडने के बाद स्कूल की साख में जबरदस्त इजाफा हुआ है। बेहतर शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई की उम्मीद ने अभिभावकों का रुझान तेजी से इस ओर मोड़ा है। यही कारण है कि अब न सिर्फ स्थानीय बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों से भी विद्यार्थी यहां दाखिला लेने पहुंच रहे हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि बाल वाटिका (नर्सरी/केजी) से लेकर आठवीं कक्षा तक न तो कोई एडमिशन फीस लगेगी और न ही मासिक शुल्क देना होगा। इतना ही नहीं, सभी विद्यार्थियों को सरकार की ओर से मिड-डे मील के तहत दोपहर का भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगा। यही सुविधाएं इस स्कूल को निजी संस्थानों के मुकाबले कहीं आगे खड़ा कर रही हैं। अब कई निजी स्कूलों में पढ़ रहे बच्चे भी गरली स्कूल का रुख कर रहे हैं। घलौर, चम्बापतन, कूहना जैसे दूरदराज क्षेत्रों से भी विद्यार्थी यहां एडमिशन लेने पहुंच रहे हैं, जिससे साफ है कि सरकारी स्कूलों की बदलती तस्वीर अब भरोसे में बदल रही है। प्रधानाचार्य अनिरुद्ध शर्मा ने कहा कि स्कूल में केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और नैतिक शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

गरली बाल स्कूल में एडमिशन के लिए मची होड़। अनंत ज्ञान

झारखंड की घटना पर सरकार करे दोषियों पर कार्रवाई: शांता कुमार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने कहा कि झारखंड के एक गांव में एक ऐसी दर्दनाक और भयंकर घटना घटी है कि जिसे पढ़ते-पढ़ते दिल दहल गया। हजारी बाग के एक गांव में एक मां ने अपने बेटे का इलाज एक तांत्रिक से करवाया। तांत्रिक ने उसे कहा कि बेटे की सभी बीमारियां ठीक करने के लिए उन्हें एक कुंवारी लडक़ी की बलि देनी होगी। लड़का काफी दिनों से बीमार था। तांत्रिक की इस बात पर वह महिला अपनी ही 13 वर्षीय बेटी की बलि देने को तैयार हो गई । तांत्रिक और बाकी सहयोगियों ने तंत्र की पूरी प्रक्रिया पूरी करके भयंकर अमानवीय व्यवहार के बाद लडक़ी के सिर पर प्रहार करके खून निकाला और फिर उस लडक़ी की बलि दे दी। शांता कुमार ने कहा कि आज के सभ्य समाज में इस प्रकार के मामलों की कल्पना भी नहीं की जा सकती । एक मां अपने बेटे को स्वस्थ करने के लिए अपनी ही 13 वर्ष की बेटी की इस प्रकार हत्या कर वादी। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि इस घटना पर पूरी कार्यवाही करके इन सब दोषियों को मृत्युदंड दिया जाए।

ढाटी सांबा छिंज 10 से, बड़ी माली के विजेता को मिलेंगे एक लाख

ढाटी छिंज मेला समिति के सचिव अमर सिंह व अन्य। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

राकेश डोगरा, डरोह। विकास खंड सुलह स्थित भेडूमहादेव में पड़ते ढाटी सांबा छिंज मेला समिति की बैठक समिति प्रधान कुलबीर सिंह राणा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान बैठक में मेले में होने वाले प्रबंधों के बारे में विचार विमर्श किया गया।

हर साल की भांति मेला 10 से 12 अप्रैल तक चलेगा। मेले में मुख्य आकर्षण कुश्तियों का होता है, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि 12 अप्रैल को बडे मेले के दिन पहलवान सांय 3 बजे तक अपनी एंट्री सुनिश्चित करें। उसके उपरांत पहलवानों की मेले में एंट्री बिल्कुल भी नहीं होगी। ढाटी छिंज मेला समिति ने इस बार बडी माली 100000 रुपए की रखी है। छोटी माली 31000 रुपए की निर्धारित की गई है। जबकि छोटे बच्चों के लिए सांबा केसरी 3100 रुपए की रखी गई है। इस बीच अबकी बार अखाडे तथा मेला ग्राउंड में कैमरों की व्यवस्था भी की गई है। यह जानकारी ढाटी छिंज मेला समिति के सचिव अमर सिंह राणा ने दी।

दैहण छिंज मेले का आगाज

चार दिनों तक सजेगा परंपरा व खेलों का संगम

अनंत ज्ञान

राकेश डोगरा, डरोह। चार दिवसीय ऐतिहासिक दैहण छिंज मेले का शुभारंभ शुक्रवार को हर्षोल्लास से किया गया। मेले का विधिवत उद्घाटन मेला कमेटी के चेयरमैन व इंटक जिला प्रधान संजय सैनी, वाईस चेयरमैन लक्ष्मीकांत शर्मा व प्रधान गगन कुमार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर संजय सैनी ने कहा कि ऐसे पारंपरिक मेले हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में भी इन आयोजनों के माध्यम से हमारी लोक संस्कृति और परंपराएं जीवित हैं, जो आने वाली पीढियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनती हैं। पूरे मेले के दौरान पारंपरिक कुश्तियों (छिंज) का विशेष आकर्षण रहेगा, जिसमें प्रदेश सहित बाहरी राज्यों से भी नामी पहलवान भाग लेने पहुंचेंगे।

मेला कमेटी द्वारा चारों दिनों के मुख्य अतिथियों का भी निर्धारण किया गया है। मेले के दूसरे दिन का शुभारंभ गुग्गा मंदिर कमेटी सलोह के वेद पुजारी द्वारा किया जाएगा। तीसरे दिन सुभाष नर्सिंग कॉलेज पालमपुर के एमडी भुवनेश सूद मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वहीं मेले का समापन 6 अप्रैल को अधिवक्ता एवं समाजसेवी रविन्द्र रणौत के करकमलों द्वारा किया जाएगा।

बड़ी माली के विजेता को मिलेंगे 71,000

मेले में आयोजित होने वाली कुश्तियों के लिए इस बार आकर्षक इनाम राशि भी घोषित की गई है। बड़ी माली के रूप में 71,000 रुपए तथा छोटी माली 52,000 रुपए दी जाएगी। इसके चलते प्रदेश भर के पहलवानों में इस मेले को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इसके अतिरिक्त मेले में महिलाओं के लिए भी विशेष प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। 5 अप्रैल को महिलाओं के मनोरंजन के लिए रस्सा कस्सी, जलेबी रेस एवं म्यूजिकल चेयर रेस जैसी रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिससे मेले में महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग की ओर से काव्य गोष्ठी आयोजित

कवि शक्ति चंद राणा ने देशभक्ति पर सुनाई गजल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति सारथी एवं आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी विभाग की ओर से आयोजित भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर काव्य गोष्ठी एवं प्रश्नोत्तरी का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के धौलाधार परिसर-1 के सभागार में किया गया, जिसमें प्राध्यापकों, शोधार्थियों तथा छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का उदेश्य भारतीय ज्ञान परंपरा के सिद्धांतों को नई शिक्षा नीति के संदर्भ में और सैद्धांतिक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत करना रहा।

इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल रहे। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. चंद्रकांत सिंह ने अपने भाषण में इन्होंने वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सुशील कुमार फुल्ल, शक्ति चंद राणा, डॉ. सरोज परमार, डॉ. सुमन शेखर का स्वागत किया। इसके उपरांत भारतीय परंपरा के अनुसार सभी अतिथियों का स्वागत पहाड़ी टोपी एवं उत्तरीय प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो. प्रदीप कुमार, अधिष्ठाता आकादमी ने अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कवि अपनी कविता के माध्यम से समाज पर प्रभाव छोड़ता है। कवि वह है जो कल्पना को साकार रूप देता है। सभी साहित्य के सुधीजनों को अग्रिम सुभकामनाएं प्रेषित किया। विशिष्ट अतिथियों के रूप में हिमाचल के प्रसिद्ध कवि और साहित्यकार शक्ति चंद राणा ने कहा कि व्यक्ति में कुछ भी कर गुजरने की प्रबल इच्छा हो तो वह सब कुछ कर सकता है। उन्होंने एक गजल कही- शमा आप दिल में जला कर देखो, फिजायें करेंगी नमन सरहद से तुमको, कर्ज दूध का तुम चुका कर तो देखो। पंक्तियों के माध्यम से देशभक्ति को उजागर किया है। डॉ. सुशील कुमार फुल्ल ने कहा कि समाज साहित्य का प्रेरणास्त्रोत है। डॉ. सुमन शेखर ने युद्ध पर कविता पढ़ी। मानव के लालच को पृथ्वी कभी भी पूर्ण नहीं कर सकती है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा से अपनी कविताओं को जोड़ा एवं कार्यक्रम की गरिमा को अपने विचारों और कविताओं के माध्यम से बढ़ाया। सरोज परमार जी ने अपनी कविताओं के माध्ययम से स्त्री मुक्ति के प्रश्न को आज के दौर में व भी प्रासांगिक कर दिया है। स्त्री स्वर को नदियों के माध्यम से (मैं नदी होना चाहती हूं) रेखांकित किया है। बसंत ऋतु के आगमन पर भी कविताओं का पाठ किया। साथ ही विवि के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों और छात्रों ने अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया।कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. रोशन लाल शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी प्रतिभागियों की कविताओं पर बात करते हुए उनके काव्य-सौष्ठव एवं रचना-प्रक्रिया पर विस्तार से बात की। अपने उद्बोधन में उन्होंने सभी विद्यार्थियों को प्रेरित भी किया कि वे लगातार कवितायें लिखें जिससे कि सामाजिक विसंगतियां उजागर हो सकें। उन्होंने अपने काव्य-पाठ एवं सुमधुर गीत के द्वारा श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में काव्य गोष्ठी आयोजित। अनंत ज्ञान

चिट्टे के मामले में पुलिस के लिए छवि और विश्वास की बहाली बड़ी मुसीबत

चिट्टे के आरोपों से घिरे दो कर्मियों के निलंबन का मामला, एसएचओ की भूमिका भी सवालों में

अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। जिले में पुलिस के दो कर्मचारियों के चिट्टे के मामले में हुए निलंबन को लेकर इसके सारे अमले की छवि और प्रतिष्ठा पर जो सवाल उठने लगे हैं वह दाग आखिर धुलेंगे कैसे मसला एक नहीं है। कहीं और मामलों में भी पुलिस की छवि को झटके लगे हैं। भोरंज की घटना में शो की भूमिका पर भी भले ही औपचारिक रूप में जांच का शिकंजा अभी ना कसा हो लेकिन उनकी मौजूदगी को लेकर सवाल बराबर खड़े हो रहे हैं क्योंकि उन्हें की देखरेख में कर्मचारियों ने जिस कारनामे को अंजाम दिया है वह पुलिस की प्रतिष्ठा के लिए बेहद चिंता का विषय है। अब भले ही हमीरपुर के एएसपी इस मामले से जुड़ी हुई सारी बारीकियों की जांच अंतिम चरण तक पहुंचा गए हैं, लेकिन क्या यह जांच सारे 'सच' को उगल पाएगी? इसके लिए फिलहाल इंतजार तो करनी पड़ेगी मगर भोरंज पुलिस की छवि पर भीतरी व्यवस्था ने बड़ी 'चोट' करने की जो हामी भारी है। उसकी चर्चा खूब हो रही है।

मसाला चित्त से जुड़ा हुआ है और यह कोई मामूली नहीं है। यह वही अभियान है जिस पर प्रदेश सरकार ने बड़े स्तर पर इसके खातमे के लिए 'डंके' की चोट पर दम भरा हुआ है। लेकिन इसे जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए सबसे महत्वपूर्ण पुलिस के लोग ही यदि इसके साथ समझौता कर लें तो फिर नापतोल कौन करेगा? खैर जिला में पुलिस अधीक्षक बलवीर सिंह कहते हैं की जांच जारी है और सारी सच्चाई सामने आएगी अब क्या-क्या सच्चाई सामने आएगी और क्या-क्या पहन के पीछे छुपी रह सकती है इसके लिए थोड़ा इंतजार तो करना पड़ेगा। मगर एक बात निश्चित रूप में कही जा सकती है कि उनके बैंक खातों को खंगालना भी बड़ी सिरदर्दी का काम है। गूगल-पे से किस-किस के खाते खंगाले जाएंगे? यह काम इतना आसान नहीं है। नियमों को ताक पर रखकर यदि एसएचओ के अधीन कर्मचारी चिट्टे के मामलों को पकड़ने के लिए खुद मोर्चा संभाल लेंगे, तो फिर इस सारी प्रक्रिया पर सवाल खड़े होंगे।

अंदरूनी विवाद और तबादलों पर उठे सवाल

जिला की एक पुलिस चौकी में कर्मचारियों के दरमियान मारपीट की कुछ समय पहले जो घटना हुई थी उसकी चर्चा भी अभी तक शांत नहीं हुई है। कारण यह है कि उस घटना में शामिल वहां तैनात दो कर्मचारियों में से एक की तैनाती फिर वहीं पर कर दी गई है। और यह सारा सिलसिला राजनीति की गिरफ्त के जिस 'शिकंजे' में जकड़ा हुआ है, उससे सत्ता में बैठे बड़े नेताओं के लिए भी परेशानी तो होगी ही, भले ही आज इस पर सीधे रूप में खुलकर बोलने की जहमत कोई उठा नहीं रहा। लेकिन पुलिस का भीतरी सिस्टम इससे खूब आहत है। ऐसी घटनाएं किसी भी क्षेत्र की पुलिस की व्यवस्था के लिए सही दिशा नहीं मानी जा सकतीं। निचले लेवल के नेता जिस तरीके से इन घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, उससे सत्ता के कर्णधारों को निश्चित रूप में भीतरी व्यवस्था की सुध समय पर 'पछतावे' से पहले जरूर लेनी चाहिए।

जांच जारी, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

हमीरपुर के एसपी बलवीर सिंह का कहना है कि चिट्टे के मामले में संलिप्त दो कर्मचारियों को निलंबित करके इसकी जांच चल रही है, बहुत जल्दी जांच मुकम्मल हो जाएगी और जो भी इसमें दोषी होगा, उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज होगी।

4 को 26 अस्पतालों व 5 को 32 अस्पतालों में लगेंगे एचपीवी टीके

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) से बचाव हेतु 14-15 वर्ष के आयु वर्ग की लड़कियों को एचपीवी के टीके लगाने के लिए आरंभ किए गए विशेष अभियान के तहत 4 अप्रैल को जिला हमीरपुर में 26 अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों और 5 अप्रैल को 32 अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों संस्थानों में टीके लगाए जाएंगे। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय अत्री ने बताया कि इस अभियान के शुभारंभ पर 29 मार्च को मेडिकल कॉलेज अस्पताल हमीरपुर, नागरिक अस्पताल नादौन, बड़सर, भोरंज, सुजानपुर तथा टौणी देवी, सीएचसी गलोड़, सीएचसी बिझड़ी, पीएचसी बगवाड़ा, बड़ाग्राम, भरेड़ी, भोटा, चबूतरा, चैरी, चकमोह, चैड़ू, धनेटा, गारली, गुब्बर, जाहू, जंगलबैरी, कांगू, कड़ोहता, कुठेड़ा, महल, नालटी, ननावां, पटलांदर, सलौणी, सेरा, उहल और एसएचक्यू बोहणी सहित कुल 32 अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में टीकाकरण की सुविधा प्रदान की गई थी। उन्होंने बताया कि 4 अप्रैल को इनमें से 26 अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में टीके लगाए जाएंगे। जबकि, 5 अप्रैल को सभी 32 अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। डॉ. अजय अत्री ने बताया कि महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के मामले बहुत ज्यादा पाए जाते हैं। एचपीवी वैक्सीन का यह टीका लड़कियों को भविष्य में सर्वाइकल कैंसर से बचाएगा। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि यह टीका काफी महंगा होता है, लेकिन सरकार इसे मुफ्त में उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने सभी जिलावासियों से अपील की है कि वे अपने-अपने परिवारों की 14-15 वर्ष के आयु वर्ग की सभी लड़कियों को यह टीका अवश्य लगवाएं।

भरेड़ी बिजली बोर्ड के पुराने भवन में लगी आग, लकड़ी के खंभे जलकर राख

बिजली बोर्ड के पुराने भवन में लगी आग को बुझाते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

भोरंज। भोरंज उपमंडल के अंतर्गत भरेड़ी बिजली बोर्ड के पुराने भवन में शुक्रवार सुबह करीब 4:15 बजे आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि पास में रखे 20 से 25 वर्ष पुराने लकड़ी के बिजली के खंभे पूरी तरह जलकर राख हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ये पुराने खंभे वर्षों से वहीं पड़े थे और यदि समय रहते इनकी नीलामी कर दी जाती, तो विभाग को राजस्व भी मिलता और ऐसी घटना से बचा जा सकता था। आग की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद कर्मचारी ने तुरंत एसडीओ संजय कुमार और अग्निशमन विभाग को सूचित किया। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई। बताया जा रहा है कि विभाग की पुरानी इमारत काफी समय से जर्जर हालत में है और पिछले दो वर्षों से इसे हटाया नहीं गया है। कार्यालय भले ही किराए के भवन में शिफ्ट हो चुका हो, लेकिन कर्मचारी अभी भी दिन में इसी भवन का उपयोग करते हैं, जिससे खतरा बना हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय के 13 विद्यार्थियों का टीसीएस में हुआ चयन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट वीक के दौरान 13 विद्यार्थियों का चयन देश की अग्रणी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में हुआ। चयनित छात्रों में बंदना (एमसीए), जतिन शर्मा (बीसीए), विवेक शर्मा (बी.टेक), प्रिंस रावत (बीसीए), कार्तिक कुमार (बी.टेक), अनुराग ठाकुर (बी.कॉम), दुबेश (डी फार्मेसी), अभिषेक (बी.टेक), सुशांत कुमार (बीसीए), निशांत शर्मा (डी फार्मेसी आयुर्वेद), मुस्कान शर्मा (एमसीए), अभिषेक कुमार (डी फार्मेसी आयुर्वेद) और अभय पटियाल (बी.टेक) शामिल हैं। छात्रों ने लिखित परीक्षा, तकनीकी साक्षात्कार और एचआर राउंड सफलतापूर्वक पार किया। विश्वविद्यालय प्रशासन और प्लेसमेंट सेल ने सभी को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

36 वर्षों की सेवा के बाद उपनिरीक्षक अमीं चंद सेवानिवृत्त, गांव में किया भव्य स्वागत

अनंत ज्ञान, भोरंज। ग्राम पंचायत मुंडखर के गांव नैली निवासी उपनिरीक्षक अमीं चन्द ने सीमा सुरक्षा बल में 36 वर्षों की समर्पित सेवा के बाद सेवानिवृत्ति प्राप्त की। उनके सम्मान में गांव में भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्रभर के लोग शामिल हुए। अमीं चन्द ने अपने करियर की शुरुआत सैनिक के रूप में की और कर्तव्यनिष्ठा व साहस के बल पर उपनिरीक्षक बने। उन्होंने दुर्गम क्षेत्रों और विभिन्न ऑपरेशन क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की। समारोह में मौजूद भूतपूर्व सैनिक एवं समाजसेवी मेजर बलवंत सिंह ने उनके योगदान को प्रेरणादायक बताया। सभी उपस्थित लोगों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं।

एनआईटी हमीरपुर में मैनफिएस्टा में विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों ने लिया भाग

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। एनआईटी हमीरपुर के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित मैनफिएस्टा 2026 का आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. एच. एम. सूर्यवंशी, डीएसडब्ल्यू प्रो. पवन कुमार शर्मा, विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक तिवारी और संकाय समन्वयक डॉ. शैम्पी कंबोज उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। मेगा टैलेंट प्रतियोगिता, गायक अंकुश महाजन और स्टैंड-अप कॉमेडियन विशाल शर्मा की प्रस्तुतियों के साथ उत्साह बना रहा। दूसरे दिन कॉलेज की जंग और वेस्ट टू क्रिएटिविटी कार्यक्रम आयोजित हुए। विजेताओं को सम्मानित कर नकद पुरस्कार प्रदान किए गए और कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बच्चों को मिलेगा क्रिकेट के गुर सीखने का मौका, डे-अकादमी में ले सकते हैं प्रवेश

अनंत ज्ञान, नादौन। एचपीसीए की डे अकादमी में बच्चों के खेलों में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम अमतर में स्थित इस डे अकादमी में नए बच्चों के लिए प्रवेश शुरू किए जा रहे हैं। जिसका बच्चे लाभ उठा सकते हैं। यह जानकारी देते हुए अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम अमतर के प्रभारी संजय ठाकुर टिंका ने देते हुए बताया कि इस डे अकादमी में 1 सितंबर 2012 या उसके बाद जन्में लड़के व लड़कियां प्रवेश ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रवेश की तिथि 7 अप्रैल है और समय शाम 4 बजे से शाम 6 बजे तक होगा

प्रभात फेरी के साथ धार्मिक आयोजन शुरू

अनंत ज्ञान, जाहू। भोरंज उपमंडल के कांगूघटी गांव में 18वीं श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन शुरू हुआ। कथा वाचक पंडित राजेंद्र संख्यान ने प्रभात फेरी के बाद विधिवत कथा का शुभारंभ किया। गांववासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने बताया कि कथा के श्रवण से मोक्ष की प्राप्ति होती है और जीवन के दुखों से मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति से भय, रोग और कष्ट दूर होते हैं। आयोजन समिति के अनुसार हर वर्ष की तरह इस बार भी कथा आयोजित की जा रही है तथा अंतिम दिन विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

पूर्व सांसद वीरेंद्र कश्यप ने प्रो. प्रेम कुमार धूमल से की शिष्टाचार भेंट

अनंत ज्ञान

प्रो. प्रेम कुमार धूमल से वीरेंद्र कश्यप मुलाकात करते हुए। अनंत ज्ञान

हमीरपुर। पूर्व सांसद वीरेंद्र कश्यप ने शुक्रवार को समीरपुर में पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम कुमार धूमल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच प्रदेश के समसामयिक राजनीतिक परिदृश्य, संगठनात्मक गतिविधियों और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने इस अवसर पर कहा कि भाजपा संगठन निरंतर जनता के बीच रहकर उनके मुद्दों को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास, सुशासन और पारदर्शिता को लेकर पार्टी की प्रतिबद्धता अटूट है। धूमल ने कहा कि कार्यकर्ताओं के सहयोग और जनता के आशीर्वाद से भाजपा आने वाले समय में और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने वीरेंद्र कश्यप के अनुभव और संगठन के प्रति उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अनुभवी नेताओं का मार्गदर्शन पार्टी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं पूर्व सांसद वीरेंद्र कश्यप ने प्रो. धूमल के साथ हुई भेंट को सौहार्दपूर्ण और प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि प्रो. धूमल का नेतृत्व और अनुभव प्रदेश की राजनीति में एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। कश्यप ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए सभी कार्यकर्ता समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा प्रदेश में जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाती रहेगी और जनता का विश्वास निरंतर बढ़ेगा।

इक्विटी पावर व्यवस्था की जाए बहाल

विद्युत पेंशनर्स फोरम की बैठक में मुख्यमंत्री सुक्खू से किया आग्रह

अनंत ज्ञान

नादौन। हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड के पेंशनरों के संगठन विद्युत पेंशनर फोरम की बैठक शुक्रवार को गगाल में हुई जिसमें मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से आग्रह किया है कि राज्य के बिजली उपभोक्ताओं के हित में सरकार की इक्विटी पावर की पूर्व व्यवस्था को जारी रखने अथवा पुन: बहाल रखा जाए। पेंशनर फोरम की बैठक की अध्यक्षता इकाई के अध्यक्ष राज कुमार ने की।

इस अवसर पर फोरम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप खरवाड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अपने हिस्से की इक्विटी बिजली नाथपा झाकड़ी जलविद्युत परियोजना तथा रामपुर जलविद्युत परियोजना से उनके प्रारंभ से ही एचपीएसईबीएल को विनियमित दरों पर उपलब्ध करवाई जाती रही है। इन दरों का निर्धारण समय-समय पर हिमाचल प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा किया जाता है। वर्तमान में एचपीएसईबीएल नाथपा झाकड़ी परियोजना से 2.64 रुपये प्रति यूनिट तथा रामपुर परियोजना से 4.93 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीद रहा है। फोरम के अनुसार हाल ही में इस आवंटन को वापस लिए जाने से एचपीएसईबीएल की बिजली खरीद लागत में वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में बिजली दरों पर लगभग 37 पैसे प्रति यूनिट तक अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है।

कुलदीप खरवाड़ा ने यह भी कहा कि हिमाचल प्रदेश एक जलविद्युत अधिशेष राज्य है और यहां उपलब्ध फ्री पावर एवं इक्विटी पावर का प्राथमिक लाभ प्रदेश के उपभोक्ताओं को मिलना चाहिए, ताकि बिजली दरें किफायती एवं स्थिर बनी रहें। उन्होंने यह भी कहा कि वैकल्पिक सस्ती बिजली की व्यवस्था होने तक सरकार द्वारा ऊर्जा के लिए उच्च दरें निर्धारित किए जाने से एचपीएसईबीएल की वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। विद्युत पेंशनर फोरम ने माननीय मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे इस विषय में हस्तक्षेप कर मामले की समीक्षा करें तथा राज्य के उपभोक्ताओं के हित में इक्विटी पावर की व्यवस्था को जारी रखने अथवा पुन: बहाल करने पर विचार करें।

बजट सत्र के बाद एक्शन मोड में दिखे विधायक कैप्टन रणजीत सिंह

समोना सड़क निर्माण कार्य का जायजा लेते विधायक कैप्टन रणजीत। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। विधायक कैप्टन रणजीत सिंह बजट सत्र की समाप्ति के तुरंत बाद देर रात अपने क्षेत्र में पहुंचे और पहुंचते ही जनहित कार्यों में सक्रिय नजर आए। उन्होंने एक्सीन मोड़ पर समोना के लिए बन रही सड़क का औचक निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया। यह सड़क लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रही है। बरसात के मौसम में खड्ड (नाले) के उफान पर होने के कारण समोना के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। स्थिति इतनी गंभीर होती थी कि लोग अपनी गाड़ियां बगेहरा या अपने गांव में ही खड़ी कर देते थे और समोना तक पैदल पहुंचना पड़ता था। यहां तक कि गौशाला के लिए आवश्यक खाद्य सामग्री भी लोगों को सिर पर उठाकर ले जानी पड़ती थी। विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने जनता की इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता देते हुए सड़क निर्माण कार्य शुरू करवाया है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह सड़क बनने से न केवल समोना के लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी नई गति मिलेगी। विधायक ने आश्वासन दिया कि उनकी प्राथमिकता हमेशा जनहित के कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करवाना है।

भरेड़ी में 47वीं जूनियर स्टेट बास्केटबॉल स्पर्धा का रोमांचक मुकाबलों से हुआ शुभारंभ

हमीरपुर की टीम ने कुल्लू को 53-21 से हराया

अनंत ज्ञान

जूनियर स्टेट बास्केटबॉल स्पर्धा के शुभारंभ पर खिलाड़ी व गणमान्य। अनंत ज्ञान

भोरंज। तीन दिवसीय 47वीं राज्य स्तरीय जूनियर बास्केटबॉल लड़के व लड़कियों की प्रतियोगिता शुक्रवार को भोरंज उपमंडल के साई बिजन पब्लिक स्कूल भरेड़ी में शुरू हुई, जिसमें लड़कों के वर्ग में 15 और लड़कियों के वर्ग में 12 टीमों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ स्थानीय विधायक सुरेश कुमार ने किया तथा खिलाड़ियों को खेल भावना के प्रति जागरूक किया।

उन्होंने सरकार की खेलों के प्रति बचनवद्धता को प्राथमिकता बताया और कहा के हमीरपुर जिला के नादौन खरीड़ी में 460 करोड़ रुपए से इंडोर खेल परिसर बनाया जा रहा है और भरेड़ी में वॉलीबॉल का खेल छात्रावास इसी सत्र से शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बगवाड़ा में बास्केटबॉल खेल के लिए साई का खेल छात्रावास खुलवाने की सांसद अनुराग ठाकुर से मांग की। उन्होंने साई विजन स्कूल में फ्लड़ लाइट लाइटें लगाने तथा बास्केबॉल खेल संघ को 21 हजार रुपए देने की घोषणा की। पहले दिन के लड़कों के वर्ग के मुकाबलों में हमीरपुर जिला के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कुल्लू जिला को 53-21 के अंतर से पराजित करके प्रथम जीत दर्ज की। इसी तरह जिला ऊना ने लारेंस स्कूल सनावर सोलन को 65-34 से पराजित किया, जबकि बिलासपुर की टीम ने गुरु नानक मिशन पब्लिक स्कूल पांवटा साहिब को 50-35, मंडी ने कांगड़ा को 66-47 से, खेल छात्रावास पपरोला के खिलाड़ियों ने केपीएस स्कूल सोलन को 98-47 के अंतर से पराजित करके अपनी जीत दर्ज की। लड़कियों के मुकाबले में हमीरपुर जिला की टीम ने सिरमौर को 53-49, बिलासपुर ने सोलन को 51-47 से, मंडी जिला की टीम ने गुरू नानक मिशन पब्लिक स्कूल पौंटा साहिब को 41-31 के अंतर से पराजित करके प्रथम जीत दर्ज की। इसके अलावा खेल छात्रावास सरकाघाट की टीम ने कांगड़ा जिला की टीम को 56-25 के अंतर से पराजित किया। इस दौरान राज्य बास्केटबॉल संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुशील शर्मा, महासचिव मुनीष शर्मा, सीईओ अजय सूद, संजय ठाकुर, सुरेश रनौत, राजकुमार, बृज मोहन, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी, विजय बन्याल, रमेश कौशल, विधि चंद कौशल व अन्य उपस्थित रहे।

जायजा राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष ने आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों और राशन डिपुओं का किया निरीक्षण

हर संस्थान में हेल्पलाइन नंबर करें अनिवार्य: डॉ. एसपी

अनंत ज्ञान

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. एसपी कत्याल। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, हमीरपुर। राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष डॉ. एसपी कत्याल ने हमीरपुर जिले में अपने चार दिवसीय प्रवास के दौरान राशन डिपुओं, गोदामों, आटा मिलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, वृद्ध आश्रम और कई अन्य संस्थानों का निरीक्षण किया। जिले के चार दिवसीय दौरे की समाप्ति पर शुक्रवार को सर्किट हाउस में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. एसपी कत्याल ने बताया कि इस व्यापक निरीक्षण के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत क्रियान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं का जमीनी स्तर पर जायजा लिया है।

डॉ. एसपी कत्याल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सभी योजनाओं का क्रियान्वयन संतोषजनक पाया गया है, लेकिन उन्होंने खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और आम उपभोक्ताओं को इनकी डिलीवरी को बेहतर बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। खाद्य आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि चार दिवसीय प्रवास के पहले दिन उन्होंने जिला प्रशासन, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, राज्य खाद्य आपूर्ति निगम, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के क्रियान्वयन से संबंधित अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करके विस्तृत रिपोर्ट ली थी। इसके बाद उन्होंने विकास खंड टौणी देवी में आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों और राशन डिपुओं सहित कुल 6 संस्थानों का दौरा किया। दूसरे दिन उन्होंने भोरंज उपमंडल में 12 संस्थानों एवं राशन डिपुओं और तीसरे दिन नादौन एवं हमीरपुर उपमंडल में कुल 15 संस्थानों एवं राशन डिपुओं का निरीक्षण किया।

डॉ. एसपी कत्याल ने बताया कि उन्होंने राशन डिपुओं में खाद्यान्नों के सही भंडारण, सही वितरण और सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन डिपुओं में एक स्वच्छ, सुविधाजनक एवं आधुनिक व्यापारिक प्रतिष्ठान जैसी व्यवस्था होनी चाहिए। इनमें उपभोक्ताओं के लिए हेल्पलाइन नंबर एवं कंप्लेंट नंबर प्रमुखता के साथ प्रदर्शित किए जाने चाहिए, ताकि खाद्यान्नों से संबंधित कोई भी समस्या आने पर उपभोक्ता तुरंत शिकायत कर सकें। अगर किसी उचित मूल्य की दुकान का संचालन बेहतरीन ढंग से हो रहा है तो उसकी अनुशंसा आईएसओ सर्टिफिकेशन के लिए भी की जा सकती है। आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में मिड डे मील की रसोई में भी सफाई का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए तथा यहां पर भी सभी हेल्पलाइन नंबर एवं कंप्लेंट नंबर प्रमुखता के साथ प्रदर्शित किए जाने चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी फील्ड में नियमित रूप से उचित मूल्य की दुकानों, गोदामों और आटा मिलों का निरीक्षण करें तथा सैंपलिंग-टेस्टिंग भी सुनिश्चित करें। इनमें भी संबंधित अथॉरिटी के शिकायत नंबर भी प्रदर्शित किए जाने चाहिए। आटा मिलों को एनएफएसए के तहत आवंटित गेहूं की पिसाई के समय भी कड़ी निगरानी के लिए एक प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वृद्ध आश्रम के निरीक्षण के दौरान एक्सपायरी डेट की कुछ खाद्य सामग्री मिली हैं, जिन्हें तुरंत नष्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

कत्याल ने बताया कि प्रदेश में खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग और भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। आयोग इस दिशा में कई महत्वपूर्ण सुझाव सरकार को प्रेषित करेगा। पत्रकार वार्ता के दौरान जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक शिव राम, राज्य खाद्य आपूर्ति निगम की क्षेत्रीय प्रबंधक रीटा कुमारी और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

हमीरपुर में संगठन विस्तार को लेकर 'आप' सक्रिय

अनंत ज्ञान, भोरंज। प्रदेश की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच आम आदमी पार्टी ने हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र में संगठन विस्तार का अभियान तेज कर दिया है। इस क्रम में 4 से 8 अप्रैल तक विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों—बड़सर, भोरंज, हमीरपुर, नादौन और सुजानपुर—में बैठकों का आयोजन किया जाएगा, जिनका नेतृत्व लोकसभा सह-प्रभारी छाया तिवारी करेंगी। इन बैठकों में जिला बिलासपुर के ऑब्जर्वर डॉ. सुमित पुन्याल, जिला अध्यक्ष सुरेश ठाकुर और अन्य पदाधिकारी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति साझा करेंगे। छाया तिवारी ने कहा कि पार्टी ईमानदारी, पारदर्शिता और जनसेवा के मूल सिद्धांतों पर काम कर रही है और शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार जैसे मुद्दों पर जनता को बेहतर विकल्प देना चाहती है। डॉ. पुन्याल ने भी कहा कि प्रदेश की राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर है और आप व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से आगे बढ़ रही है। पार्टी ने कार्यकर्ताओं से अधिक संख्या में बैठकों में भाग लेने का आह्वान किया है।

चंबा-लाहौल के 526 एसपीओ का फूटा गुस्सा

दुर्गम दर्रों व जानलेवा हालात में सेवा देने वाले ये जवान आज खुद आर्थिक तंगी व उपेक्षा का शिकार बन चुके हैं

अनंत ज्ञान

राहुल सहगल चंबा। हिमाचल प्रदेश के सीमांत व दुर्गम जिलों चंबा व लाहौल-स्पीति में तैनात 526 विशेष पुलिस अधिकारियों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है।

वर्षों से बर्फीली वादियों, दुर्गम दर्रों व जानलेवा हालात में सेवा देने वाले ये जवान आज खुद आर्थिक तंगी व उपेक्षा का शिकार बन चुके हैं। सीमा सुरक्षा से लेकर कानून-व्यवस्था व आपदा प्रबंधन तक हर मोर्चे पर डटे रहने वाले इन एसपीओ जवानों का कहना है कि वे 'कर्तव्य में पुलिस, लेकिन अधिकारों में उपेक्षित' हैं। महंगाई के इस दौर में मिलने वाला मामूली मानदेय उनके परिवारों के भरण-पोषण के लिए नाकाफी साबित हो रहा है। एसपीओ जवानों का दर्द साफ झलकता है वे नियमित पुलिस बल की तरह गश्त, भीड़ नियंत्रण और राहत-बचाव जैसे हर जोखिम भरे कार्य को अंजाम देते हैं, लेकिन वेतन व सुविधाओं के मामले में उन्हें दोयम दर्जे का व्यवहार झेलना पड़ता है। सर्दियों में जब तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे चला जाता है और सड़कें महीनों तक बर्फ में दबी रहती हैं, तब भी ये जवान अपनी ड्यूटी पर अडिग रहते हैं। कई बार परिवार से महीनों दूर रहना उनकी मजबूरी बन जाती है, लेकिन बदले में मिलने वाला मानदेय उनके त्याग का मजाक बनता जा रहा है। डलहौजी से इंजीनियर पंकज शर्मा ने इस गंभीर मुद्दे को लेकर पुलिस अधीक्षक एचपीएस विजय कुमार सकलानी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एचपीएस दिनेश कुमार शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान जवानों की समस्याओं, अधिकारों व मानदेय वृद्धि की मांग को विस्तार से रखा गया। अधिकारियों द्वारा मामले को गंभीरता से सुनना एक उम्मीद जरूर जगा रहा है, लेकिन ठोस कार्रवाई का इंतजार अब भी बाकी है।

एसपी चंबा विजय कुमार सकलानी को ज्ञापन सौंपते हुए। अनंत ज्ञान

संसद तक गूंजी आवाज

चंबा-कांगड़ा लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने भी इस मुद्दे को लोकसभा में प्रमुखता से उठा चुके हैं। उन्होंने बताया कि चंबा जिला जम्मू-कश्मीर के साथ करीब 216 किलोमीटर लंबी संवेदनशील सीमा साझा करता है। उन्होंने 3 अगस्त 1998 के सतरुंडी/कालाबन कांड का जिक्र करते हुए कहा कि उस आतंकी हमले के बाद ही एसपीओ की तैनाती शुरू की गई थी, ताकि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिल सके। सांसद ने सवाल उठाया कि जब जम्मू-कश्मीर के एसपीओ को लगभग 18,000 रुपए और हरियाणा में 20,000 रुपए तक मानदेय मिल रहा है, जबकि चंबा में सिर्फ 9700 रुपए मानदेय है ,तो मेरे लोकसभा क्षेत्र के इन जवानों के साथ यह भेदभाव क्यों?

महंगाई की मार, परिवार बेहाल

एसपीओ जवानों का कहना है कि मौजूदा मानदेय में बच्चों की पढ़ाई, इलाज, राशन व अन्य जरूरी खर्च पूरे करना लगभग असंभव हो गया है। कई जवान कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं व आर्थिक तनाव में जीवन जीने को मजबूर हैं। यह मुद्दा अब केवल वेतन वृद्धि तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सम्मान, समानता और न्याय की लड़ाई बन चुका है। सवाल उठता है कि जो जवान सबसे कठिन परिस्थितियों में देश और प्रदेश की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं, क्या उन्हें ही असुरक्षा और उपेक्षा का सामना करना पड़े?

सरकार से सीधी अपील

एसपीओ जवानों ने राज्य सरकार व प्रशासन से मांग की है कि उनके मानदेय में तत्काल और न्यायसंगत वृद्धि की जाए, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें और पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं जारी रख सकें। अब नजरें सरकार के फैसले पर टिकी हैं क्या 526 परिवारों की यह आवाज सत्ता के गलियारों तक पहुंचेगी, या फिर ये जवान यूं ही कर्तव्य और संघर्ष के दोहरे बोझ तले दबे रहेंगे?

अध्यापक संघ की चेतावनी मांगें पूरी न हुई तो सड़कों पर आंदोलन करने को होंगे मजबूर

अनंत ज्ञान, चंबा। राजकीय सीएंडवी अध्यापक संघ, जिला चंबा की जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक सर्किट हाउस चंबा में जिला अध्यक्ष संजय वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिले के 16 खंडों से लगभग 70 अध्यापकों ने भाग लिया और विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य रूप से 20 वर्ष सेवा पूरी करने वाले अध्यापकों को मिलने वाली विशेष वेतन वृद्धि का मुद्दा उठाया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इसे सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा और बंद की गई विशेष वेतन वृद्धि को पुनः बहाल करने की मांग की जाएगी। बैठक में कला, हिमाचल की लोक संस्कृति और योग विषय की पुस्तकों को हिंदी माध्यम में उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। साथ ही, कला और शारीरिक शिक्षा के पद पूल में डाले गए पदों को पुनः बहाल करने का निर्णय लिया गया। अध्यापक संघ ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने पर संगठन सड़कों पर आंदोलन करने को मजबूर होगा। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया।

हॉली लॉज से गायब हुई चिट्ठी, फिर भी नहीं टूटा हौसला: जनजातीय दर्जे की लड़ाई ने पकड़ी रफ्तार

अनंत ज्ञान

राहुल सहगल, चंबा। भरमौर-पांगी की पहाड़ियों में वर्षों से उठ रही एक मांग अब सियासत के केंद्र में पहुंच गई है। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गैर-जनजातीय क्षेत्र की 24 पंचायतों के हजारों लोग आज भी जनजातीय क्षेत्रों जैसी कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं, लेकिन उन्हें वैसी सुविधाएं और अधिकार नहीं मिल पा रहे।

यह मुद्दा अब केवल मांग नहीं, बल्कि न्याय की लड़ाई बन गया है। जानकारी के अनुसार, इन पंचायतों में लगभग 40 हजार मतदाता और 55 से 60 हजार के बीच जनसंख्या निवास करती है। हाल ही में मैहला में आयोजित 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के दौरान कृषि उपज मंडी समिति चंबा के अध्यक्ष ललित ठाकुर ने यह मामला विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया। उन्होंने मैहला, चड़ी, बंदला, फागड़ी, दाडवी, बकान, धिमला, सुनारा, लोथल, ब्रेही, गैहरा, पियूरा, छतराड़ी सहित 24 पंचायतों को जनजातीय क्षेत्र का दर्जा देने की मांग दोहराई। मामला अब उच्च स्तर तक पहुंच चुका है। विधानसभा अध्यक्ष ने इस पर कार्रवाई शुरू करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। बताया जा रहा है कि यह संघर्ष कई वर्षों से जारी है और ललित ठाकुर लगातार इस मुद्दे को उठाते रहे हैं। वहीं, एक पत्र के रहस्यमय ढंग से गायब होने की घटना ने भी पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दुर्गम भौगोलिक स्थिति, सीमित संसाधन और शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के चलते इन क्षेत्रों को जनजातीय दर्जा मिलना जरूरी है, ताकि उन्हें भी विकास योजनाओं और सुविधाओं का लाभ मिल सके।

'सामाजिक न्याय यात्रा' को मिला जनसमर्थन एससी/एसटी विकास निधि कानून की मांग तेज

अनंत ज्ञान

चंबा। हिमाचल प्रदेश में 'अनुसूचित जाति, जनजाति विकास निधि विशेष कानून' बनाने की मांग को लेकर चल रही 'सामाजिक न्याय यात्रा' के तहत चंबा विधानसभा क्षेत्र के अंबेडकर भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न सामाजिक संगठनों व प्रतिनिधियों ने भाग लेकर इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 1 अप्रैल से शुरू इस अभियान को और तेज करते हुए प्रत्येक गांव में 'हर घर दस्तक' दी जाएगी। इसके तहत लोगों से हस्ताक्षर अभियान चलाकर समर्थन जुटाया जाएगा, ताकि इस मांग को व्यापक जनआंदोलन का रूप दिया जा सके। प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि 14 अप्रैल को संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर संबंधित विधायक के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन में मांग की जाएगी कि चुनावी वादों के अनुरूप प्रदेश सरकार अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास निधि कानून बनाने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करे। बैठक के दौरान 'राज्य गठबंधन' के तहत विधानसभा स्तरीय समिति का भी गठन किया गया, जिसमें मनोहर लाल हितैषी, जितेंद्र सूर्या, कार्तिक, विशाल, सुशील, दीक्षा, धीरज, योगेश्वर अहीर, अमृता, चंपा, मदन, हितेंद्र, जोगिंदर और अशोक को शामिल किया गया।

इस मौके पर सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा अधिकारी डीपी चंद्रा, सुखदेव विश्वप्रेमी, योगेश्वर अहीर, केएल शाह, जितेश्वर सूर्या सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और युवाओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि यह केवल एक मांग नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर की दिशा में निर्णायक पहल है। बैठक में उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर चेताया कि यदि सरकार ने इस दिशा में जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

पेंशनर्स की समस्याओं पर हुई विस्तार से चर्चा

अनंत ज्ञान, चंबा। पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन चंबा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बड़ी संख्या में पेंशनरों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं और मांगें सामने रखीं। बैठक के दौरान वक्ताओं ने बताया कि पूर्व में पेंशनरों ने अपनी मांगों को लेकर विधानसभा का घेराव भी किया था। उस समय मुख्यमंत्री द्वारा आश्वासन दिया गया था कि अप्रैल माह के भीतर पेंशनरों के एरियर और लंबित मेडिकल बिलों का भुगतान कर दिया जाएगा। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर भुगतान नहीं किया जाता है, तो पेंशनर एकजुट होकर सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने सरकार से मांग की कि पेंशनरों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए, ताकि बुजुर्ग वर्ग को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

'आप' का इतिहास: प्रभावशाली नेताओं को किनारे करने का ट्रेंड जारी: मनीष

अनंत ज्ञान

डलहौजी। आम आदमी पार्टी के भीतर उठे ताजा राजनीतिक विवाद ने अब खुला टकराव का रूप ले लिया है। डलहौजी से सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मनीष सरीन ने पार्टी नेतृत्व पर सीधा हमला बोलते हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को उपनेता पद से हटाए जाने को 'आवाज दबाने की साजिश' करार दिया है।

सरीन ने कहा कि यह वही पार्टी है जिसकी बुनियाद में व्यवस्था परिवर्तन का सपना दिखाया था, लेकिन आज उसी पार्टी पर 'अहंकार और आंतरिक लोकतंत्र के पतन' के आरोप लग रहे हैं। सरीन ने राघव चड्ढा के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा 'मैं खामोश किया गया हूं, पर हारा नहीं हूं' और इसे लोकतांत्रिक आवाज को कुचलने का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि चड्ढा ने राज्यसभा में महंगाई, मध्यम वर्ग पर कर बोझ, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली, महिला गरिमा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता में भारत की तैयारी और टोल टैक्स जैसे मुद्दों को मजबूती से उठाया, ऐसे नेता को हटाना साफ दिखाता है कि पार्टी को अब जमीनी मुद्दों से ज्यादा 'नियंत्रण' की चिंता है। सरीन ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, खासकर अरविंद केजरीवाल पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 'अब पार्टी में स्वतंत्र सोच रखने वालों के लिए कोई जगह नहीं बची है।' उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी का इतिहास रहा है कि वह समय-समय पर अपने प्रभावशाली और कर्मठ नेताओं, जैसे कुमार विश्वास और किरण बेदी, को किनारे लगाती रही है चाहे वे संस्थापक दौर के चेहरे हों या आज के उभरते नेता। सरीन ने स्वाति मालीवाल से जुड़े विवाद को भी उदाहरण बताते हुए कहा कि यह घटना पार्टी के भीतर असहमति को दबाने और 'सच छिपाने की संस्कृति' को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि राघव चड्ढा अब केवल एक पार्टी के नेता नहीं, बल्कि 'देश के आम नागरिक की आवाज' बन चुके हैं और यही बात नेतृत्व को असहज कर रही है।

प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में ही दी जानी चाहिए : डॉ. जनक

अनंत ज्ञान

देशराज कश्यप, धरवाला। पांगी-भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने हिमाचल विधानसभा के शून्यकाल में प्राथमिक शिक्षा से जुड़े एक अहम मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाते हुए सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने पहली कक्षा से अंग्रेजी अनिवार्य किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह निर्णय न केवल बच्चों की बुनियादी शिक्षा को कमजोर करेगा, बल्कि शिक्षकों पर भी अनावश्यक दबाव बढ़ाएगा। डॉ. जनक राज ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का हवाला देते हुए स्पष्ट कहा कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा या स्थानीय भाषा में ही दी जानी चाहिए, ताकि बच्चे विषयों को बेहतर तरीके से समझ सकें और आत्मविश्वास के साथ सीख सकें। उन्होंने कहा कि हिमाचल के अधिकांश सरकारी स्कूल दुर्गम और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां बच्चों की भाषाई पृष्ठभूमि बेहद कमजोर और विविध होती है। ऐसे में सीधे अंग्रेजी माध्यम थोपना बच्चों के लिए असहज और कठिन साबित हो सकता है। उन्होंने

(राइट टू एजुकेशन एक्ट) के प्रावधानों का जिक्र करते हुए बताया कि कई बार बच्चों का दाखिला दूसरी या तीसरी कक्षा में भी प्रारंभिक स्तर से करना पड़ता है, ऐसे हालात में अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई करवाना न केवल अव्यवहारिक है, बल्कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को भी बाधित करता है।

विधायक ने शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत उजागर करते हुए कहा कि स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी, सीमित संसाधन व पहले से बढ़ा कार्यभार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में बड़ी बाधा है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि सरकार इंग्लिश मीडियम को अनिवार्य बनाना चाहती है, तो प्राथमिक स्तर पर अंग्रेजी माध्यम में प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति भी सुनिश्चित करनी होगी, अन्यथा इसका खामियाजा सीधे छात्रों को भुगतना पड़ेगा। वहीं, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि विभाग स्थानीय भाषाओं के संरक्षण व उपयोग के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने तर्क दिया कि वैश्विकरण के इस दौर में अंग्रेजी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि वैश्विक संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सरकार ने संतुलन बनाने की कोशिश में 'बैग फ्री शनिवार' जैसी पहल शुरू की है, जिसमें शिक्षक और छात्र स्थानीय भाषा में संवाद करेंगे, ताकि बच्चे अपनी मातृभाषा के साथ सहजता बनाए रख सकें। हालांकि, सदन में उठी इस बहस ने साफ कर दिया है कि हिमाचल में शिक्षा नीति को लेकर सरकार और जनप्रतिनिधियों के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या आधुनिकता की दौड़ में मातृभाषा कहीं पीछे छूट जाएगी, या फिर दोनों के बीच संतुलन बनाना ही असली चुनौती बनेगा?

'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के लिए शैक्षणिक भ्रमण बना यादगार अनुभव

अनंत ज्ञान

चंबा। जिला चंबा के 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के लिए इन दिनों चल रहा शैक्षणिक भ्रमण किसी सपने से कम नहीं है।

31 मार्च से 7 अप्रैल तक आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के तहत जिले के चार बाल देखभाल संस्थानों के करीब 35 बच्चे देश के विभिन्न स्थलों का अनुभव ले रहे हैं। भ्रमण के चौथे दिन, 3 अप्रैल को बच्चों ने दादरा एवं नगर हवेली जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों का दौरा किया, जहां रोमांच, प्रकृति और ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिला। वासोना में लायन सफारी ने बच्चों को वन्यजीवन से रूबरू कराया, वहीं दमन क्षेत्र में चिल्ड्रन मेमोरियल पार्क, बटरफ्लाई पार्क खनवेल, दुधनी लेक, डियर पार्क सेंचुरी सतमलीया, नक्षत्र गार्डन और दमन गंगा रिवर फ्रंट जैसे आकर्षणों ने बच्चों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा वान गंगा लेक गार्डन और दादरा में

दादरा-नगर हवेली में ज्ञान और रोमांच का संगम। अनंत ज्ञान

हाई-राइज म्यूजिकल वॉटर फाउंटेन शो बच्चों के लिए यादगार अनुभव साबित हुआ। इस दौरान हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने वर्चुअल माध्यम से बच्चों से संवाद कर उनके अनुभवों को जाना। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए इस भ्रमण को जीवन में नई दिशा देने वाला अवसर बताया और उन्हें सफल व सुरक्षित यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। बच्चों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह भ्रमण उनके जीवन का सबसे यादगार पल बन गया है। उन्होंने सरकार और जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई उत्कृष्ट परिवहन, आवास और भोजन व्यवस्था के लिए आभार जताया। भ्रमण दल के प्रभारी एवं बाल संरक्षण अधिकारी अजय पंवर ने बताया कि सभी बच्चे अत्यंत उत्साहित हैं और इस यात्रा को लेकर उनमें जबरदस्त ऊर्जा देखने को मिल रही है। बच्चों ने एक स्वर में कहा कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि उन्हें इस तरह का ज्ञानवर्धक और मनोरंजक अनुभव मिलेगा। यह शैक्षणिक भ्रमण न केवल बच्चों के लिए नए अनुभवों का द्वार खोल रहा है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और दृष्टिकोण को भी नई ऊंचाइयां तक पहुंचा रहा है।

एंबुलेंस में सुरक्षित प्रसव महिला ने बेटी को दिया जन्म

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। मंडी जिले में कटौला से जोनल अस्पताल मंडी रेफर की गई एक गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव एंबुलेंस में ही कराकर 108 सेवा के स्टाफ ने सराहनीय कार्य किया।

जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय महिला सफीका निवासी गांव बढीन को दोपहर करीब 1 बजे कम्युनिटी हेल्थ सेंटर कटौला में भर्ती किया गया था, लेकिन प्रसव पीड़ा बढ़ने व सिफालिक प्रेजेंटेशन से जुड़ी जटिलताओं के चलते डॉक्टरों ने उसे जोनल अस्पताल मंडी रेफर कर दिया। इसी दौरान रास्ते में रुहनज गांव के पास, जो कटौला अस्पताल से लगभग 5 किलोमीटर दूर है, महिला की हालत ज्यादा गंभीर हो गई व एंबुलेंस में ही प्रसव कराना पड़ा। 108 एंबुलेंस सेवा के ईएमटी मेघ सिंह व पायलट प्रेम ने अपनी सूझबूझ और प्रशिक्षण का परिचय देते हुए शाम 7:35 बजे सुरक्षित डिलीवरी करवाई,

जिसमें महिला ने एक स्वस्थ नवजात बच्ची को जन्म दिया। बाद में मां व नवजात को आवश्यक देखभाल के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दोनों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। इस सफल प्रयास की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

बीड़ रोड बाजार में आग से हड़कंप दुकानों को नुकसान, व्यक्ति झुलसा

अनंत ज्ञान, जोगिंदरनगर। जोगिंदरनगर के बीड़ रोड बाजार में शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सब्जी व कपड़ों की दुकानों में अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कूड़े को जलाने के लिए लगाई गई आग ने विकराल रूप धारण कर लिया व देखते ही देखते पास की दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही स्थानीय कारोबारी व लोग तुरंत मौके पर जुट गए व आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें जोगिंदरनगर व बैजनाथ से मौके पर पहुंचीं व कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, जिससे एक बड़ी घटना टल गई। आग बुझाने के दौरान एक व्यक्ति झुलस गया, जिसे पुलिस ने तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही राजस्व विभाग के अधिकारी व पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंचे व नुकसान का आकलन शुरू किया। कपड़ों की दुकान में खासा नुकसान बताया जा रहा है, जिसके चलते स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

अनंत Classifieds

नाम परिवर्तन

मैं ,सुमन कुमारी पत्नी जसविंदर पाल सिंह गांव घोड़ी डाकघर समेला तहसील सरकाघाट जिला मंडी हि.प्र. घोषणा करती हूं कि मेरी पुत्री का नाम जन्म प्रमाण पत्र में शानवी गलत दर्ज है सही नाम जन्म प्रमाण पत्र में शानवी पठानिया दुरुस्त किया जाए। शानवी व शानवी पठानिया एक ही महिला है सभी संबंधित नोट करें।

व अदालत सहायक समाहर्ता द्वितिय श्रेणी तहसील जोगिन्द्र नगर जिला मण्डी हि0प्र0।
मिसल न0-04/2026
तारीख मरजुआ-05-01-2026
तारीख पेशी- 28-04-2026
Satish Kumar S/o Late Sh. Muni Lal R/o Mohal Palhoon Tehsil Joginder Nagar Distt Mandi H.P.
...Applicant
Vrs General Public
...Respondent

अखवारी ईश्तहार- Application for declare Sh. Hans Raj S/o Fainsru @ Sukh Ram presume to be dead and mutation of the same is being entered in record. Satish Kumar S/o Late Sh. Muni Lal R/o Mohal Palhoon Tehsil Joginder Nagar Distt Mandi H.P. ने इस न्यायलय में आवेदन पत्र/शपथी पत्र गुजार कर यह अनुरोध किया है, कि उनके चाचा श्री हंस राज पुत्र श्री फैन्सरु उपनाम सुख राम पुत्र हिम्मत निवासी महाल पलहून/334 के नाम लगभग 3-5-12 भागी भूमि दर्ज कागजात माल है जो कि 20-25 बर्ष पहले दिमागी हालत ठीक नहीं होने के कारण घर से कहा चले गये थे, इस बारे प्रार्थी की माता ने दिनांक 15-10-2025 को पुलिस चोकी में हंस राज की गुमशुदगी बारा रिपोर्ट/FIR भी करवाई थी। परन्तु आज दिनांक तक हंस राज का कोई पता नहीं चला। वांशिन्दगान देह के ब्यानानुसार हंसराज का पता नही कि वह जीवित है या नहीं। अतः इस ईशतहार के माध्यम से सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उपरोक्त प्रार्थी के दावा बारे किसी प्रकार का कोई उजर/एतराज है, तो वह दिंनाक 28-04-2026 को प्रातः 10:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के समक्ष इसे असालतन व वकालतन प्रस्तुत कर सकता /सकते है। आम जनता की और से उपरोक्त दिंनाक एवं समय तक कोई भी उजर एतराज प्रस्तुत न होने की सूरत में उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। आज दिनांक 25.03.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

सहायक समाहर्ता द्वितिय श्रेणी, जोगिन्दर नगर, जिला मण्डी हि0प्र0।

22 जून को मिड-डे मील वर्कर्स की हड़ताल

अनंत ज्ञान

सुंडला। मिड-डे मील वर्कर यूनियन ब्लॉक कमेटी सुंडला (सीटू से संबद्ध) ने 22 जून को प्रदेशव्यापी हड़ताल का ऐलान कर दिया है।

हड़ताल के दिन हजारों मिड-डे मील कर्मी शिमला पहुंचकर सचिवालय का घेराव करेंगे। यह फैसला सुंडला में आयोजित बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विपिन ने की। बैठक में सीटू के जिला महासचिव सुदेश ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन नेताओं ने कहा कि मिड-डे मील वर्कर्स आज गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। मात्र 5000 रुपए मानदेय पर काम करने वाले इन कर्मियों को वह भी समय पर नहीं मिल रहा। हालात ऐसे हैं कि जो कर्मी देश के बच्चों को कुपोषण से बचाने का काम कर रहे हैं, उनके अपने परिवार कुपोषण के कगार पर पहुंच गए हैं। यूनियन ने आरोप लगाया कि हाई कोर्ट के 12 माह वेतन संबंधी निर्णय को लागू नहीं

'प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना' के नाम पर मूल योजना को कमजोर किया जा रहा है, जिससे

किया जा रहा है, जबकि शिक्षा विभाग के अन्य कर्मचारियों को यह सुविधा मिलती है। 25 बच्चों की अनिवार्य शर्त के चलते कई वर्कर्स को नौकरी छोड़नी पड़ रही है। वहीं, सेवानिवृत्ति के बाद किसी प्रकार की पेंशन या सामाजिक सुरक्षा भी उपलब्ध नहीं है।

जिला अध्यक्ष विपिन ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वर्ष 2009 के बाद से मिड डे मील कर्मियों के वेतन में एक रुपए की भी बढ़ोतरी नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस योजना को कॉरपोरेट कंपनियों के हवाले करने की तैयारी में है और बजट में लगातार कटौती कर रही है।

भविष्य में कर्मियों की छंटनी तय है। यूनियन ने सरकार के समक्ष कई मांगें रखीं, जिनमें 12 महीने का वेतन, साल में 12-20 छुट्टियां, दो वर्दियां, अतिरिक्त कार्य का भुगतान, मल्टी टास्क भर्ती में प्राथमिकता और बंद स्कूलों के कर्मियों का समायोजन शामिल हैं।

नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की, तो 22 जून की हड़ताल एक बड़े आंदोलन का रूप ले सकती है। अंत में यूनियन ने स्पष्ट किया कि अब 'अनदेखी और शोषण' के खिलाफ संघर्ष ही एकमात्र रास्ता बचा है और 22 जून को पूरा हिमाचल इस आक्रोश का गवाह बनेगा।

गद्दी संस्कृति का जीवंत केंद्र बना आकर्षण

अनंत ज्ञान, चंबा। खज्जियार में विकसित 'मिस्टिक विलेज' में गद्दी संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार का एक सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। यह अनूठी पहल न केवल पर्यटन को नई दिशा दे रही है, बल्कि आधुनिकता की दौड़ में कहीं खोती जा रही पारंपरिक विरासत को भी जीवित रखने का काम कर रही है।

मिस्टिक विलेज में आने वाले पर्यटकों को गद्दी समुदाय के पारंपरिक जीवन, पहनावे, खान-पान और लोक संस्कृति से करीब से परिचित कराया जाता है। यहां आयोजित लोक नृत्य, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम हिमाचल की समृद्ध परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत करते हैं। साथ ही, ग्रामीण परिवेश का वास्तविक अनुभव भी पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बना हुआ है। इस पहल की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2018 में इसे 'बेस्ट टूरिज्म विलेज अवार्ड्स' के तहत सिल्वर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जो इसकी लोकप्रियता और प्रभाव का प्रमाण है। मिस्टिक विलेज, खज्जियार केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को सहेजने और आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का एक प्रेरणादायक प्रयास है।

चंबा में चर्च में श्रद्धा से मनाया गुड फ्राइडे

अनंत ज्ञान

चंबा। ईसाई धर्म के सबसे महत्वपूर्ण पर्वों में से एक गुड फ्राइडे शुक्रवार को चंबा के ऐतिहासिक चर्च में गहरी आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग चर्च पहुंचे व प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को याद करते हुए विशेष प्रार्थनाएं अर्पित कीं।

पूरे वातावरण में शांति, श्रद्धा व आध्यात्मिकता का भाव स्पष्ट रूप से महसूस किया गया। गुड फ्राइडे, प्रभु यीशु मसीह के क्रूस पर चढ़ाए जाने (क्रूसिफिकेशन) की स्मृति में मनाया जाता है। यह दिन ईस्टर संडे से पहले आने वाले शुक्रवार को पड़ता है और ईसाई धर्म में इसे शोक, तपस्या और आत्मचिंतन के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि लगभग 2000 वर्ष पूर्व यरूशलेम में यीशु मसीह ने मानवता के पापों के प्रायश्चित के लिए अपना बलिदान दिया था। चंबा के इस ऐतिहासिक

चर्च में गुड फ्राइडे मनाते हुए। अनंत ज्ञान

चर्च में आयोजित विशेष प्रार्थना सभा में श्रद्धालुओं ने प्रभु यीशु के जीवन, उनके त्याग व प्रेम को याद किया। इस दौरान लोगों ने मौन रखकर और प्रार्थनाएं कर मानवता के कल्याण और शांति की कामना की। चर्च के इंचार्ज मेरिक ने इस अवसर पर कहा कि गुड फ्राइडे केवल एक पर्व नहीं, बल्कि त्याग व प्रेम का संदेश देने वाला दिन है। उन्होंने बताया कि प्रभु यीशु मसीह ने समस्त मानव जाति के पापों को अपने ऊपर लेकर क्रूस पर बलिदान दिया, जो मानवता के प्रति उनके असीम प्रेम को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस दिन ईसाई समुदाय के लोग शोक और प्रार्थना के माध्यम से आत्मचिंतन करते हैं और अपने पापों के लिए ईश्वर से क्षमा मांगते हैं। गुड फ्राइडे के अवसर पर चर्च में अनुशासन और श्रद्धा का विशेष ध्यान रखा गया। श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्वक प्रार्थनाओं में भाग लिया और प्रभु यीशु के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। यह पर्व न केवल ईसाई समुदाय के लिए, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेम, क्षमा और त्याग का संदेश लेकर आता है।

‘ **भलाई** से बढ़कर जीवन और, बुराई से बढ़कर मृत्यु नहीं है।
–आदिभट्ल नारायण दासु

संपादकीय

चुनौती सामाजिक संतुलन की

सड़क का मूल उद्देश्य लोगों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है। यह लोगों को उनके गंतव्यों तक पहुंचाने का माध्यम है, चाहे वे पैदल चल रहे हों या वाहन से यात्रा कर रहे हों। सड़कें व्यवस्थित और मुक्त होनी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के नेरवा क्षेत्र में हुई घटना इस सिद्धांत के विपरीत है, जिसमें एक विशेष समुदाय के कुछ लोगों ने सड़क पर बैठकर नमाज अदा की, जिससे आम लोगों में असमंजस और विरोध की स्थिति पैदा हो गई। यह मामला बेहद संवेदनशील है। यदि इसे सही समय पर नियंत्रित न किया गया होता, तो इसे उग्रता की ओर ले जाया जा सकता था।

पुलिस प्रशासन की सूझबूझ और तत्परता की वजह से स्थिति समय रहते नियंत्रण में लाई गई। वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ अन्य समुदाय के युवक सड़क पर नमाज अदा करने पर आपत्ति जताते हुए दिखाई दे रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में हिंदू समुदाय की संख्या सबसे अधिक है, जबकि विशेष समुदाय के लोग अपेक्षाकृत कम हैं। इस लिहाज से यह एक संभावित सांप्रदायिक टकराव का मामला बन सकता था। यह घटना हिमाचल में शायद पहली बार हुई है और इसके कारण स्थानीय लोगों में तनाव और असमंजस उत्पन्न हुआ।

सवाल उठता है कि क्या नेरवा क्षेत्र में विशेष समुदाय के लोगों के लिए नमाज अदा करने कोई उचित स्थान नहीं है, या वहां पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। पहले ऐसी घटनाएं सामने नहीं आई थीं, तो अचानक ऐसा क्यों हुआ ? इस मामले की जांच से ही वास्तविक कारण सामने आएगा। विशेष समुदाय के लोगों को चाहिए कि वे सार्वजनिक स्थलों पर बिना अनुमति नमाज अदा न करें, ताकि माहौल तनावपूर्ण न बने और किसी अप्रिय घटना की संभावना न बढ़े।

देश के कई हिस्सों, विशेषकर दिल्ली में भी इस प्रकार की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया है कि सार्वजनिक सड़कों पर नमाज अदा करना अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद यदि लोग इस निर्देश का पालन नहीं करते, तो यह स्थिति चिंता का विषय है। ऐसे मामलों को राजनीतिक या सांप्रदायिक रूप में तूल देना गलत है, क्योंकि इससे समाज में अस्थिरता फैल सकती है।

समस्या का समाधान संवाद और समझदारी से किया जाना चाहिए। दोनों समुदायों के लोगों को एक साथ बैठाकर शांतिपूर्ण बातचीत के माध्यम से मसला हल किया जाना चाहिए। इससे न केवल स्थिति नियंत्रित होगी, बल्कि भविष्य में ऐसे घटनाओं की संभावना भी कम होगी। इसके अलावा, प्रशासन और पुलिस को सतर्क रहना चाहिए ताकि किसी भी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न हो। शिमला के संजौली क्षेत्र में अवैध रूप से बनाई गई मस्जिद को उच्च न्यायालय के आदेश के बाद गिराने की कार्रवाई के समय भी स्थानीय माहौल अस्थिर हुआ था। सड़क पर नमाज अदा करने से ट्रैफिक बाधित होता है और आम नागरिकों के अधिकार प्रभावित होते हैं। ऐसे मामलों में पब्लिक ऑर्डर, सेफ्टी और कानून का पालन सर्वोपरि होना चाहिए। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत हर व्यक्ति को धर्म मानने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता है, लेकिन यह स्वतंत्रता सीमित है और सार्वजनिक व्यवस्था तथा दूसरे नागरिकों के अधिकारों के अधीन होती है। जब कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थल पर बिना अनुमति अपने धर्म का पालन करता है, तो यह न केवल कानून के खिलाफ है, बल्कि अन्य लोगों के अधिकारों का उल्लंघन भी है।

इस घटना के दौरान वीडियो में कुछ लोगों ने ‘भारत माता की जय’ के नारे लगाए, जो स्थिति को और भी संवेदनशील बना सकता था। ऐसे समय में नारेबाजी और उग्र भाषा माहौल को और बिगाड़ सकती है। इसलिए, ऐसे मामलों में संयम, समझदारी और कानून का पालन सबसे जरूरी है। विशेष समुदाय के लोगों को चाहिए कि वे अपने धार्मिक कार्यों के लिए निर्धारित और कानूनी स्थानों का प्रयोग करें। यदि जगह की कमी है, तो प्रशासन को इसे सुनिश्चित करना चाहिए और समुदायों के बीच समन्वय स्थापित करना चाहिए। इससे न केवल धर्म का पालन सुरक्षित रूप से हो सकेगा, बल्कि आम लोगों की सुविधा भी बाधित नहीं होगी।

सामाजिक दृष्टिकोण से भी यह जरूरी है कि हम आपसी सम्मान और सहिष्णुता के आधार पर जीवन जीने की आदत डालें। किसी भी समुदाय की धार्मिक गतिविधियों के कारण दूसरे समुदाय के लोगों के अधिकारों का उल्लंघन न हो। प्रशासन, समुदाय और नागरिकों के सहयोग से ही ऐसे मामलों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है। मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे मामलों को तूल देने से बचना चाहिए। ■

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

आज की प्रमुख हस्ती

हिंदी जगत के कवि, लेखक, पत्रकार

माखन लाल चतुर्वेदी का जन्म 4 अप्रैल, 1889 को बावई, मध्य प्रदेश में हुआ। वे सरल भाषा और ओजपूर्ण भावनाओं के अनूठे हिंदी रचनाकार थे। उन्होंने हिंदी और संस्कृत का अध्ययन किया और स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया। बचपन में वे बीमारियों से प्रभावित रहे और परिवार राधावल्लभ संप्रदाय का अनुयायी था, जिससे उनके व्यक्तित्व में वैष्णव पद की झलक दिखाई देती थी। 15 वर्ष की आयु में उनका विवाह हुआ और इसके बाद उन्होंने अध्यापन कार्य शुरू किया। 1913 में उन्होंने ‘प्रभा’ पत्रिका का संपादन आरंभ किया और इस दौरान उनका परिचय गणेश शंकर विद्यार्थी से हुआ। 1918 में उन्होंने नाटक ‘कृष्णार्जुन युद्ध’ लिखा और 1919 में ‘कर्मवीर’ का प्रकाशन किया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान वे 1921 में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार भी हुए। उनके काव्य में राष्ट्रीय चेतना, भक्ति और प्रेम की प्रधानता थी। ‘हिमकिरीटिनी’, ‘साहित्य देवता’, ‘हिमतरंगिनी’ और ‘माता’ उनकी महत्वपूर्ण काव्य रचनाएं हैं।

माखन लाल चतुर्वेदी
जन्म : 4 अप्रैल, 1889
मृत्यु : 30 जनवरी, 1968

आरंभिक कविताओं में भक्तिपरक और राष्ट्रीय भाव स्पष्ट थे, जबकि परिणत काव्य में भावों की गहराई और मार्मिक अभिव्यक्ति देखने को मिलती है। स्वतंत्रता के बाद मध्य प्रदेश राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बनने का प्रस्ताव उन्हें मिला, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। माखन लाल चतुर्वेदी ने अपने काव्य में भारतीय समाज की संवेदनशीलताओं, राष्ट्रीय चेतना और मानवीय मूल्यों को उजागर किया। उनकी रचनाओं में प्रकृति चित्रण भी महत्वपूर्ण था। माखन लाल चतुर्वेदी का निधन 30 जनवरी, 1968 में हुआ और उनके योगदान ने हिंदी साहित्य, स्वतंत्रता संग्राम और भारतीय समाज में अमिट छाप छोड़ी। ■

कविता

कहती है बेटी

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

राकेश कुमार शास्त्री, साहित्य आचार्य
जवाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

मैं भी कोख से बाहर आना चाहती हूं, कहती बेटी भुजा पसार।
बेटों की तरह मुझे भी चाहिए, सबका प्यार दुलार।
बेटी की अनदेखी करता, क्यों ये निष्ठुर संसार।
सोच के देखो मेरे बिना, कैसे होगा घर संसार।
गर्भ से लेकर जवानी तक, लटक रही तलवार।
कहां जाऊं क्या करूं, मन में प्रश्न हजार।
बेटा बेटी एक समान, बेटों जैसे बेटी महान।
करती विनती बारंबार, नहीं बेटी बिन घर संसार।।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

अहंकार, शक्ति और युद्ध : वैश्विक राजनीति का बदलता चेहरा

डॉ. अशोक कुमार चौबे
पूर्व कृषि विज्ञानी, कृ.वि.वि. पालमपुर
मोबाइल. 8219389439

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

विश्व में कुछ देशों के राष्ट्राध्यक्षों का अहंकार और जिद पूरी दुनिया को आज एक ऐसे रास्ते पर ले जा रही है, जहां शांति बची नहीं है। सत्ता पर बैठे ये नेता उस शांति का जनता में उपदेश देते हैं, लेकिन वह देश में, समाज में नफरत का, जाति का, धर्म का शब्द बोलकर अशांति फैला रहे हैं। हर समाज, हर धर्म आपस में लड़ रहा है। महावीर के उपदेश को बताते हैं, परंतु महावीर के बताए रास्ते से इतर चल रहे हैं।

दरअसल, ये राष्ट्राध्यक्ष अपनी ताकत से नैतिक-अनैतिक में फर्क नहीं करते। वह बस यह बोलते हैं कि जो मैं कह रहा हूं, वही नैतिकता है। वह अपने कुछ मित्रों के साथ दुनिया के हर समाज, धर्म, उत्पाद, जगह पर अपना एकाधिकार जमाने के लिए लालायित हैं। चाहे वह किसी देश के खनिज पदार्थ हों, ऊर्जा हो, समुद्री या हवाई मार्ग हो। हर जगह उनकी ही तस्वीर हो, होर्डिंग हो, यही उनकी भूख है। इस भूख को मिटाने के लिए वह कुछ भी कर जाते हैं। यहां तक कि युद्ध भी कर रहे हैं। डराकर, टैरिफ लगाकर या एपस्टीन फाइल दिखाकर।

भारत में भी यही अमेरिका कर रहा है। टैरिफ और फोटो दोनों साथ-साथ चलाकर भारत को मजबूर कर रहा है। कृषि उत्पाद खरीदने को जीरो शुल्क पर। आज जो अमेरिका ईरान से इसराइल के साथ मिलकर लड़ रहा है, यह एक तरह का मानसिक दिवालियापन है। ईरान को आतंकी देश बताकर कह रहे हैं कि वह परमाणु बम बना रहा है और उससे अमेरिका और इसराइल को खतरा है। ईरान को मिटाना ही जरूरी है, क्योंकि उसके पास परमाणु बम है। यह झूठ बोलकर ईरान से युद्ध शुरू करके दुनिया की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने का एक सुनियोजित कुचक्र अमेरिका और इसराइल ने रचा, जिससे गरीब और तेजी से विकसित होने वाले देशों की विकास की गति रुक जाए और वह अमेरिका का समर्थक पिछलग्गू बनकर अमेरिका के उत्पाद को ही खरीदे, जिससे ‘अमेरिका प्रथम’ का जो नारा है वह साकार हो।

इसी तरह का कुछ नारा भारत में बारह सालों से चल रहा है- ‘मेक इन इंडिया’ पर बन कुछ नहीं रहा है। हम उत्पादक नहीं उपभोक्ता हैं। साथ में निर्माण की जगह हर तरह के तकनीकी यंत्रों को असेंबल करने वाले देश बन गए हैं। मैं यहां ईरान- इसराइल-अमेरिका के युद्ध पर बहुत कुछ नहीं कहना, लिखना चाहूंगा। कारण, इस युद्ध पर हर रोज लिखा जा रहा है, पर इस युद्ध का मकसद कुछ और ही है जो हम लोगों को या विश्व बिरादरी को समझ में नहीं आ रहा है। यह युद्ध एक तरह से अमेरिका-इसराइल विश्व को यह चेतावनी साफ तौर पर दे रहा है कि हम दोनों मिलकर उस देश का सब कुछ छीन लेंगे जिस देश की खनिज संपदा या अन्य जरूरी उत्पाद जो हमको पसंद है, ताकत से ले लेंगे। वेनेजुएला, इराक और खाड़ी के सभी देश एक उदाहरण हैं, जो अमेरिका के दबाव में रहते हैं। अमेरिका ही तेल गैस का दाम निश्चित करता है। अरब, कुबैत कभी भी तेल गैस का दाम नहीं तय करते हैं। यही एक अति उदंड लोगों का सामूहिक काम होता है जैसे गांव शहर में कुछ सत्ता में उदंड लोग हैं जो कमजोर की जमीन, मकान, फैक्ट्री कब्जा लेते हैं। आस-पड़ोस मौन रहता है, विरोध नहीं करता उसी तरह अमेरिका इसराइल कर रहा है और ईरान के पड़ोसी मौन हैं। ईरान अगर आज युद्द से बिखर रहा, टूट रहा है तो वर्षों बाद वह पुन: स्थापित हो जाएगा, पर पड़ोस जो आज मौन है वह कल इन्हीं दो उदंड राष्ट्राध्यक्षों के गुलाम बन जाएंगे। यह युद्ध भारत के साथ उन देशों को भी परेशान कर रहा है, जो ईरान और खाड़ी देशों से अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करते हैं। यदि अमेरिका और इसराइल ने इस क्षेत्र पर एकाधिकार कर लिया तो भारत को यह भी तय नहीं करने दिया जाएगा कि वह तेल और गैस किस कीमत पर खरीदे। बदले में कृषि बाजार खोलने जैसे दबाव बढ़ सकते हैं। अगर ईरान अमेरिका के दबाव में आता है, तो ऐसे हालात बनना संभव है। भारत फिलहाल तटस्थ और मौन भूमिका में है। समुद्री मार्ग से व्यापार जारी है और ईरान इसे रोक नहीं रहा है। भारत का ईरान से हजारों वर्षों पुराना संबंध है, वहीं इसराइल से तकनीकी सहयोग भी है। इस युद्ध को रोकने के लिए अब तक कोई ठोस पहल दिखाई नहीं देती। आम जनता के लिए सबसे बड़ा सवाल महंगाई, ऊर्जा और दवाइयों की कीमतें हैं, जिन पर इस संघर्ष का सीधा असर पड़ रहा है। इस युद्ध में अमेरिका की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। शुरुआत में उसने नाटो देशों से सलाह नहीं ली, लेकिन जब युद्ध लंबा खिंचा तो सहयोग मांगा, जिसे कई देशों ने अस्वीकार कर दिया। अमेरिका के भीतर भी विरोध बढ़ रहा है। हर देश अपने नागरिकों के लिए बेहतर जीवन चाहता है, लेकिन यह संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर रहा है। भारत के संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण मुद्दा पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद है। यह विश्व स्तर पर स्वीकार किया गया तथ्य है, फिर भी इसके खिलाफ वैसी सख्त कार्रवाई नहीं होती जैसी अन्य देशों के मामलों में होती है। अमेरिका की नीति यहां दोहरी दिखाई देती है-एक ओर वह आतंकवाद के खिलाफ बात करता है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को सैन्य सहयोग भी मिलता रहा है।

एक महीने से अधिक समय से चल रहे इस युद्ध में इसराइल और ईरान दोनों को नुकसान हो रहा है, और वैश्विक महंगाई बढ़ रही है। भविष्य में वैश्विक राजनीति में बदलाव तय है। देश अब अपने हितों के आधार पर संबंध बनाएंगे और किसी एक महाशक्ति पर निर्भरता कम करने की कोशिश करेंगे। यह भी देखना होगा कि युद्ध के बाद अमेरिका अपने खर्च की भरपाई कैसे करता है। क्या वह अन्य देशों पर आर्थिक दबाव बनाएगा, यह समय ही बताएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

माता-पिता की सेवा सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल

वीरेन ठाकुर
गांव भैला, तहसील लडभड़ोल, जिला मंडी (हि.प्र.) मो. 9418302308

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

संसार का सबसे बड़ा कर्तव्य माता-पिता की सेवा करना है क्योंकि माता-पिता को संसार में ईश्वर का रूप माना गया है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए तेलंगाना विधानसभा ने हाल ही में एक ऐतिहासिक विधेयक पारित किया है, जिसके तहत अपने माता-पिता की उपेक्षा करने वाले कर्मचारियों के वेतन में कटौती की जाएगी। यह एक साहसी फैसला माना जा रहा है।

विधानसभा ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ‘तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक, 2026’ पारित किया। विधेयक के बारे में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि देश में पहले से ही एक राष्ट्रीय कानून माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 मौजूद है। हालांकि, राज्य के नए विधेयक में जन प्रतिनिधियों और निजी कर्मचारियों को भी शामिल किया जाएगा। इस विधेयक के मुख्य बिंदु के अनुसार, जन प्रतिनिधियों, सरकारी कर्मचारियों और निजी कर्मचारियों के लिए अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करना अनिवार्य है। अनुपालन न करने पर वेतन का 15 फीसद या 10,000 रुपए, जो भी कम हो, माता-पिता को देय राशि के रूप में कटौती की जाएगी।

इस विधेयक का उद्देश्य लोगों में नैतिक मूल्यों का संचार करना है, यदि कोई अपने माता-पिता की उपेक्षा करता है, तो उन्हें कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे उनकी देखभाल करें। भाजपा समेत अन्य दलों ने भी इस विधेयक का समर्थन किया है। इस तरह से इस विधेयक को लोगों का भी अपार समर्थन मिल रहा है।

इस विधेयक के तहत बच्चों के द्वारा भरण-पोषण नहीं किए जाने पर वरिष्ठ नागरिक जिला कलेक्टर के समक्ष आवेदन दाखिल कर सकेंगे। यह कानून विधायकों और सांसदों के साथ-साथ मनोनीत सदस्यों और स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार इस विधेयक का दायरा व्यापक माना जा रहा है। रेड्डी ने कहा, यह विधेयक इसलिए पेश किया गया क्योंकि आश्रित माता-पिता भारतीय परिवार प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं। इस विधेयक का सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक कर्मचारी समाज में एक आदर्श प्रस्तुत करे। कलेक्टर को मामलों के निपटारे के लिए नामित प्राधिकारी बनाया जाएगा। शिकायतकर्ताओं को अपने हिस्से के बंटवारे की मांग के कारण बताने होंगे और उनसे अपनी सभी आय के स्रोतों का विवरण मांगा जाएगा। जिला कलेक्टर के समक्ष शिकायत प्रस्तुत किए जाने के बाद 60 दिनों के भीतर उसका निपटारा करना होगा। इस दौरान माता-पिता और कर्मचारी दोनों को सुनवाई का अवसर मिलेगा। सुनवाई के बाद कटौती की जाने वाली राशि निर्दिष्ट करते हुए आदेश जारी किया जाएगा। तो ये कहा जा सकता है कि जिला कलेक्टर की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो जाती है।

विधेयक के अनुसार, माता-पिता को सीधा लाभ देने की व्यवस्था की गई है। कटौती की गई राशि सीधे उनके बैंक खाते में जमा होगी। इसमें जैविक के साथ-साथ सौतेले माता-पिता को भी शामिल किया गया है, जिससे उपेक्षित माता-पिता का जीवन-यापन सरल हो सके।

साथ ही, कलेक्टर के आदेशों के विरुद्ध वरिष्ठ नागरिक आयोग के गठन का प्रस्ताव है, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे। आयोग को जांच, गवाह तलब करने और जुर्माना लगाने जैसी अर्ध-न्यायिक शक्तियां दी जाएंगी। यह व्यवस्था विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन को मजबूत बनाती है और अन्य राज्यों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत करती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

एसिड अटैक : समाज पर काला धब्बा और कानून के सामने चुनौती

अभिषेक कुमार
स्वतंत्र लेखक, ऊना, हिमाचल प्रदेश
मोबाइल. 8544762035

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

एसिड अटैक किसी एक चेहरे पर नहीं, बल्कि उस पूरे समाज पर काला धब्बा है जो संवेदनशीलता और सभ्यता का दावा करता है, लेकिन आज भी महिलाएं और लड़कियां इस अमानवीय क्रूरता का शिकार हो रही हैं, जो हमारे संवेदनशील समाज और कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है ?

इस हैवानियत का अंदाजा हाल ही में जारी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट से लगाया जा सकता है। वर्ष 2023 में भारत में 207 एसिड हमले दर्ज किए गए, जबकि वर्ष 2022 में यह संख्या 202 थी। यह आंकड़े बताते हैं कि सख्त कानून होने के बावजूद इस तरह की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। हाल के वर्षों में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन पर एक वर्ष पूर्व मां-बेटी पर हुआ तेजाब हमला बेहद भयावह था। इस हमले में 12 वर्षीय बच्ची की एक आंख की रोशनी चली गई, जबकि दूसरी आंख से भी उसे बहुत कम दिखाई देता है। इसी तरह अहिल्यानगर में एक अज्ञात व्यक्ति ने 13 वर्षीय लड़की के चेहरे पर तेजाब फेंक दिया, जिससे उसका शरीर लगभग 7 प्रतिशत तक बुरी तरह झुलस गया।

ऐसी न जाने कितनी घटनाएं हमारे तथाकथित सभ्य समाज पर एक काला धब्बा हैं। यह प्रश्न आज भी हमारे सामने खड़ा है कि हम इन घटनाओं को क्यों नहीं रोक पा रहे है-आखिर कब तक और कितने चेहरे यूं ही झुलसते रहेंगे ?

प्रतिशोध के भय और सामाजिक दबाव के कारण कई मामले दर्ज ही नहीं हो पाते, जिससे वास्तविक संख्या इससे भी अधिक हो सकती है। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है कि सख्त कानून होने के बावजूद भी ऐसी घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। इसके पीछे मुख्य कारण एकतरफा प्रेम, बदले की भावना, कानून का सही तरीके से पालन न होना और एसिड तक आसान पहुंच जैसे कई कारण जिम्मेदार हैं।

भारतीय न्याय संहिता की धारा 124 के अंतर्गत एसिड हमले को एक विशिष्ट और गंभीर अपराध की श्रेणी में रखा गया है। इस धारा के तहत दोषी को न्यूनतम 10 वर्ष के कारावास से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। साथ ही अदालत अपराधी पर ऐसा न्यायसंगत जुर्माना भी लगा सकती है, जिससे पीड़ित के उपचार और पुनर्वास का खर्च पूरा किया जा सके। इसके अतिरिक्त विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत एसिड हमले के पीड़ितों और उनके उत्तराधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर नि:शुल्क विधिक सहायता, परामर्श और सहयोग प्रदान करने का प्रावधान है, ताकि पीड़ित न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करें।

इसके साथ ही सरकार को पीड़ितों के उपचार, पुनर्वास और शिक्षा की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि वे सम्मान के साथ अपना जीवन जी सकें। एसिड अटैक जैसी जघन्य घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए देश स्तर पर एक विशेष बोर्ड या उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाना आवश्यक है। साथ ही प्रत्येक राज्य में भी राज्य स्तरीय समितियां बनाई जाएं, जो ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें और पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति (2013) की सिफारिशों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए।

समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता विकसित करना अब समय की सबसे बड़ी जरूरत है। तभी हम अमानवीय अपराधों पर रोक लगा सकते हैं और माताओं, बहनों व बेटियों को भयमुक्त कर सुरक्षित समाज की ओर बढ़ा सकते हैं। कड़े कानूनों के साथ समाज की सोच में बदलाव भी जरूरी है, वरना ऐसे दर्द और भय झेलने वाले लोग बढ़ते रहेंगे, और जिम्मेदार सिर्फ अपराधी ही नहीं, बल्कि मौन समाज भी होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिमाचल प्रदेश पंचायत चुनाव और जिम्मेदार मतदान का महत्व

ठाकुर हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक, सिरमौर
मोबाइल. 8219386300

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

जैसा कि हम सभी जानते हैं, कुछ ही समय बाद हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव प्रस्तावित हैं। इन चुनावों में ग्रामीण स्तर पर कई क्षेत्रों में आपसी विरोधाभास और मनमुटाव देखने को मिलते हैं, जो रिश्तों और भाईचारे में तनाव पैदा करते हैं, जबकि आज के जागरूक और शिक्षित समाज में इस प्रकार की स्थिति नहीं बननी चाहिए।

पंचायत चुनावों में हमें ऐसे उम्मीदवारों का चयन करना चाहिए जो शिक्षित, अनुभवी, जागरूक, जन हितैषी और ईमानदार हों। इसका प्रयास होना चाहिए कि योग्य उम्मीदवार सहयोग और समझदारी से निर्विरोध चुने जाएं।

यदि पंचायत का चयन इस प्रकार किया जाए कि योग्य उम्मीदवार निर्विरोध प्रधान बनें, तो सरकार की ओर से पंचायत के विकास के लिए दस लाख रुपए की अतिरिक्त धनराशि भी मिलती है, लेकिन दशकों से देखा गया है कि कई उम्मीदवार चुनाव जीतने के लिए शराब, पैसे और अन्य प्रभाव का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे प्रधान जीतने के बाद विकास के बजाय भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं। यही कारण है कि जनता को प्रभावित करने वाले गलत तरीके अपनाने वाले प्रधान पंचायत के लिए हानिकारक साबित होते हैं।

युवा वर्ग और शिक्षित मतदाताओं से विशेष अपील है कि वे ऐसे उम्मीदवार को चुनें जो निजी स्वार्थ और राजनीति से ऊपर उठकर जनहित में कार्य करने की इच्छा रखते हों।

ऐसे प्रधान गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए विशेष प्रयास करें और अपने पंचायत को विकास की दिशा में अग्रसर करें। अतीत में कई ऐसे प्रधान हुए जिन्होंने निस्वार्थ सेवा और विकास कार्यों के माध्यम से जनता में लोकप्रियता हासिल की और आज भी उनका आदर-सम्मान किया जाता है। वर्तमान पंचायत चुनाव में भी यह आवश्यक है कि मतदाता केवल ऐसे उम्मीदवार का चयन करें जिनमें सेवा भावना, अनुभव, जागरूकता और ईमानदारी हो।

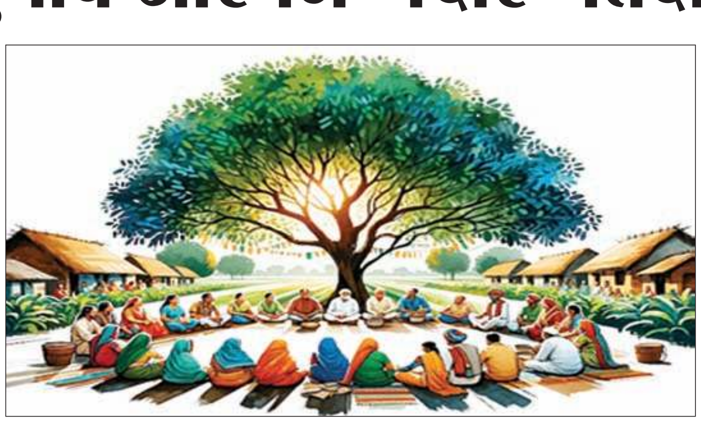

चंद पैसों और लालसा में अपने कीमती मत का सौदा न करें। पूर्व के कई प्रधान भ्रष्टाचार के कारण निलंबित हुए हैं, जो समाज के लिए लज्जाजनक और दुखदायी रहा। इसलिए अपने मतदान का सही उपयोग करना और सोच-समझकर ऐसा जनप्रतिनिधि चुनना जरूरी है जो पंचायत के विकास और समाज की भलाई में योगदान दे। मीडिया और जागरूकता अभियानों के माध्यम से यह संदेश सभी मतदाताओं तक पहुंचाना आवश्यक है। इसके माध्यम से सुनिश्चित किया जा सकता है कि भविष्य में पंचायत चुनावों में केवल योग्य, निस्वार्थ और ईमानदार उम्मीदवार ही प्रधान बनें।

ऐसा होने से पंचायत का समग्र विकास सुनिश्चित होगा और ग्रामीण समाज में भाईचारा, सहयोग और विश्वास की भावना मजबूत होगी। समय की मांग है कि हर नागरिक अपने कर्तव्य का पालन करे और ऐसे उम्मीदवार को चुने जो पंचायत को भ्रष्टाचार और निजी स्वार्थ से दूर रखते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीब और जरूरतमंद लोगों के कल्याण के लिए कार्य करे।

जागरूक और जिम्मेदार मतदान समाज में स्थायी बदलाव और सकारात्मक विकास की नींव रखेगा। इस प्रकार, हर मतदाता का सोच-समझकर और विवेकपूर्ण मतदान समाज और पंचायत के भविष्य को उज्जवल बनाने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

हमीरपुर ने जीती लाला परमानंद वॉलीबॉल प्रतियोगिता

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट के बरच्छवाड़ में पीएनबी मेटलाइफ के सौजन्य से राजकीय मिडल स्कूल बरच्छवाड़ के खेल मैदान में युवक मंडल बरच्छवाड़ द्वारा लाला परमानंद मेमोरियल वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 12 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में हमीरपुर ने ऊना को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया। विजेता टीम को 21 हजार रुपए और उपविजेता टीम को 15 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। मैन ऑफ द सीरीज ऊना के कार्तिक व मैन ऑफ द मैच हमीरपुर के अभय को मिला। समापन अवसर पर सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य गुरुदत्त शर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की और विजेताओं को ट्रॉफी व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेलों से भाईचारा बढ़ता है और खिलाड़ियों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है। आयोजक समिति के सदस्य जितेंद्र सिंह, जैम, जय किशन, अनु, विजय आदि ने सहयोग करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया।

ऊकड़ू व योग प्रतियोगिता में 5 प्रतिभागी बने विजेता

अनंत ज्ञान, रिवालसर। हनुमान जन्मोत्सव पर गांव गद्दवाहन में ओम श्री शक्ति मां समिति द्वारा भव्य खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को स्थानीय स्तर पर ऊकडू खेल एवं योग प्रतियोगिता के रूप में जाना जाता है। गद्दवाहन सहित आसपास के कई गांवों के 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता करीब 6 घंटे तक चली, लेकिन लंबे समय तक कोई स्पष्ट विजेता न निकलने पर आयोजकों ने 5 प्रतिभागियों को संयुक्त विजेता घोषित किया। सम्मान समारोह में मुख्यातिथि सेवानिवृत्त कैप्टन पदम नाथ शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने विजेताओं को प्रोत्साहन राशि, मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता की मुख्य ट्रॉफी कुमारी चंद्रेश शर्मा को दी गई, जो सभी प्रतिभागियों में सबसे कम उम्र की प्रतिभागी थीं, उनकी इस उपलब्धि ने सभी को प्रेरित किया।

तरोट बस अड्डे पर चरस समेत युवक दबोचा

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। किरतपुर-मनाली फोरलेन पर पुलिस थाना धनोटू की टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक युवक को चरस और नकदी सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय केनेथ डैनियल निवासी वाशी, नवी मुंबई (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार टीम तरोट बस स्टैंड के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान संदेह के आधार पर युवक की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 299 ग्राम चरस और 40 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। मामले में पुलिस थाना सुंदरनगर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एसपी मंडी विनोद कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर नियमानुसार न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

कलहाणी में कार हादसे में तीन घायल

अनंत ज्ञान, पंडोह। मंडी जिले में कलहाणी सड़क मार्ग पर एक कार हादसे में तीन लोग घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा गिरा, जिससे उसमें सवार तीनों व्यक्ति घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और घायलों को संभाला। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस सेवा की पंडोह यूनिट मौके पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल के लिए रवाना किया। बताया जा रहा है कि घायलों की हालत फिलहाल स्थिर है, हालांकि चिकित्सकों द्वारा उनकी जांच जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क का संकरा हिस्सा और मोड़ हादसे की एक वजह हो सकते हैं। हालांकि, वास्तविक कारणों का खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि पहाड़ी मार्गों पर सावधानीपूर्वक और नियंत्रित गति से वाहन चलाएं, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

बालीचौकी में अवैध अफीम के 15,855 पौधे किए नष्ट

अनंत ज्ञान, बालीचौकी। मंडी जिले के बालीचौकी क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 15,855 अफीम के पौधों को नष्ट कर दिया। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र के कुछ ग्रामीणों द्वारा चोरी-छिपे अफीम की खेती की जा रही है। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की और खेतों में उगाई गई फसल को मौके पर ही नष्ट कर दिया।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने अफीम के पौधों के सैंपल भी एकत्र किए, जिन्हें आगे की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी करवाई गई, ताकि सबूत सुरक्षित रखे जा सकें। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अवैध खेती जैसी गतिविधियों से दूर रहें, अन्यथा कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सरकीधार भिक्षुणी हत्याकांड के मंडी पुलिस ने दबोचे 3 आरोपी

लूट के इरादे से की गई थी हत्या, चंडीगढ़ तक खंगाले सुराग

अनंत ज्ञान

अनिल शर्मा, मंडी। मंडी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी विनोद कुमार ने सरकीधार भिक्षुणी हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया कि बल्ह थाना क्षेत्र के तहत रिवालसर के सरकीधार गांव में 2 मार्च को हुई करीब 80 वर्षीय तिब्बती मूल की बौद्ध भिक्षुणी की हत्या लूट के इरादे से की गई थी। इस जघन्य ब्लाइंड मर्डर केस में पुलिस ने सूक्ष्म तकनीकी जांच, मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग और साक्ष्यों के वैज्ञानिक विश्लेषण के दम पर तीन आरोपियों गगन शर्मा, गौरव शर्मा और विशाल को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते एसपी व एएसपी मंडी।

आरोपियों को क्रमशः कुल्लू के कसोल, उनके घर तथा बल्ह क्षेत्र से दबोचा गया और वारदात में प्रयुक्त वाहन को भी कब्जे में लिया गया है। एसपी ने बताया कि घटना को तेजधार हथियार से अंजाम दिया गया, जिसकी बरामदगी अभी शेष है और इसके लिए पुलिस टीमें लगातार प्रयासरत हैं। जांच के दौरान पुलिस टीमें चंडीगढ़, मोहाली, बिलासपुर और कुल्लू तक पहुंचीं, जहां से अहम सुराग जुटाए गए और इसी आधार पर केस की परतें खुलती चली गईं।

उन्होंने बताया कि मृतका भिक्षुणी के पास चढ़ावे के रूप में अच्छी-खासी नकदी, सोना-चांदी के आभूषण और विभिन्न बैंकों में जमा एफडी से संबंधित दस्तावेज मौजूद थे, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी लूट के इरादे से वहां पहुंचे थे और वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस की सतत निगरानी, डंप डाटा विश्लेषण और करीब 50 से अधिक लोगों से पूछताछ के बाद आरोपियों तक पहुंच बनाना संभव हुआ।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाएगा, ताकि हत्या के पीछे के पूरे घटनाक्रम, हथियार और अन्य पहलुओं का खुलासा किया जा सके। मंडी पुलिस की इस तेज, पेशेवर और सटीक कार्रवाई से न केवल एक जघन्य हत्या की गुत्थी सुलझी है, बल्कि आमजन में कानून व्यवस्था के प्रति भरोसा भी और मजबूत हुआ है।

कलहाणी में सांड के हमले से व्यक्ति घायल

अनंत ज्ञान, पंडोह। मंडी जिले के कलहाणी क्षेत्र में एक व्यक्ति सांड के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, व्यक्ति अपने काम से जा रहा था कि अचानक एक उग्र सांड ने उस पर हमला कर दिया। सांड के जोरदार वार से वह जमीन पर गिर गया और उसके सिर में गहरी चोट लग गई, जिससे वह लहूलुहान हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल को संभाला और प्राथमिक सहायता दी।

घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस सेवा की कलहाणी यूनिट मौके पर पहुंची और घायल को प्राथमिक उपचार देने के बाद तुरंत मंडी अस्पताल के लिए रवाना किया। चिकित्सकों के अनुसार घायल की स्थिति पर नजर रखी जा रही है और उसका इलाज जारी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में बेसहारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे इस तरह की घटनाओं का खतरा बना रहता है। उन्होंने प्रशासन से इस समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। वहीं, प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और ऐसे पशुओं से दूरी बनाए रखने की अपील की है।

कुलदीप गुलेरिया को 'हिमाचल गौरव सम्मान' से नवाजा

कुलदीप गुलेरिया को सम्मानित करते अनुराग ठाकुर। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

◆ हिमाचल मित्र मंडल दिल्ली के 20वें वार्षिक समारोह में मिला सम्मान

ब्यूरो, मंडी। राजधानी दिल्ली के नजफगढ़ स्थित साईं गार्डन प्रांगण में आयोजित हिमाचल मित्र मंडल दिल्ली के 20वें वार्षिक समारोह में मंडी की सांस्कृतिक धरोहर को नई पहचान दिलाने वाले प्रख्यात रंग एवं संस्कृति कर्मी कुलदीप गुलेरिया को 'हिमाचल गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि लोकसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं नकद पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया। हिमाचल मित्र मंडल दिल्ली के मुख्य संस्थापक किशोरी लाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में पत्रकारिता, शिक्षा, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को हिमाचल रत्न एवं हिमाचल गौरव सम्मान प्रदान किए गए। जिला मंडी के बल्ह क्षेत्र के लुणापाणी/अरठी गांव के निवासी एवं मांडव्य कला मंच के संस्थापक कुलदीप गुलेरिया पिछले लगभग 39 वर्षों से हिमाचली लोक संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय हैं और लुड्डी नृत्य, बुढड़ा नृत्य, लोकनाट्य बांठड़ा सहित कई पारंपरिक कलाओं को पुनर्जीवित कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

9वीं कक्षा प्रवेश के लिए पांच अप्रैल को प्रदेशभर में परीक्षा

अनंत ज्ञान, रूपी ठाकुर, बरोट। साईं इंटरनल फाउंडेशन के तत्वाधान में हिमालियां फॉर ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट धर्मपुर जिला मंडी द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए डॉक्टर विजय मैमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल धर्मपुर में 9वीं कक्षा में प्रवेश हेतु रविवार 5 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक लाहौल-स्पीति को छोड़कर अन्य सभी जिला मुख्यालयों पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। फाउंडेशन के सदस्य ने बताया कि केवल वे विद्यार्थी पात्र होंगे जिन्होंने 9वीं कक्षा उत्तीर्ण की है और जिनके परिवार की वार्षिक आय सभी स्रोतों से 4 लाख 25 हजार रुपए से अधिक नहीं है। सीमित सीटों पर लड़के और लड़कियों का चयन योग्यता के आधार पर परीक्षा पास करने पर किया जाएगा, जबकि निम्न आय वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को वरीयता दी जा सकती है। चयनित विद्यार्थियों को पूर्णतः निशुल्क शिक्षा दी जाएगी, जिसमें छात्रावास, वर्दी, किताबें और भोजन शामिल हैं तथा किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। परीक्षा केंद्रों में चंबा के बाल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मोहल्ला सपरी, मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला तीसा, विद्यालय सलूनी, बिलासपुर के शहीद अश्वनी स्मारक पाठशाला झंडूता, सिरमौर के पाठशाला शिलाई व ददाहू, ऊना, करसोग, मंडी के बरोट, जयसिंहपुर, सोलन के अर्की, शिमला के चिड़गांव, तकलेच व कुमारसैन, किन्नौर के रिकांगपिओ तथा कुल्लू के बशौणी व ढालपुर शामिल हैं।

बरच्छवाड़ नलवाड़ मेला संपन्न

नशा मुक्त समाज पर विधायक ने युवाओं को किया प्रेरित

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट के बरच्छवाड़ में आयोजित सात दिवसीय पारंपरिक नलवाड़ मेला विधिवत रूप से संपन्न हो गया। समापन समारोह में धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। मेले के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

समापन समारोह में पहुंचे विधायक चंद्रशेखर ठाकुर। अनंत ज्ञान

इस अवसर पर बच्चों के फैशन शो, एंटी चिट्टा विषय पर महिला मंडलों की प्रस्तुतियां, पेंटिंग प्रतियोगिता, 'वाइस ऑफ सरकाघाट', महिलाओं की रस्साकस्सी, मटकी फोड़ एवं म्यूजिकल चेयर जैसी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्यातिथि द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त मेले के सफल आयोजन में योगदान देने वाले आयोजकों को भी सम्मानित किया गया। विधायक चंद्रशेखर ने मेले के सफल आयोजन के लिए आयोजकों, सहयोगियों एवं क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

विधायक ने युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि शिक्षा, खेलकूद एवं सामाजिक गतिविधियों की ओर युवाओं को प्रेरित करना सभी की जिम्मेदारी है, ताकि समाज को नशा मुक्त बनाया जा सके और एक स्वस्थ व सशक्त समाज का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार हो रहा है। इस अवसर पर एसडीएम सरकाघाट राजेंद्र कुमार गौतम, बीडीओ कार्तिकेय डोगरा, डॉ. राजेश जस्वाल, डॉ. प्रेमलता, जीवन लाल गुप्ता, गुरदत शर्मा, प्रेम सागर, पूर्व प्रधान निशा कुमारी, मुनीष शर्मा, राकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

बरच्छवाड़ मेले की अंतिम संध्या में सजी सुरों की महफिल

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। नलवाड़ मेला बरच्छवाड़ की अंतिम सांस्कृतिक संध्या उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। युवक मंडल बरच्छवाड़ ने उनका पारंपरिक स्वागत कर शॉल, टोपी और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'वॉइस ऑफ पंजाब' से प्रसिद्ध गायक गौरव कौंडल की प्रस्तुति रहे। उन्होंने अपने शानदार गायन से माहौल को संगीतमय बना दिया और दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इससे पहले गुंजन, प्रकृति, विवेक, अखिलेश, मीनाक्षी और हेजो हाजरी ने भी अपनी प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मनोरंजन किया। अंतिम सांस्कृतिक संध्या में क्षेत्र के लोगों की भारी भीड़ उमड़ी और सभी ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। आयोजन के सफल संचालन के लिए स्थानीय समिति और सहयोगी संस्थाओं की सराहना की गई।

दिनेश ने जीती नलवाड़ मेला मैराथन

विजेताओं को सम्मानित करते हुए मुख्यतिथि चंद्रशेखर। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। नलवाड़ मेला बरच्छवाड़ में पुलिस विभाग द्वारा एंटी चिट्टा, नशा निवारण और तंबाकू निषेध के प्रति जागरूकता के लिए मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 100 प्रतिभागियों ने विभिन्न आयु वर्गों में भाग लिया। कार्यक्रम में धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे और विजेताओं को सम्मानित किया।

पुरुष वर्ग की 10 किलोमीटर दौड़ में दिनेश प्रथम, साहिल द्वितीय और रोहित तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग की 5 किलोमीटर दौड़ में एंजल शर्मा ने पहला, रक्षा त्यागी ने दूसरा और आकांक्षा ने तीसरा स्थान हासिल किया। अंडर-14 लड़कियों की 3 किलोमीटर दौड़ में कनल शर्मा प्रथम, काजल द्वितीय और राधा ठाकुर तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं, लड़कों की इसी वर्ग में आदित्य प्रथम, दिव्यांश द्वितीय और रितुराज तृतीय स्थान पर रहे। सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व डीएसपी सरकाघाट संजीव गौतम ने रविंद्रनाथ टैगोर राजकीय महाविद्यालय से हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एएसएचओ रजनीश ठाकुर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पधर में वरिष्ठ नागरिकों की संयुक्त बैठक 7 अप्रैल को

अनंत ज्ञान, पधर, कविता। वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद पधर इकाई तथा हिम आंचल पेंशनर्ज संघ, खंड द्रंग (पधर) की संयुक्त बैठक आगामी 7 अप्रैल, मंगलवार को आयोजित की जाएगी। यह बैठक प्रातः 11 बजे सामुदायिक भवन पधर में संपन्न होगी। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रधान बेसर राम ठाकुर करेंगे। बैठक में संघ की पिछली बैठकों के आय-व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा तथा उसकी समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तावित विभिन्न एजेंडों पर भी विचार-विमर्श कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है। प्रेस सचिव गोकल चंद ने जानकारी देते हुए क्षेत्र के सभी पेंशनरों से आग्रह किया है कि वे समय पर बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं विचार साझा करें, ताकि संगठन को और अधिक मजबूत व प्रभावी बनाया जा सके।

◆ आय-व्यय और नए एजेंडे पर होगी चर्चा

धर्मपुर एफपीओ की बैठक में हल्दी उत्पाद को राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की योजना

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। किसान उत्पादक सहकारी सभा धर्मपुर (एफपीओ) के कार्य समूह की बैठक धर्मपुर में सत्तपाल सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें नए वित्त वर्ष के लिए व्यवसायिक योजना तैयार की गई। योजना के तहत धर्मपुर खंड में जैविक हल्दी पाउडर का बड़े स्तर पर उत्पादन कर उसकी बिक्री बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला जैसे शहरी बाजारों में उत्पाद की मार्केटिंग को प्राथमिकता दी जाएगी।

बैठक करते हुए सत्तपाल सिंह व अन्य। अनंत ज्ञान

एफपीओ द्वारा तैयार हल्दी पाउडर प्राकृतिक और जैविक तरीके से बनाया जा रहा है, जिसकी मांग शहरी क्षेत्रों में अधिक है। इस दिशा में संस्था सीबीबीओ मार्गदर्शक कंपनी, दिल्ली के सहयोग से विभिन्न कंपनियों से समझौते करेगी। हल्दी पाउडर निर्माण के लिए लघु उद्योग भी स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए भारत सरकार की योजनाओं के तहत अनुदान आधारित ऋण स्वीकृत हो चुका है। यह उद्योग जल्द शुरू होने की संभावना है। चौहान ने बताया कि एफपीओ ने 2000 से अधिक शेयरधारकों को जोड़कर प्रदेश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है और अब किसानों की आय बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। बैठक में अप्रैल अंत में जनरल हाउस आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में सचिव भूपेंद्र सिंह, रूप चंद गुलेरिया, सुरेश ठाकुर, खेम राज सकलानी, डॉ. कुलदीप गुलेरिया, रजनी सकलानी, कमला ठाकुर, रमेश बराड़ी आदि उपस्थित रहे।

5 साल बेमिसाल | हर वार्ड तक पहुंची सुविधाएं, स्वच्छता, पेयजल, शिक्षा पर खास जोर

टिहरा पंचायत में 6.50 करोड़ के हुए विकास कार्य

अनंत ज्ञान

धर्मपुर। धर्मपुर उपमंडल की ग्राम पंचायत टिहरा में पिछले पांच वर्षों के दौरान करीब 6 करोड़ 50 लाख रुपए के विकास कार्य करवाकर पंचायत ने विकास की नई मिसाल पेश की है। पंचायत प्रधान अंजू रांगड़ा ने बताया कि इस अवधि में पंचायत प्रतिनिधियों, कर्मचारियों और वार्ड मेंबरों के सहयोग से प्रत्येक वार्ड और अधिकतम परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

टिहरा पंचायत में हुए विभिन्न विकास कार्य। अनंत ज्ञान

उन्होंने कहा कि यदि किसी परिवार का कार्य शेष रह गया है तो उसे आगामी समय में प्राथमिकता दी जाएगी। पंचायत में सकोहा और मन्योह वार्ड में मोक्ष धामों का निर्माण कराया गया, जबकि मन्योह में बच्चों के लिए चिल्ड्रन पार्क और वर्षा से बचाव के लिए वर्षाशेल्टर का निर्माण भी किया गया। स्वच्छता को बढ़ावा देते हुए सकोह मंदिर, टिहरा दुली महिला मंडल, शिव मंदिर टिहरा, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल टिहरा (लड़कों व लड़कियों के लिए अलग शौचालय) तथा प्राथमिक पाठशाला में शौचालयों का निर्माण करवाया गया। इसी स्कूल में सांसद निधि से जिम स्थापित कर विद्यार्थियों की शारीरिक दक्षता बढ़ाने की पहल की गई है। पंचायत में स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए सातों वार्डों में घर-घर डस्टबिन वितरित किए गए, जबकि सकोहा, लांबरी, टिहरा और छुहड़ा में ठंडे पानी के कूलर स्थापित किए गए। लग्यार में महिला मंडल भवन का निर्माण भी किया गया है। सांसद निधि से छुहड़ा और टिहरा वार्ड में स्ट्रीट लाइटें लगाई गईं।

वहीं सकोहा, छुहड़ा और मन्योह में पेयजल टैंकों का निर्माण कर जल आपूर्ति को सुदृढ़ किया गया। भारी बारिश से प्रभावित रास्तों की मरम्मत के लिए डंगे लगाकर मार्गों को सुरक्षित बनाया गया और सार्वजनिक स्थानों पर बैठने के लिए बेंच भी स्थापित किए गए। पंचायत प्रधान अंजू रांगड़ा ने इन कार्यों में सहयोग के लिए उपप्रधान, वार्ड मेंबरों, पंचायत कर्मचारियों और स्थानीय लोगों का आभार जताते हुए कहा कि भविष्य में भी विकास कार्यों की रफ्तार इसी तरह जारी रहेगी।

सरकाघाट और धर्मपुर में अब घर-द्वार पर मिलेगा गैस सिलेंडर, एजेंसी में वितरण बंद

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। गैस वितरण में अनियमितताओं के चलते पूर्व पंचायत प्रतिनिधियों ने एसडीएम सरकाघाट के माध्यम से राज्य खाद्य आपूर्ति निदेशक को ज्ञापन भेजा। इसके बाद निदेशक फूड सप्लाई कुमुद सिंह ने कड़ा संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए, जिससे जिला प्रशासन ने नया निर्णय लिया। अब सरकाघाट और धर्मपुर क्षेत्र के उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर उनके घर-द्वार पर ही उपलब्ध करवाया जाएगा और एजेंसी से सीधे सिलेंडर लेने की व्यवस्था बंद कर दी गई है।

पूर्व उपप्रधान शिव कुमार सकलानी की अगुवाई में करीब दो दर्जन पंचायत प्रतिनिधियों ने ज्ञापन में शिकायत की थी कि एजेंसी में गाड़ियों वाले उपभोक्ताओं को आसानी से सिलेंडर मिल जाता है, जबकि गरीब लोग सिलेंडर नहीं ले पाते। उन्होंने तत्काल घर-द्वार वितरण की मांग की थी।

क्षेत्रीय प्रबंधक, राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड मंडी संजीव वर्मा ने कहा कि लगातार शिकायतों को देखते हुए यह

पूर्व पंचायत प्रतिनिधियों के ज्ञापन के बाद बदली व्यवस्था

गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर लगी लोगों की भीड़। अनंत ज्ञान

व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे एजेंसी परिसर न आएं, क्योंकि इससे भीड़ बढ़ने और वितरण में देरी होती है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अब एजेंसी परिसर में किसी भी प्रकार की प्रत्यक्ष सिलेंडर बिक्री नहीं की जाएगी। यह नई व्यवस्था उपभोक्ताओं की सुविधा और वितरण प्रणाली को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से लागू की गई है।

स्थानीय लोगों ने इस फैसले का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि इससे उन्हें लंबे समय से हो रही परेशानी से राहत मिलेगी।

हर मोर्चे पर विफल रही प्रदेश की कांग्रेस सरकार : सतपाल सत्ती

पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक सतपाल सत्ती। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री नयना देवी जी में पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व विधायक सतपाल सत्ती ने परिवार सहित पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद लिया।

पत्रकारों से बातचीत में सत्ती ने कहा कि प्रदेश सरकार की नीतियों के चलते जनता परेशान है। उन्होंने एंट्री टैक्स बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इसे कम करने की घोषणा के बावजूद लोगों में असमंजस बना हुआ है और वसूली को लेकर विरोध जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के पास कोई स्थायी नीति नहीं है और नए-नए कर लगाकर जनता पर बोझ डाला जा रहा है। सत्ती ने कहा कि सरकार के मंत्री और विधायकों के बीच तालमेल की कमी से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और प्रदेश में अस्थिरता का माहौल है। उन्होंने कानून व्यवस्था, अवैध कटान और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए कहा कि प्रदेश में हालात चिंताजनक हैं। सत्ती के अनुसार जनता का सरकार से विश्वास उठ चुका है और आने वाले पंचायतीराज चुनावों में इसका असर देखने को मिलेगा।

उपमुख्यमंत्री ने संत ढांगू वाले महाराज जी की जयंती पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

12 करोड़ से बनेगी पंडोगा रोपवे परियोजना

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शुक्रवार को जखेवाल में संत बाबा श्री ढांगू वाले महाराज जी की जयंती के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने पूज्य संत श्री अनूप जी महाराज से आत्मीय भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि संत ढांगू वाले महाराज का जीवन जनसेवा, शिक्षा के प्रसार और मानव कल्याण के उच्च आदर्शों को समर्पित रहा। उन्होंने शिक्षण संस्थानों के माध्यम से ज्ञान का दीप प्रज्वलित किया और स्वास्थ्य सेवाओं के जरिए मानवता की सच्ची सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जो समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार संतों की इस महान परंपरा को आगे बढ़ाते हुए धार्मिक स्थलों के विकास, सौंदर्यकरण और सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दे रही है। हरोली विधानसभा

कार्यक्रम में पहुंचे उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए। अनंत ज्ञान

क्षेत्र में विभिन्न मंदिरों व धार्मिक स्थलों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ उनके सौंदर्यकरण पर करोड़ों रुपए व्यय किए जा रहे हैं। शीतला माता मंदिर ईसपुर के भव्य निर्माण पर करीब 8 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। क्षेत्र में विभिन्न गांवों में गुरु रविदास मंदिरों व अन्य अनेक धार्मिक स्थलों के विकास के लिए भी पर्याप्त धनराशि प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देने के उद्देश्य से पंडोगा में प्रस्तावित रोपवे परियोजना पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। लगभग 12 करोड़ रुपए से बनने वाला यह रोपवे वनखंडी के समीप स्थित रेस्ट हाउस से वनखंडी माता मंदिर तक विकसित किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और आकर्षक आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल-पंजाब सीमा के समीप विकसित होने वाला यह रोपवे न केवल आस्था और पर्यटन को जोड़ने का माध्यम बनेगा, बल्कि क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी गति देगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे और हरोली को पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान मिलेगी। अग्निहोत्री ने कहा कि संत महापुरुषों का जीवन समाज को दिशा देने का कार्य करता है व उनके आदर्शों को अपनाकर ही एक सशक्त, संवेदनशील और समरस समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने लोगों से संतों की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त उपाध्यक्ष चेतराम ठाकुर, महासचिव रणजीत सिंह राणा, विवेक कुमार एवं बलविंदर सिंह ठाकुर के अलावा कांग्रेस नेता संदीप अग्निहोत्री, प्रमोद कुमार समेत अन्य गणमान्य भी उनके साथ रहे।

राजेश धर्माणी ने घुमारवीं में जन समस्याएं सुन अधिकारियों को समयबद्ध निपटारे के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक व औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह घुमारवीं में जन समस्याएं सुनीं तथा अधिकतर का मौके पर ही निपटारा कर दिया।

उन्होंने लंबित समस्याओं को समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित बनाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा वित्तीय वर्ष 2026.27 के लिए प्रस्तुत बजट प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने वाला है। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों, बागवानों, पशुपालकों, मछुआरों की आर्थिकी को सुदृढ़ बनाने के लिए कई अहम घोषणाएं की हैं। मंत्री ने कहा कि बजट में गाय के दूध का क्रय मूल्य को 51 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 61 रुपए, जबकि भैंस के दूध का क्रय मूल्य 61 रुपए से बढ़ाकर 71 रुपए प्रति लीटर किया है। सरकार के इस कदम से न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि पैसा सीधे किसानों के हाथ में जाएगा। इसी तरह प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देते हुए किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती के माध्यम से उत्पादित हल्दी, गेहूं, मक्का, जौ के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भी वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि अब गेहूं के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 60 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर 80 रुपए, मक्का 40 रुपए से बढ़ाकर 50 रुपए, पांगी घाटी के जौ को 60 रुपए से बढ़ाकर 80 रुपए तथा हल्दी के एमएसपी को भी 90 रुपए से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति किलोग्राम करने की घोषणा की है। इसके अतिरिक्त प्रदेश सरकार ने पहली बार अदरक के लिए भी न्यूनतम समर्थन मूल्य 30 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित करने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के इस कदम से राज्य में लगभग 2 लाख 23 हजार से किसान सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे जो लगभग 38 हजार 455 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

8 दिन से लापता बुजुर्ग, पुलिस ने शुरू की तलाश

अनंत ज्ञान, ऊना। जिला मुख्यालय ऊना के समीप स्थित लाल सिंगी गांव से एक 68 वर्षीय बुजुर्ग के पिछले 8 दिनों से लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राकेश कुमार निवासी लाल सिंगी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पिता कमलेश कुमार (68) बीते 25 मार्च को अचानक घर से कहीं चले गए और वापस नहीं लौटे। परिवार ने पहले अपने स्तर पर रिश्तेदारों व आसपास के क्षेत्रों में उनकी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद परिजनों ने पुलिस से संपर्क कर मामला दर्ज करवाया। शिकायत मिलने के बाद ऊना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए लापता बुजुर्ग की तलाश शुरू कर दी है। एएसपी ऊना संजीव भाटिया ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में सूचना प्रसारित कर दी गई है। साथ ही संभावित स्थानों पर तलाश अभियान चलाया जा रहा है, ताकि जल्द से जल्द बुजुर्ग का पता लगाया जा सके।

नव नियुक्त प्रधानाचार्यों को एचपीएसएलए की शुभकामनाएं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन, जिला बिलासपुर ने हाल ही में प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नत हुए प्रवक्ताओं को बधाई दी है। एसोसिएशन ने उम्मीद जताई कि नव नियुक्त प्रधानाचार्य अपने कार्यस्थलों पर शिक्षा की गुणवत्ता, अनुशासन और नवाचार को बढ़ावा देंगे। साथ ही मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री व शिक्षा सचिव का आभार भी व्यक्त किया गया। संघ ने कहा कि यह पदोन्नति न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि शिक्षा क्षेत्र के लिए भी गौरव का विषय है।

7 अप्रैल को होंगे ड्राइविंग टेस्ट व पासिंग

अनंत ज्ञान, अंब। प्रशासनिक कार्यों में व्यस्तता के चलते 4 अप्रैल को प्रस्तावित ड्राइविंग टेस्ट व वाहन पासिंग की प्रक्रिया को एक बार फिर रद्द कर दिया गया है। अब यह प्रक्रिया 7 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। पंजीयन व प्राधिकरण अधिकारी, अंब ने बताया कि पूर्व निर्धारित तिथि पर विभागीय कार्यों के कारण टेस्ट आयोजित करना संभव नहीं हो पाया, ऐसे में अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नई तिथि तय कर दी गई है। उन्होंने सभी आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित नई तिथि 7 अप्रैल को अपने वैध दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर प्रक्रिया में भाग लें।

युवाओं ने सड़क की मरम्मत का उठाया जिम्मा

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। उपमंडल घुमारवीं के अंतर्गत समलहेड़ा से चडोल को जोड़ने वाली सड़क पिछले चार वर्षों से बदहाल स्थिति में है। स्थानीय लोगों के अनुसार, लोक निर्माण विभाग द्वारा इस सड़क की लंबे समय से कोई मरम्मत नहीं की गई है, जिससे यहां आवागमन करना बेहद कठिन हो गया है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे व उखड़ी हुई सतह के कारण दोपहिया व चारपहिया वाहन चलाना जोखिम भरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार विभाग को इस समस्या से अवगत करवाया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सड़क की खराब हालत के चलते क्षेत्रवासियों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या को देखते हुए स्थानीय युवाओं ने खुद ही सड़क की मरम्मत का जिम्मा उठाया। कुलदीप सिंह के दिशा-निर्देश में जितेंद्र, प्रिंस व अंकित ने ट्रैक्टर में मिट्टी व पत्थर भरकर सड़क के गड्ढों को भरने का कार्य किया। इस पहल से ग्रामीणों को कुछ राहत मिली है। ग्रामीणों ने प्रशासन व लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि इस सड़क की जल्द से जल्द स्थायी मरम्मत करवाई जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम यातायात सुविधा मिल सके।

जम्वाल ने भाखड़ा विस्थापितों की लंबित समस्याओं के समाधान की उठाई मांग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने भाखड़ा विस्थापितों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए प्राथमिकता के आधार पर ठोस कदम उठाने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश की इस पहली जलविद्युत परियोजना के लिए अपने आशियानों और खेत-खलिहानों का बलिदान देने वाले बिलासपुर के लोगों को साढ़े छह दशक के बाद भी उनका हक नहीं मिल पाया है। अब बीबीएमबी प्रबंधन द्वारा भाखड़ा विस्थापितों की मलकियत भूमि में बुर्जियां लगाकर उनके जख्मों पर एक तरह से नमक छिड़कने का काम किया जा रहा है। राष्ट्र हित में भाखड़ा विस्थापितों के त्याग और समर्पण को देखते हुए उनके हक से जुड़े इस मुद्दे पर गंभीरता से कार्रवाई की जानी चाहिए। विधानसभा सत्र के आखिरी दिन त्रिलोक जम्वाल ने भाखड़ा विस्थापितों का मुद्दा प्रभावी ढंग से उठाया। उन्होंने कहा कि भाखड़ा बांध के निर्माण से देश के कई राज्य रोशन और खुशहाल हुए हैं। इन राज्यों में हरित क्रांति लाने में इस परियोजना की अहम भूमिका रही है। दुख इस बात का है कि इस परियोजना के लिए बड़ा बलिदान देने वाले बिलासपुरवासियों की समस्याओं का समाधान आज तक नहीं हो पाया है। साढ़े छह दशक बीत जाने

के बावजूद कई विस्थापित अभी भी प्लॉट से वंचित हैं। देश की पहली जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए विस्थापन का दंश झेलने वाले लोग अपनी समस्याओं को कई बार सरकार के समक्ष रख चुके हैं, लेकिन उनके जख्मों पर मरहम आज तक नहीं लग पाया है। जम्वाल ने कहा कि हाल ही में बीबीएमबी प्रबंधन द्वारा भाखड़ा बांध के निर्माण से अस्तित्व में आए गोबिंद सागर के किनारे बुर्जियां लगाने का काम किया गया है। प्रबंधन ने जलाशय के अधिकतम जल स्तर से भी लगभग 100.100 फुट ऊपर लोगों की मलकियत भूमि में मार्किंग कर दी है।

चिंतपूर्णी में 20 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

अनंत ज्ञान

चिंतपूर्णी। शुक्रवार की छुट्टी के चलते माता चिंतपूर्णी के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे दर्शनों के लिए लगी लाइनें होटल संतोष को भी पार कर गईं। दोपहर के समय अचानक हुई बारिश ने जहां मौसम को खुशनुमा बना दिया। वहीं, पुख्ता इंतजाम न होने के कारण गेट नंबर 1 व 2 पर श्रद्धालुओं को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा।

अव्यवस्था के बावजूद भक्त बारिश में भीगते हुए लंबी कतारों में डटे रहे व 20,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने माता रानी के चरणों में हाजिरी भरी। श्रद्धालुओं की इस परेशानी को देखते हुए मंदिर अधिकारी संजीव प्रभाकर ने बताया कि मंदिर न्यास ने 'प्रसाद योजना' के तहत विस्तारीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। इसके अंतर्गत मंदिर के पास ही एक विशाल हॉल का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें सभी आधुनिक सुविधाएं होंगी ताकि भविष्य में भक्तों को धूप या बारिश में बाहर न खड़ा होना पड़े।

चिंतपूर्णी में श्रद्धालुओं की भीड़। अनंत ज्ञान

जसी बाबा व राम तीरथ ने भजनों से बांधा समां

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। धार्मिक नगरी चिंतपूर्णी स्थित बाबा श्री माईदास सदन में एक भव्य जागरण का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में रामपुरा फूल (बठिंडा) की 'श्री नवदुर्गा भजन मंडली' के संस्थापक व प्रसिद्ध भजन गायक जसकरण बंसल (जसी बाबा) तथा स्वामी राम तीरथ जलाल वाले ने अपनी मधुर वाणी व भजनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भदौड़ निवासी हरीश व उनके सहयोगियों द्वारा श्रद्धापूर्वक आयोजित इस जागरण में पंजाब सहित अन्य पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में श्रद्धालु माता का आशीर्वाद लेने पहुंचे। पूरी रात चले इस धार्मिक समागम में भक्त भजनों की धुन पर झूमते नजर आए। जागरण के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का भी विशेष प्रबंध किया गया था। जसी बाबा के नेतृत्व वाली श्री नवदुर्गा भजन मंडली पूरे क्षेत्र में माता के जगराते व धार्मिक कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए अपनी एक विशेष पहचान रखती है। इस अवसर पर चिंतपूर्णी मंदिर के पुजारी साहिल कालिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

प्रिंसिपल पदोन्नति सूची जारी होने पर लेक्चरर संघ ने सरकार का जताया आभार

अनंत ज्ञान, ऊना। हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर संघ ने स्कूल प्रिंसिपल पदोन्नति सूची जारी किए जाने पर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया है। संघ के प्रांतीय मुख्य मीडिया सचिव राजन शर्मा ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री सुक्खू, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और शिक्षा सचिव राकेश कंवर का धन्यवाद किया। राजन शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने वादों पर खरे उतरते हैं व उन्होंने लेक्चरर संघ की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए प्रिंसिपल पदोन्नति सूची जारी की है। इस निर्णय से शिक्षकों में खुशी का माहौल है और इससे शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सीएम द्वारा कर्मचारियों के हित में पुरानी पेंशन योजना (ओल्ड पेंशन स्कीम) लागू करना एक ऐतिहासिक फैसला है, जिसके लिए प्रदेश के कर्मचारी सरकार के सदैव आभारी रहेंगे। लेक्चरर संघ की ओर से एक बार फिर सरकार का धन्यवाद करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी कर्मचारियों के हितों का इसी तरह ध्यान रखा जाएगा।

पूर्व कांग्रेस नेत्री के बेटे का निधन

अनंत ज्ञान, ऊना। प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व महासचिव व नगर परिषद मैहतपुर बसदेहड़ा की पूर्व पार्षद राजेंद्र कौर के बेटे नवदीप सिंह का असामयिक निधन हो गया। देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृत्यु का कारण हृदय गति रुकना बताया गया है। शुक्रवार को विभौर साहिब में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें परिवार, मित्र, रिश्तेदार व स्थानीय निवासी शामिल हुए। पूर्व विधायक सतपाल रायजादा समेत कई राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष देसराज गौतम, पूर्व जिलाध्यक्ष अविनाश कपिला और अन्य कई नेताओं ने भी शोक जताया।

भंजाल में केंद्रीय विद्यालय शुरू होने में देरी, लोगों में बढ़ा रोष

अनंत ज्ञान

गोंदपुर बनेहड़ा। एक अप्रैल से नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन भंजाल में प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय की कक्षाएं अब तक शुरू न होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

केंद्रीय विद्यालय प्रशासन व संबंधित विभागों की धीमी कार्यप्रणाली को लेकर आमजन में असंतोष साफ दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार, जब तक केंद्रीय विद्यालय का स्थायी भवन तैयार नहीं होता, तब तक इसकी कक्षाएं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भंजाल में चलाने का निर्णय लिया गया था। इसके लिए स्कूल प्रशासन ने सात कमरे उपलब्ध करवा दिए हैं। दोनों संस्थानों के बीच बाउंड्री का कार्य पूरा हो चुका है व करीब दस लाख रुपए की लागत से शौचालय का निर्माण भी किया जा चुका है। सूत्रों के मुताबिक ये सभी तैयारियां फरवरी माह में ही पूरी हो गई थीं और अप्रैल से कक्षाएं शुरू होनी थीं, लेकिन अभी तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। इस बीच केंद्रीय विद्यालय की टीमों के साथ एसडीएम गगरेट, तहसीलदार घनारी व अन्य अधिकारियों ने कई बार स्थल का दौरा कर अप्रैल से कक्षाएं शुरू करने का आश्वासन दिया, लेकिन अप्रैल शुरू होने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे लोगों में विभागीय 'कछुआ चाल' को लेकर रोष बढ़ता जा रहा है। पूर्व सैनिकों और स्थानीय लोगों ने इस देरी पर नाराजगी जताते हुए प्रशासन से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। विद्यालय के कार्यकारी प्रिंसिपल ने बताया कि कक्षाओं के लिए एनओसी जारी हो चुकी है और सभी आवश्यक सुविधाएं तैयार हैं। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी होते ही लगभग दस दिनों में कक्षाएं शुरू कर दी जाएंगी।

ज्योरा स्कूल में ड्राइंग पेपर टेंपरिंग का मामला उजागर

अभिभावकों ने पत्रकार वार्ता कर जताया रोष, निष्पक्ष जांच की मांग तेज

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर जिले के झंडूता विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ज्योरा स्कूल में ड्राइंग परीक्षा के पेपर में कथित टेंपरिंग का मामला सामने आने के बाद शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

मामला उस समय तूल पकड़ गया, जब फॉरेंसिक रिपोर्ट में उत्तर पुस्तिकाओं में छेड़छाड़ की पुष्टि होने का दावा किया गया। यह जानकारी अभिभावकों ने आरटीआई के माध्यम से प्राप्त की है। यह मामला वर्ष 2025 का है, जब संबंधित 11 छात्र-छात्राएं दसवीं कक्षा में अध्ययनरत थे, जो अब जमा दो में पहुंच चुके हैं। शुक्रवार को बिलासपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने एकजुट होकर स्कूल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। अभिभावकों देशराज, संजय गौतम, विक्की देवी व भोला देवी ने आरोप लगाया कि उनके बच्चों की ड्राइंग पेपर में मूल्यांकन के बाद बदलाव किए गए, जिससे उनके अंक प्रभावित हुए। उनका कहना है कि पहले उन्हें संदेह था, लेकिन फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट के बाद यह आशंका अब पुष्टि में बदल गई है।

अभिभावकों ने बताया कि कुछ उत्तर पुस्तिकाओं में अलग-अलग स्याही व लिखावट के निशान पाए गए हैं, जो स्पष्ट रूप से छेड़छाड़ की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मामले में पारदर्शिता नहीं बरती गई व उनकी शिकायतों को नजरअंदाज किया गया। इस दौरान सात छात्र अंकित, मोनिका, अंजलि, श्रेष्ठा, शालिनी, निधि और अक्षय भी मौजूद रहे। क्षेत्र के समाजसेवी सुमन प्रजापति ने उच्च न्यायालय से इस मामले का संज्ञान लेकर विस्तृत जांच करने की मांग की है। अभिभावकों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि समय पर कार्रवाई न होने पर वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। वहीं, शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि फॉरेंसिक रिपोर्ट का अध्ययन किया जा रहा है व तथ्यों के आधार पर जल्द उचित कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि बच्चों के भविष्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र में रोष का माहौल है और लोग शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता व जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

बड़ूही में जिओ नेटवर्क से उपभोक्ता परेशान कॉल ड्रॉप व धीमे इंटरनेट ने बढ़ाई मुश्किलें

अनंत ज्ञान

बड़ूही। उपमंडल बंगाणा के अंतर्गत आने वाले बड़ूही क्षेत्र में रिलायंस जिओ के नेटवर्क को लेकर उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय से नेटवर्क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, जिससे रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय निवासी श्याम सुंदर के अनुसार, कभी इंटरनेट की स्पीड बेहद धीमी हो जाती है, तो कभी सिग्नल इतना कमजोर हो जाता है कि कॉल लगाना भी मुश्किल हो जाता है। कई बार तो बातचीत के दौरान ही कॉल अचानक कट जाती है, जिससे लोगों को खासा असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि कमजोर नेटवर्क के कारण क्षेत्रवासियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है आज के डिजिटल दौर में बैंकिंग, पढ़ाई व सरकारी सेवाएं काफी हद तक इंटरनेट पर निर्भर हैं। धीमे इंटरनेट के कारण ये सभी कार्य बाधित हो रहे हैं, कमजोर सिग्नल के चलते जरूरत के समय कॉल न लग पाना गंभीर समस्या बन सकता है, खासकर मेडिकल या अन्य आपात स्थितियों में। छोटे दुकानदार और व्यापारी डिजिटल पेमेंट में दिक्कत आने से नुकसान झेल रहे हैं।

छात्रों को ऑनलाइन क्लास व स्टडी मैटेरियल एक्सेस करने में परेशानी हो रही है। बार-बार कॉल कटना और नेटवर्क न मिलना लोगों के लिए परेशानी और झुंझलाहट का कारण बन रहा है। क्षेत्र के लोगों ने संबंधित कंपनी और प्रशासन से मांग की है कि जल्द नेटवर्क व्यवस्था में सुधार किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। लोगों का कहना है कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे उच्च स्तर पर शिकायत दर्ज करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि बेहतर सेवाएं न मिलने की स्थिति में वे अन्य नेटवर्क कंपनियों की ओर रुख कर सकते हैं। रिलायंस जिओ के जिला ऊना के डिप्टी मैनेजर विकास शर्मा का कहना है अगर कुछ स्थानों पर ऐसी समस्या है, तो जल्द ही समाधान किया जाएगा।

पत्रकार वार्ता बाहरी गाड़ियों पर टैक्स का बोझ, स्थानीय टैक्सी ऑपरेटर संकट में

टैक्स के बोझ से पर्यटकों को किया जा रहा दूर : राम रतन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। आल हिमाचल प्रदेश टैक्सी ऑपरेटर ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राम रतन शर्मा ने प्रदेश के टैक्सी ऑपरेटरों की समस्याओं को लेकर एक बार फिर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं।

वह शुक्रवार को बिलासपुर में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे उनके साथ अन्य टैक्सी ऑपरेटर नेता रविंद्र शर्मा पिंकी, विपिन शर्मा तथा अश्वनी ठाकुर भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था न केवल स्थानीय टैक्सी चालकों को आर्थिक रूप से तोड़ रही है, बल्कि प्रदेश के पर्यटन उद्योग को भी सीधे तौर पर प्रभावित कर रही है। राम रतन शर्मा ने कहा कि बाहरी राज्यों से आने वाले पर्यटक वाहनों से प्रदेश में प्रवेश करते समय टोल प्लाजा पर ग्रीन टैक्स, एंट्री टैक्स व अन्य शुल्क वसूले जाते हैं। यह अतिरिक्त आर्थिक बोझ पर्यटकों को हतोत्साहित करता है, जिससे हिमाचल आने वाले पर्यटकों की संख्या पर असर पड़ रहा है। उन्होंने

पत्रकारों को संबोधित करते हुए राम रतन शर्मा। अनंत ज्ञान

इसे पर्यटन हितों के खिलाफ बताते हुए कहा कि एक तरफ सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर टैक्स के बोझ से पर्यटकों को दूर किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के कई टोल प्लाजा पर टैक्स वसूली की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है व अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग शुल्क वसूले जा रहे हैं, जिससे पर्यटकों व वाहन चालकों में असमंजस की स्थिति बनी रहती है। इसका खामियाजा स्थानीय टैक्सी ऑपरेटरों को भुगतना पड़ रहा है, क्योंकि पर्यटक महंगे सफर से बचने के लिए ट्रिप कैंसिल कर देते हैं या कम समय के लिए आते हैं।

राम रतन शर्मा ने कहा कि टैक्सी ऑपरेटर पहले ही भारी टैक्स, परमिट फीस, बीमा, फिटनेस व अन्य नियमों के बोझ तले दबे हुए हैं। ऊपर से बाहरी गाड़ियों के लिए अलग व्यवस्था व स्थानीय ऑपरेटरों के लिए कड़े नियम एक तरह की असमान प्रतिस्पर्धा पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई बार टैक्सी चालकों को बिना किसी स्पष्ट कारण के चालान का सामना करना पड़ता है, जिससे उनमें रोष बढ़ रहा है। सरकार को चाहिए कि नियम सभी के लिए समान हों और टैक्सी ऑपरेटरों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। एसोसिएशन अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने जल्द ही टैक्स प्रणाली को सरल व पारदर्शी नहीं बनाया तथा टैक्सी ऑपरेटरों को राहत नहीं दी, तो प्रदेशभर में आंदोलन छेड़ा जाएगा। उन्होंने मांग की कि ग्रीन टैक्स व अन्य शुल्कों की समीक्षा कर उन्हें कम किया जाए, टोल प्लाजा पर एकरूपता लाई जाए व स्थानीय टैक्सी चालकों को प्राथमिकता दी जाए। राम रतन शर्मा ने यह भी स्पष्ट किया कि टैक्सी व्यवसाय से हजारों परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है व यदि इस क्षेत्र को राहत नहीं दी गई, तो इसका असर न केवल इन परिवारों पर पड़ेगा, बल्कि हिमाचल प्रदेश की पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी।

अजमेरपुर ग्रीष्मोत्सव : बॉबी मास्टर काकू ने बांधा समां

अजमेरपुर ग्रीष्मोत्सव की पहली सांस्कृतिक संध्या के दौरान कलाकार प्रस्तुति देते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

भराड़ी। भराड़ी उपतहसील में आयोजित अजमेरपुर ग्रीष्मोत्सव की पहली सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्यातिथि नंद लाल शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर मेला कमेटी द्वारा उन्हें शाल व टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय कलाकारों निम्मो जसवाल, रेणु व काजल की प्रस्तुतियों से हुई, जबकि रफ्तार ने कृष्ण भजनों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण हिमाचली लोक गायिका बॉबी शर्मा व मास्टर काकू रहे। उन्होंने 'चिट्टा तेरा चोला काला डोरा' से कार्यक्रम की शुरुआत कर 'ठंडी ठंडी हवा चलदी', 'इस गराएं देया लंबड़ा' और 'करी लैणी पहाड़ा दी सैर' जैसे पहाड़ी नॉन-स्टॉप गीतों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शक झूमने को मजबूर हो गए और कलाकारों ने खूब वाहवाही बटोरी। मेला कमेटी प्रधान करतार सिंह चौधरी ने बताया कि हर वर्ष स्थानीय लोगों के सहयोग से इस मेले का सफल आयोजन किया जाता है।

कुल्लू-मनाली व लाहौल-स्पीति में 'विंटर वाइब्स'

अप्रैल में भी दिख रहा दिसंबर सा नजारा, अटल टनल व लाहौल में बर्फबारी से पर्यटकों की चांदी

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, कुल्लू/केलांग। कुल्लू-मनाली और लाहौल घाटी इन दिनों प्रकृति के अनूठे रंग में रंगे हैं। कैलेंडर में भले ही अप्रैल की तारीखें चल रही हों, लेकिन मौसम का मिजाज पूरी तरह दिसंबर व जनवरी की याद दिला रहा है।

ऊंची चोटियों सहित कई स्थानों में निचले क्षेत्रों पर हो रहे हिमपात और रिहायशी इलाकों में गिरते बर्फ के फाहों ने दोनों जिलों के मौसम को सुहावना कर दिया है। पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी अटल टनल के दोनों छोर (साउथ और नॉर्थ पोर्टल) पर शुक्रवार को हल्की बर्फबारी दर्ज की गई, जैसे ही आसमान से चांदी जैसी बर्फ गिरनी शुरू हुई, वहां मौजूद सैलानियों का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया। वीकेंड होने के कारण मनाली में पर्यटकों का हुजूम उमड़ा हुआ है। सैलानी ताजा बर्फबारी के बीच सेल्फी लेते और एक-दूसरे पर बर्फ के गोले फेंकते हुए मस्ती करते नजर आए। साथ ही पर्यटक साहसिक गतिविधियों का भी लुत्फ उठा रहे हैं। कुल्लू जिला सहित अटल टनल के पार लाहौल घाटी में भी अप्रैल माह के पहले सप्ताह में भी सर्दियां खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। घाटी के निचले रिहायशी इलाकों में भी एक दो दिन छोड़कर हल्की बर्फबारी हो रही है, जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सिस्सू, केलांग और जिस्पा, दारचा, शिंकुला जैसे क्षेत्रों में बर्फ हो रही है। वहीं, रोहतांग दर्रा सहित अन्य ऊंची चोटियों पर रुक-रुक कर भारी हिमपात जारी है।

मनाली के आसपास के पर्यटन स्थलों में सैलानी मस्ती करते हुए। अनंत ज्ञान

बारिश से मनाली हुई 'कूल-कूल'

मनाली शहर व आसपास के निचले क्षेत्रों में शनिवार को रुक-रुक कर बारिश होती रही। इस बारिश ने न केवल धूल से राहत दिलाई, बल्कि पारे को भी काफी नीचे गिरा दिया है। मौसम के इस बदलाव से पर्यटन कारोबारी बेहद खुश हैं, क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में सैलानियों की आमद और बढ़ेगी। स्थानीय निवासियों के लिए भी यह 'कूल-कूल' मौसम अप्रैल की तपिश से राहत लेकर आया है। उधर, वीकेंड पर मनाली में पर्यटकों का भारी सैलाब उमड़ पड़ा है जिससे होटलों में ऑक्यूपेंसी बढ़ी है। मौसम के मिजाज को देखते हुए कुल्लू व लाहौल-स्पीति जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने पर्यटकों व स्थानीय लोगों के लिए चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने खराब मौसम के दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्रों और संवेदनशील रास्तों पर न जाने की सलाह दी है। विशेषकर अटल टनल और लाहौल की ओर जाने वाले वाहनों को सावधानीपूर्वक चलाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि फिसलन के कारण कोई दुर्घटना न हो।

लग्जरी स्टैंड से कमाई करोड़ों में, सुविधाएं शून्य : रोशन

अनंत ज्ञान, मनाली। होटलियर एसोसिएशन के अध्यक्ष रोशन ठाकुर ने कहा कि मनाली के लग्जरी स्टैंड से एचआरटीसी करोड़ों की कमाई कर रहा है, लेकिन पर्यटकों को सुविधाएं शून्य हैं। लग्जरी स्टैंड के चारों ओर फैली गंदगी अपनी हालत बयां कर रही है। उन्होंने कहा कि एचआरटीसी व्यवस्था पर ध्यान नहीं दे रही है। मनाली आने वाले पर्यटकों का स्वागत मनाली में गंदगी से हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन दिनों हर रोज लग्जरी स्टैंड से एचआरटीसी 40 हजार से अधिक की कमाई कर रहा है, जबकि सीजन में आंकड़ा डेढ़ लाख पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि एचआरटीसी ने पर्यटकों के लिए क्लॉक रुम की कोई व्यवस्था नहीं की है, जिससे बारिश में पर्यटकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मनाली में इन बसें पहुंच रही हैं जबकि प्रदेश सरकार ने इन बसों को चलने पर प्रतिबंध लगाया है। अगर बाहरी राज्यों से ये बसें आ रही है तो प्रदेश के ऑपरेटरों को भी इन बसों के चलने की अनुमति दी जाए। महासचिव गौरव ठाकुर ने कहा कि स्वच्छता को लेकर होटलियर एसोसिएशन गंभीर है। उन्होंने कहा कि प्रशासन के साथ मिलकर शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। एसोसिएशन के इन पदाधिकारियों ने एचआरटीसी से आग्रह किया कि लग्जरी बस स्टैंड में पर्यटकों की सुविधाओं को विशेष ध्यान दिया जाए। शौचालय की साफ सफाई पर ध्यान दिया जाए और साथ ही स्टैंड के अंदर क्लॉक रुम का निर्माण किया जाए।

छात्रवृत्ति परीक्षा का सफल आयोजन 200 से अधिक स्टूडेंट्स ने लिया भाग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहे साई स्टार स्कूल ने आज हिमाचल की प्रतिष्ठित जोकटा अकादमी के साथ मिलकर कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष 'छात्रवृत्ति परीक्षा' का आयोजन किया। इस संयुक्त पहल में क्षेत्र के 200 से अधिक स्टूडेंट्स ने पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

साई स्टार स्कूल के प्रशासनिक अधिकारियों व जोकटा अकादमी के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से कहा कि 200 से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी इस आयोजन की सफलता का प्रमाण है। इस साझेदारी के माध्यम से मेधावी छात्रों को न केवल आर्थिक सहायता मिलेगी, बल्कि जोकटा अकादमी के विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। परीक्षा के परिणाम और छात्रवृत्ति वितरण समारोह की विस्तृत जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी। परीक्षा को तीन मुख्य वर्गों में विभाजित किया गया था। मिडल सेगमेंट: (कक्षा 6 से 8), सेकेंडरी सेगमेंट: (कक्षा 9 और 10), सीनियर सेकेंडरी सेगमेंट: (कक्षा 11 और 12)। जोकटा अकादमी के साथ इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के आधुनिक स्तर से रूबरू कराना व उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। विद्यालय प्रबंधन ने घोषणा की है कि परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले रैंक धारकों को आकर्षक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिससे उनकी शैक्षणिक यात्रा को सुदृढ़ किया जा सके।

मां पार्वती के प्राकट्य उत्सव से भक्तिमय हुआ भुंतर

अनंत ज्ञान

भुंतर। जिला कुल्लू के भुंतर के सैनिक चौक स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित पांच दिवसीय भगवान शिव कथा के तृतीय दिवस पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

सर्व श्री आशुतोष महाराज की शिष्या कथा व्यास साध्वी श्वेता भारती ने माता पार्वती के जन्म प्रसंग का अत्यंत मार्मिक और आध्यात्मिक वर्णन किया। कथा के अंत में भगवान शिव व गुरुदेव की पावन आरती उतारी गई, जिसमें स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कथा का समापन शांति पाठ और प्रसाद वितरण के साथ किया गया। कथा व्यास ने बताया कि पूर्व जन्म में देह त्यागने के पश्चात माता सती ने भगवान शिव की अनन्य सेवा का वरदान मांगा था। इसी संकल्प के फलस्वरूप, महाराज हिमवान और महारानी मैना की कठिन आराधना से प्रसन्न होकर जगदंबा ने उनके घर पुत्री रूप में अवतार लिया, जैसे ही कथा में माता पार्वती के जन्मोत्सव का प्रसंग आया, पूरा पांडाल हर-हर महादेव' के उद्घोष से गूंज उठा। सुमधुर भजनों की प्रस्तुति पर भक्त झूमने को मजबूर हो गए और वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया। साध्वी ने शास्त्रों का हवाला देते हुए बताया कि राजा हिमाचल ने पुत्री के जन्म की खुशी में असंख्य गायों का दान किया था।

उन्होंने गौ-महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राकृतिक नस्ल की देसी गाय भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था का आधार है। प्राचीन समय में विद्यार्थी गुरु को दक्षिणा स्वरूप और यज्ञकर्ता को दान स्वरूप गाय ही भेंट की जाती थी इतिहासकार अमरदेव के अनुसार, गाय अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष—इन चारों पुरुषार्थों को प्रदान करने वाली साक्षात् कामधेनु है। इस अवसर पर दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा चलाए जा रहे गौ सेवा प्रकल्प की जानकारी भी दी गई। संस्थान द्वारा विभिन्न गौशालाओं के माध्यम से प्राकृतिक नस्ल की देसी गायों के संरक्षण और संवर्धन हेतु निरंतर कार्य किया जा रहा है, ताकि देश की आर्थिक समृद्धि और पर्यावरण की रक्षा की जा सके।

भुंतर में कथा सुनते हुए स्थानीय लोग। अनंत ज्ञान

कबड्डी में छुनार की महिलाएं रहीं प्रथम

अनंत ज्ञान, बंजार। जिला कुल्लू के उपमंडल बंजार की ग्राम पंचायत टील के बारधार गांव में इंस्टीट्यूट फॉर सोशल डेमोक्रेसी (आईएसडी) के तत्वाधान में स्थानीय महिलाओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान जलवायु परिवर्तन और इसके कारण महिलाओं में बढ़ते तनाव पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम की मुख्यातिथि भावना चौहान ने महिलाओं को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहयोग के महत्व पर जोर दिया। बाल विकास विभाग की प्रदर्शनी में सरकार की योजनाओं की जानकारी भी दी गई। प्रतियोगिता में सात टीमों ने भाग लिया। कबड्डी में छुनार की महिलाओं ने प्रथम और बछुट् की महिलाओं ने दूसरा स्थान हासिल किया। किक्रेट में बछुट् की महिलाओं ने प्रथम और टील की महिलाओं ने दूसरा स्थान पाया। लंगड़ी रेस और चमच रेस में अलका ठाकुर, शालु ठाकुर, दीक्षा ठाकुर, आशा देवी, शिला देवी और सुभद्रा देवी विजेता रहीं।

सीएम साहब! आखिर रोस्टर जारी करने में देरी क्यों?

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। लाहौल-स्पीति के वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व विधायक रवि ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार किया है। शुक्रवार को केलांग में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में उन्होंने पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों में हो रही देरी और रोस्टर जारी न करने को लेकर सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

रवि ठाकुर ने कहा कि पंचायतीराज संस्थाओं का कार्यकाल समाप्त हो चुका है और न्यायालय के स्पष्ट निर्देश भी आ चुके हैं, लेकिन सरकार जानबूझकर रोस्टर जारी करने में देरी कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले 31 मार्च और अब 7 अप्रैल की डेडलाइन दी गई थी, लेकिन बावजूद इसके अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं है। इससे साफ झलकता है कि सरकार चुनाव कराने से भाग रही है व जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन कर रही है। उन्होंने मांग की कि जल्द से जल्द रोस्टर जारी कर चुनाव प्रक्रिया बहाल की जाए। वहीं, उन्होंने बताया कि सीमा सड़क संगठन के नेतृत्व में स्नो क्लियरेंस का काम युद्ध स्तर पर जारी है और जल्द ही स्पीति घाटी का मार्ग बहाल कर दिया जाएगा। लगभग 1400 करोड़ की लागत से एसकेजी मार्ग को सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

पूर्व विधायक रवि ठाकुर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए। अनंत ज्ञान

लाहौल-स्पीति में विकास की रफ्तार, बीआरओ व केंद्र की सराहना

राज्य सरकार को घेरने के साथ-साथ रवि ठाकुर ने घाटी में चल रहे विकास कार्यों और केंद्र सरकार के प्रयासों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर राज्य सरकार प्रशासनिक विफलताओं में उलझी है, वहीं केंद्र सरकार निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है, अब समय आ गया है कि प्रदेश में विकास को प्राथमिकता दी जाए व पंचायतों में जनता का शासन पुनः स्थापित हो। वहीं, उन्होंने केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू के हालिया दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि केलांग के लिए 250 करोड़ का सीवरेज प्लांट, सिस्सू में आइस स्केटिंग रिंक और युवाओं के स्किल डेवलपमेंट के लिए बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है।

दुर्गम क्षेत्रों के लिए विशेष फंड की मांग

रवि ठाकुर ने केंद्र सरकार से एक महत्वपूर्ण मांग रखते हुए कहा कि लद्दाख व लाहौल-स्पीति को 'नॉर्थ ईस्ट बीडीई फंड' के दायरे में लाया जाना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि इन दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों में ट्रांसमिशन लाइन, ऑप्टिकल फाइबर, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए इस विशेष बजट की अत्यंत आवश्यकता है।

मनाली में बढ़ती समस्याओं पर संगठनों की एकजुट पहल

अनंत ज्ञान

मनाली। पर्यटन नगरी मनाली की विभिन्न समस्याओं ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित पार्किंग व पर्यावरणीय चिंताओं को लेकर स्थानीय व्यावसायिक संगठन गंभीर हो गए हैं। अव्यवस्थाओं को देखते हुए सभी एसोसिएशन ने एकजुट होकर सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने मनाली डेवलपमेंट काउंसिल का गठन किया है।

शुक्रवार को काउंसिल की बैठक अध्यक्ष संजीव ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। इसमें मुख्य संरक्षक गौतम ठाकुर सहित समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मनाली की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। इसमें मनाली में ट्रैफिक की समस्या, पार्किंग, सफाई व्यवस्था, नो पार्किंग जोन, नो स्मोकिंग जोन, डिस्पोजल का प्रयोग, माल रोड में अवैध कारोबार, पुलिस पेट्रोलिंग, संडे मार्किट, काम के लिए बाहरी राज्यों से आने वाले लोगों का पंजीकरण आदि प्रमुख रहे। काउंसिल के अध्यक्ष संजीव ठाकुर ने कहा कि प्रशासन की मदद से माल रोड मनाली में अवैध कारोबार करने वालों पर शिकंजा कसा जाएगा। उन्होंने कहा कि बैठक में निर्णय लिया गया कि मनाली को स्वच्छ व साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारीयों से भी चर्चा की जाएगी, ताकि जो समस्या हैं उनका जल्द समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि जल्द ही काउंसिल के पदाधिकारी उपायुक्त कुल्लू से मिलेंगे व इस समस्याओं के समाधान पर चर्चा करेंगे। मुख्य संरक्षक गौतम ठाकुर ने कहा कि मनाली डेवलपमेंट काउंसिल का उद्देश्य शहर को स्वच्छ, सुंदर बनाना व प्रशासनिक समन्वय के माध्यम से पर्यटन उद्योग को सुचारू रूप से चलाना है। बैठक में हीरा लाल राणा, राज कुमार, जग जीवन, राजेंद्र सिंह, रजनीश शर्मा, अनिल कुमार, संतोष कुमार, किरण देव शर्मा, बुद्धि प्रकाश, जोगिंद्र ठाकुर, सचिन शर्मा व जसवंत मौजूद रहे।

पानी की दरों में कटौती विधायक सुंदर सिंह ठाकुर को कहा थैंक्स

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। कुल्लू में पानी की दरों में कटौती के हिमाचल प्रदेश सरकार के फैसले का जनता ने जोरदार स्वागत किया है। स्थानीय निवासियों और विभिन्न संगठनों ने इसे जनहित में लिया गया महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय बताया है। लोगों का कहना है कि पानी की कीमतों में कमी से आम परिवारों के घरेलू बजट पर पड़ने वाला बोझ काफी हद तक कम होगा। जनता के अनुसार, इस फैसले के पीछे विधायक सुंदर सिंह ठाकुर के लगातार प्रयास रहे हैं। उन्होंने इस मुद्दे को प्रभावी तरीके से सरकार के समक्ष उठाया, जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आया है। व्यापार मंडल कुल्लू और नगर परिषद से जुड़े पूर्व प्रतिनिधियों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने इस निर्णय के लिए विधायक और प्रदेश सरकार का आभार जताया है। सीनियर सिटीजन काउंसिल के प्रतिनिधियों ने भी इसे सराहनीय कदम बताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुंदर सिंह ठाकुर हमेशा क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहते हैं।

कटराईं में शोक की घड़ी में एकजुट दिखे जनप्रतिनिधि

अनंत ज्ञान

मोहन कपूर, पतलीकूहल। मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ के बड़े भाई स्वर्गीय बुधिश्वर गौड़ के निधन पर कटराईं स्थित उनके निवास पर विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधि पहुंचे व शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष विनय कुमार, विधायक आशीष बुटेल, जिलाध्यक्ष सेसराम व हरिचंद शर्मा ने पहुंचकर संवेदनाएं व्यक्त कीं। वहीं, भाजपा के विधायक सुरेंद्र शौरी और लोकेंद्र कुमार भी शोक प्रकट करने पहुंचे। पूर्व मंत्री स्व. राजकिशन गौड़ की धर्मपत्नी उमा गौड़ को भी जनप्रतिनिधियों ने ढांढस बंधाया। इस दौरान फतेहपुर विधायक भवानी पठानिया व कुल्लू के डीसी अनुराग चंद्र ने भी परिवार के दुःख में सहभागिता जताई। दुःख की इस घड़ी में सभी ने राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुटता का परिचय दिया। लौटते समय विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने सभी को स्वयं वाहन तक छोड़कर विदा किया, जो उनकी विनम्रता को दर्शाता है।

विधायक भुवनेश्वर गौड़ के घर सांत्वना देने पहुंचे कांग्रेस व भाजपा के पदाधिकारी। अनंत ज्ञान

कुल्लू में चालकों को एकजुटता का दिया मंत्र

छत्तीसगढ़ से आए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनीष ठाकुर का भव्य स्वागत

छत्तीसगढ़ से आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए राजकीय अर्द्ध चालक व परिचालक महासंघ। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। राजकीय अद्र्ध चालक व परिचालक महासंघ जिला कुल्लू द्वारा शुक्रवार को ढालपुर में एक विशेष बैठक व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ से हिमाचल के कुल्लू जिला दौरे पर आए 'ऑल इंडिया गवर्नमेंट ड्राइवर कन्फेडरेशन' के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनीष इाकुर और उनकी टीम के अभिनंदन में आयोजित किया गया। जिला कांगड़ा व ऊना का दौरा करने के बाद कुल्लू पहुंचे मनीष ठाकुर और उनके सहयोगियों का कुल्लू महासंघ ने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर छत्तीसगढ़ व कुल्लू के चालक साथी जमकर झूमे। महासंघ द्वारा मेहमानों को कुल्लू की पारंपरिक टोपी, मफलर और बिजली महादेव के शिवलिंग का मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जिला कुल्लू के अध्यक्ष तुले राम ने छत्तीसगढ़ से आए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिला कुल्लू महासंघ सदैव उनका ऋणी रहेगा कि उन्होंने अपने व्यस्त हिमाचल दौरे में कुल्लू को चुना। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ जिला कुल्लू के अध्यक्ष अमर ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ का यह प्रतिनिधिमंडल कुल्लू के बाद मनाली दौरे पर गया व शनिवार को वापस छत्तीसगढ़ के लिए रवाना होगा।

राष्ट्रीय स्तर पर शक्ति प्रदर्शन की तैयारी

समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनीष ठाकुर ने चालक वर्ग के हितों पर चर्चा की। उन्होंने मुख्य बिंदु साझा किए व उन्होंने सभी चालक साथियों से ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। मनीष ठाकुर ने बताया कि आने वाले दिनों में चालक संघ अपनी मांगों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय स्तर का धरना-प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कुल्लू के सदस्यों से इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया, जब हमारा जमीनी स्तर का संगठन मजबूत होगा, तभी हमारा राष्ट्रीय संगठन अपनी आवाज बुलंद कर पाएगा।

श्रद्धांजलि भुट्टिको ने मनाई जननायक स्व. लाल चंद प्रार्थी की जयंती

लोक संस्कृति के पुरोधा थे स्व. लालचंद प्रार्थी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। कुल्लू की प्रसिद्ध सहकारी संस्था भुट्टिको के सभागार में शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश के प्रथम लोक संस्कृति एवं सहकारिता मंत्री स्व. लाल चंद प्रार्थी की 110वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर भुट्टिको के अध्यक्ष एवं पूर्व बागवानी मंत्री सत्य प्रकाश ठाकुर, निदेशक मंडल के सदस्यों व कर्मचारियों ने प्रार्थी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

सत्य प्रकाश ठाकुर ने कहा कि प्रार्थी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि पहाड़ी सभ्यता और लोक कला के सच्चे संरक्षक थे। उन्होंने कहा कि स्व. लाल चंद प्रार्थी ने 1966 में प्रदेश के पहले लोक संस्कृति मंत्री के रूप में पहाड़ी कला और सहकारिता को नई पहचान दी। कुल्लू-मनाली के विकास में उनका योगदान चाहे वह अस्पताल हो, कॉलेज हो या पर्यटन आज भी हमारे सामने जीवंत है। सत्य प्रकाश ने विशेष रूप से लाल चंद प्रार्थी कला केंद्र का उल्लेख करते हुए इसे प्रदेश की शान बताया। उन्होंने कहा कि यह विशाल सांस्कृतिक मंच प्रार्थी की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है, जो आज कुल्लू की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। प्रार्थी ने हमेशा कुल्लू के पारंपरिक परिधानों व पहाड़ी भाषा को प्राथमिकता दी।

उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष 'पहाड़ी भाषा कला संस्कृति सभ्यता राष्ट्रीय पुरस्कार' प्रदान किया जाता है। साथ ही सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया जाता है। इस अवसर पर भुट्टिको के उपाध्यक्ष मोहर सिंह, निदेशक मंडल सदस्य आत्मा राम, इंद्रा देवी, कार्यवाहक मुख्य महाप्रबंधक सूरती देवी और महाप्रबंधक किशन चंद सहित नीना ठाकुर, कविता ठाकुर, वीना देवी, सुरेंद्र, ओम प्रकाश, रोशन नेगी और संस्था के अन्य गणमान्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

लालचंद प्रार्थी की 110वीं जयंती पर हवन पाठ, जनसेवा के कार्यों को किया याद

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिला मुख्यालय कुल्लू के ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में पूर्व मंत्री स्वर्गीय लालचंद प्रार्थी की 110वीं जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिला ब्राह्मण जन कल्याण सभा द्वारा मोहनी के पेड़ के नीचे विधिवत हवन-पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सभा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन गौतम व स्वर्गीय लालचंद प्रार्थी के पौत्र अनुराग प्रार्थी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हवन-पाठ के उपरांत उपस्थित लोगों ने पुष्प अर्पित कर पूर्व मंत्री को नमन किया व उनके द्वारा समाज व क्षेत्र के विकास के लिए किए गए योगदान को याद किया। इस मौके पर मनमोहन गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि लालचंद प्रार्थी एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अनेक विकास कार्य किए। उन्होंने शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया, जिसका लाभ आज भी क्षेत्र की जनता को मिल रहा है। वहीं, अनुराग प्रार्थी ने अपने दादा से जुड़ी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि लालचंद प्रार्थी का जीवन सादगी, सेवा व समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने हमेशा आम जनता के हितों को प्राथमिकता दी और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया। कार्यक्रम के अंत में सभा के सदस्यों ने संकल्प लिया कि लालचंद प्रार्थी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाएगा।

कुल्लू में छह को सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दुर्लभ दर्शन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला मुख्यालय कुल्लू स्थित लालचंद प्रार्थी कला केंद्र में 6 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए सोमनाथ के मूल ज्योतिर्लिंग के दर्शन का विशेष अवसर उपलब्ध होगा। इस पावन अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा भव्य धार्मिक आयोजन किया जा रहा है, जिसे लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि ऐतिहासिक सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की देशभर में परिक्रमा करवाई जा रही है। इस यात्रा के दौरान विभिन्न शहरों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस दिव्य ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकें। इसी कड़ी में कुल्लू को भी इस आयोजन के लिए चुना गया है। संस्था से जुड़े अंशुल पाराशर व शिक्षक बलदेव ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के दौरान विधिवत पूजा-अर्चना, हवन व भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिससे वातावरण पूर्णत: भक्तिमय रहेगा।

रोगी कल्याण समिति में 3 .83 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत

क्षेत्रीय अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में लिए बड़े निर्णय

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में रोगी कल्याण समिति (आरकेएस) की गवर्निंग बॉडी की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़, सुलभ व मरीजों के अनुकूल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त कुल्लू एवं आरकेएस के उपाध्यक्ष अनुराग चंद्र शर्मा ने की। बैठक में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3,83,96,000 रुपए के बजट को स्वीकृति दी गई, जिसमें 1,11,50,000 रुपए पूंजीगत और 2,72,46,000 रुपए राजस्व व्यय शामिल हैं। साथ ही 6,35,00,800 रुपए की अनुमानित प्राप्तियां भी मंजूर की गईं। पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रस्तावित 2,64,00,000 रुपए के मुकाबले 2,08,96,900 रुपए व्यय हुए, जबकि 2,69,84,000 रुपए के अनुमान के मुकाबले 4,51,19,487 रुपए की प्राप्तियां दर्ज की गईं। बैठक में भुंतर स्थित नशा मुक्ति केंद्र में चिकित्सा, सुरक्षा व पुनर्वास सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके लिए सुरक्षा कक्ष, कैंटीन, वॉलीबाल कोर्ट और ड्रेनेज सिस्टम के निर्माण के लिए 13 लाख रुपए स्वीकृत किए गए। अस्पताल में आधुनिक मशीनरी व उपकरणों की खरीद पर 85.50 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे, जिसमें आईएलआर, सीसीटीवी, ऑक्सीजन पैनल, इंटरकॉम व पोर्टेबल डेंटल एक्स-रे शामिल हैं।

मरीजों की सुविधा के लिए हीटर, कूलर, पंखे व गीजर के लिए 3 लाख तथा फर्नीचर व बिस्तरों के लिए 10 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। नई जांच सेवाएं शुरू होने तक आईजीएमसी शिमला की दरों पर सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा क्यूआर कोड से ओपीडी शुल्क, एटीएम स्थापना और बागवानी उत्पाद काउंटर खोलने के निर्णय भी लिए गए।

न्यूज ब्रीफ

जिला सिरमौर पुलिस ने 24 घंटे में पंजाब से खोज निकाला 14 साल का नाबालिग

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला सिरमौर पुलिस को यह सूचना सलाम करने वाली है कर्तव्यपरायणता सबसे आगे पुलिस ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता और तत्परता का परिचय देते हुए एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़के को गुम होने के महज 24 घंटों के भीतर पंजाब के शम्भु इलाके से सुरक्षित कुशल बरामद कर लिया है।एसपी सिरमौर एनएस नेगी ने बताया कि ग्राम धनना (डाकघर व तहसील शिलाई, जिला सिरमौर) के रहने वाले एक 14 वर्षीय लड़के के लापता होने की रिपोर्ट रात करीब 2:00 बजे दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभाग तुरंत हरकत में आया।एसपी ने बताया कि एसएचओ जीत राम, एएसआई अनिल और हेड कांस्टेबल निखिल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और सूचनाओं के आधार पर टीम ने पाया कि बच्चा पंजाब की ओर निकल गया है।सिरमौर पुलिस ने तुरंत जिला पटियाला (पंजाब) के थाना शंभु की पुलिस से संपर्क साधा और उनके साथ निरंतर समन्वय बनाए रखा।नेगी ने बताया कि दोनों राज्यों की पुलिस के बीच सटीक तालमेल और त्वरित कार्रवाई के चलते, उपरोक्त लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट मिलने के 24 घंटे के भीतर पंजाब के शंभु क्षेत्र से सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

निर्धारित एमएसपी के तहत सिरमौर में आठ अप्रैल से शुरू होगी गेहूं की सरकारी खरीद

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला सिरमौर में गेहूं खरीद की प्रक्रिया 8 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। सरकार द्वारा निर्धारित एमएसपी के तहत जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक ने जिला में दो खरीद केंद्र अधिसूचित किए हैं। जहां पर किसान अपना गेहूं बेच सकेगा जिसके लिए विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति नियंत्रक शमशेर सिंह ने बताया कि सरकार के निर्देशों के मुताबिक जिला सिरमौर में आठ अप्रैल से गेहूं की सरकारी खरीद प्रक्रिया शुरू होगी। सरकार द्वारा इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2550 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है , जो कि गत वर्ष के मुकाबले 160 रुपए अधिक है। जिससे किसानों को उनकी फसल का उचित दाम मिल सके। विभाग द्वारा पांवटा साहिब और धौला कुआं को अधिसूचित खरीद केंद्र बनाया है, जहां किसान अपनी फसल बेच सकेंगे। इस वर्ष विभाग ने करीब 10 हजार क्विंटल गेहूं खरीदने का लक्ष्य निर्धारित किया है। लक्ष्य के मुताबिक 7000 क्विंटल पांवटा साहिब और 3000 क्विंटल धौला कुआं से खरीदा जाना है। उन्होंने कहा कि गेहूं बेचने के लिए किसानों को पहले ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है और यह ऑनलाइन पंजीकरण 1 मार्च से शुरू हो चुका है। इसके बिना खरीद प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया जा सकेगा। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि किसानों को उनकी फसल का भुगतान खरीद के अगले ही दिन ऑनलाइन माध्यम से सीधे उनके खाते में किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और सुविधा दोनों होंगी। वहीं मंडियों में आने वाले गेहूं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नमी की जांच भी की जाएगी। इसके लिए कृषि विभाग दोनों खरीद केंद्रों पर तकनीकी विशेषज्ञों की तैनाती करेगा।

इंदौर में आयोजित नेशनल कुराश चैंपियनशिप में हिमाचल के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, सोलन। हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों ने इंदौर में आयोजित 15 वीं सीनियर नेशनल कुराश चैंपियनशिप 2026 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया। कड़े मुकाबलों के बीच प्रदेश की टीम ने कुल 6 पदक जीतकर राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। 100 किलोग्राम वर्ग में वंश ठाकुर ने शानदार खेल दिखाते हुए रजत पदक अपने नाम किया, वहीं इसी वर्ग में सिद्धार्थ ठाकुर ने कांस्य पदक हासिल किया। इसके अलावा 78 किलोग्राम वर्ग में दीक्षा और 63 किलोग्राम वर्ग में निहारिका ने भी कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। भारी वजन वर्ग में भी हिमाचल के खिलाड़ियों ने अपनी ताकत दिखाई। -120 किलोग्राम वर्ग में आदित्य ने रजत पदक जीता, जबकि 60 किलोग्राम वर्ग में अंजुल सेन और 90 किलोग्राम वर्ग में चेतन ने कांस्य पदक हासिल किए। इस उपलब्धि की जानकारी महासचिव वीरेंद्र सिंह ने दी। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह जीत खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी हिमाचल के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसी तरह प्रदेश का नाम रोशन करते रहेंगे।

सोलन में शांडिल इंदिरा स्मृति ट्रोव संस्था का शुभारंभ

अनंत ज्ञान, सोलन। जिले में शांडिल इंदिरा स्मृति ट्रोव संस्था के भव्य शुभारंभ के अवसर पर एक विशाल जन-कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस नेक पहल का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण से जुड़े लाभ प्रदान करना है। समस्त सोलन वासियों को इस आयोजन में सादर आमंत्रित किया गया है। शिविर का आयोजन 5 अप्रैल 2026 को सुबह 11 बजे से कंडाघाट स्थित बिल्डिंग नंबर 1, वोल्गा, बाबा धड़ा मूला पॉइंट के पास, आईपीएच कार्यालय के पास किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, हिमाचल प्रदेश होंगे। शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य और सामाजिक लाभ उपलब्ध कराए जाएंगे। इसमें रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्वैच्छिक रक्तदाताओं के लिए प्रोफेशनल स्टेशन और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, मुफ्त स्वास्थ्य जांच का भी आयोजन होगा, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक लोगों का विस्तृत परीक्षण और परामर्श देंगे। विशेषज्ञ परामर्श और मुफ्त दवाइयों की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसमें हड्डी रोग, स्त्री रोग, शिशु रोग, दंत रोग, ईएनटी, सर्जरी और मानसिक स्वास्थ्य के विशेषज्ञ शामिल रहेंगे। इसके साथ ही आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक शिविर भी लगाए जाएंगे, जिसमें वरिष्ठ डॉक्टर जांच और मुफ्त दवा वितरण करेंगे।महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला स्वरोजगार योजना का सत्र भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें इच्छुक महिलाओं को आवेदन फॉर्म वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा, पात्र लाभार्थियों को सिलाई मशीनें प्रदान की जाएंगी और बच्चों, विशेषकर बालिकाओं को नोटबुक और पेन वितरित किए जाएंगे।

सोलन जिले की कंडाघाट नगर पंचायत को डिनोटिफाई करने पर सीएम का जताया आभार

अनंत ज्ञान, सोलन/कंडाघाट। जिला सोलन के कंडाघाट क्षेत्र से वीरवार को लगभग 300 लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कर्नल धनी राम शांडिल और संजय शांडिल की अगुवाई में मुख्यमंत्री से मिला। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कंडाघाट को ग्राम पंचायत के रूप में डिनोटिफाई करने के फैसले पर मुख्यमंत्री का दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा लिया गया यह निर्णय क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने वाला है। उन्होंने बताया कि इस फैसले से कंडाघाट क्षेत्र में खुशी की लहर है और लोगों में उत्साह का माहौल बना हुआ है।इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार ने जन भावनाओं को समझते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिससे आम जनता को राहत मिली है। लोगों का मानना है कि इस फैसले से स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था अधिक सुगम और जनहितकारी बनेगी। कंडाघाट में इस निर्णय की खुशी इस कदर देखने को मिली कि स्थानीय निवासियों ने इसे 'छोटी दिवाली' के रूप में मनाया। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाइयां बांटी और खुशी जाहिर की। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।प्रतिनिधिमंडल ने एक बार फिर मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित में निर्णय लिए जाते रहेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

सिरमौर जिले में ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली हेतु दावे पुनरीक्षण प्राधिकारी नियुक्त

अनंत ज्ञान, सोलन। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सिरमौर, प्रियंका वर्मा ने आदेश जारी करते हुए बताया कि सिरमौर जिला के पंचायती राज संस्थाओं की नवगठित व नवगठन में शामिल ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली हेतु दावे एवं आक्षेप प्राप्त करने के लिए जिला के समस्त खण्ड विकास अधिकारी तथा नायब तहसीलदार ददाहू, को पुनरीक्षण प्राधिकारी नियुक्त किया गया है। आदेशों में बताया गया है कि सिरमौर जिला की 30 नवगठित व नवगठन में शामिल ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली तैयार की जा रही है।

छह महीने से बंद फुटपाथ का निर्माण कार्य शुरू

स्थानीय लोगों में पनप रहा था रोष, पार्षद राजीव कौड़ा की पहल आखिरकार लाई रंग

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। सपरून में पिछले 6 महीने से बंद पड़े फुटपाथ का निर्माण कार्य आखिरकार फिर से शुरू हो गया। शहर को चार वार्ड क्षेत्रों को जोड़ने वाले इस फुटपाथ का निर्माण किन्हीं कारणों से रुक गया था। जिससे स्थानीय लोगों में रोष पनप रहा था। फुटपाथ की सुविधा नहीं होने से लोगों को खासकर बुजुर्गों और बच्चों को सड़क क्रॉस करने में दिक्कतें पेश आती है। अधूरे फुटपाथ के मामले को पूर्व डिप्टी मेयर व वार्ड-14 के पार्षद राजीव कौड़ा ने सरकार और विभाग के समक्ष प्रमुखता से उठाया। इस पहल के चलते विवाद को सुलझाया गया। इसके बाद ठेकेदार ने फुटपाथ का निर्माण शुरू कर दिया। बता दें कि अधूरे फुटपाथ के निर्माण में हो रही देरी को से स्थानीय वार्ड -13 और 14 के लोग लामबंद हो गए थे। दोनों वार्डों की कल्याण समितियों ने संघर्ष समिति का गठन कर निगम प्रशासन को घेरने की चेतावनी पर पार्षद राजीव कौड़ा ने मामले पर गंभीरता दिखाते हुए निगम प्रशासन को पत्र लिखकर वस्तुस्थिति से अवगत करवाया। दरअसल फुटपाथ निर्माण में डेविएशन के चलते इसकी लागत बढ़ गई है। इसके चलते ठेकेदार ने काम रोक कर निगम से बढ़ी हुई लागत का भुगतान करने की मांग की है। शुरू में फुटपाथ निर्माण के लिए 18 लाख के टेंडर हुए थे। डेविएशन बढ़ने से इनती राशि में काम पूरा नहीं होगा। पर इस मामले को सुलझाने में पार्षद ने गंभीरता दिखाई।

सपरून में निर्माणाधीन फुटपाथ

अनंत ज्ञान

> राजीव कौड़ा, पूर्व डिप्टी मेयर ने कहा की सरकार पर प्रशासन के सहयोग से सपरून में अधूरे फुटपाथ का फिर से निर्माण शुरू हो गया है। इस कार्य को जल्द सिरे चढ़ाकर लोगों को समर्पित किया जाएगा। इसके अलावा सपरून में पार्किंग का निर्माण भी पूरा हो चुका है।
>
> राजीव कौड़ा, पूर्व डिप्टी मेयर व पार्षद वार्ड-14

दो मंत्रियों की मौजूदगी में हुआ था शिलान्यास

स्थानीय विधायक व मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल और लोक निर्माण और शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने 19 जनवरी 2025 30 लाख रुपए से निर्मित किए जाने वाले बाईपास सपरून पर शहीद स्मारक पार्क, 20 लाख रुपए से निर्मित किए जाने वाले बाईपास सपरून फुटपाथ के निर्माण कार्य और 8.08 लाख रुपए से लगभग बाईपास सपरून में पार्किंग के निर्माण कार्य की आधारशिला रखी थी। तब दोनों मंत्रियों ने इस कार्य को समय सीमा पर पूरा करने के निर्देश दिए थे। अब नगर निगम इन कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

लोग वाहनों के रश के बीच चलने को मजबूर

स्थानीय वार्ड 13 और 14 के वासियों को उम्मीद थी कि यह कार्य समय रहते पूरा हो जाएगा पर इसमें देरी हो गई। फुटपाथ की कमी से लोगों को जान जोखिम में डालकर वाहनों के रश के बीच चलने को मजबूर होना पड़ता है। सपरून में फुटपाथ बने तो शहर के चार वार्डों के लोगों को सुविधा मिलेगी। वार्ड-14 की हाउसिंग कॉलोनी, कमल आर्किड सोसाइटी, वार्ड-13 का क्लीन, सपरून पंचायत, वार्ड -16 का रबोन, आंजी, तथा वार्ड -1 का देवघाट सहित बाहर से आने वाले यात्रियों की आवाजाही सुगम होगी। इसी मार्ग से रोज उप नगरों और आसपास के गांव से सैकड़ों की संख्या में लोग सोलन शहर पहुंचते हैं।

नाहन के कांशीवाला निवासी से नशीले कैप्सूल और टैबलेट बरामद

अनंत ज्ञान, नाहन। एसआईयू टीम ने मिली गुप्त सूचना के आधार पर नाहन शहर के कांसी वाला निवासी एक नशे के तस्कर को 105 नशीले कैप्सूल व टेबलट्स के साथ धर दबोचा है। टीम ने नशीले पदार्थों की तस्करी में प्रयोग की जा रही स्कूटी भी कब्जे में ले ली है। जिले के एसपी एनएस नेगी ने बताया कि 3 अप्रैल को जिला सिरमौर के नाहन की एसआईयू टीम को सूचना मिली कि आरोपी साबिर अहमद पुत्र स्व0 जमील अहमद निवासी कांशीवाला नजद सब्जी मंडी नाहन काफी समय से नशीले कैप्सूल व नशीली दवाइयां बेचने का धंधा करता है। एसपी ने बताया कि सूचना यह भी थी कि आरोपी नाहन शहर व आसपास के इलाके नशे का कारोबार चलाता है। नेगी ने बताया कि आरोपी आज स्कूटी नम्बर एचआर 1 एसी-6996 में पांवटा साहिब की तरफ से नाहन की ओर आ रहा है। जिस पर टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए उपरोक्त स्कूटी को रोककर चेक किया तथा तलाशी के दौरान साबिर अहमद के कब्जे में से ट्रामाडोल के कुल 56 नशीले कैप्सूल तथा 49 टपेन्डाडोल की टेबलट्स कुल संख्या 105 बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

जिला सिरमौर के नाहन की हजरत लखदाता पीर साहेब दरगाह , जहां हर धर्म का सिर झुकता है

अनंत ज्ञान

नाहन। जिला सिरमौर मुख्यालय नाहन शहर में स्थित हजरत लखदाता पीर साहेब की दरगाह केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आस्था, इंसानियत और सांप्रदायिक सौहार्द की जीवंत मिसाल बन चुकी है। राजा कर्म प्रकाश के समय से जुड़ी मानी जाने वाली यह ऐतिहासिक दरगाह आज भी हर धर्म, हर जाति और हर वर्ग के लोगों के लिए अटूट श्रद्धा का केंद्र बनी हुई है।जहां आमतौर पर लोग अपने-अपने धर्मस्थलों पर पूजा, पाठ, इबादत और अरदास के लिए जाते हैं, वहीं नाहन की यह दरगाह एक ऐसे पवित्र जगह है, जहां हिंदू, मुस्लिम, सिख और अन्य धर्मों के लोग एक साथ सिर झुकाते हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं का मानना है कि इस दर पर सच्चे मन और पाक नीयत से की गई जायज दुआएं खाली नहीं जातीं। स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्षों से इस दरगाह से जुड़े ऐसे अनेक अनुभव सामने आते रहे हैं, जिन्हें लोग रब की मेहर और बुजुर्गों की दुआ का असर मानते हैं। संतान सुख की कामना, बीमारी से राहत, रोजगार में बरकत और पारिवारिक सुख-शांति जैसी मुरादों को लेकर बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं। लोगों का विश्वास है कि यहां की हाजिरी इंसान को भीतर से सुकून और उम्मीद दोनों देती है दरगाह की एक और बड़ी विशेषता यह है कि यहां आने वाले लोगों में धर्म या जाति का कोई भेदभाव नजर नहीं आता। यहां हर व्यक्ति सिर्फ एक इंसान के रूप में आता है और दुआ के साथ लौटता है। यही वजह है कि यह दरगाह नाहन ही नहीं, बल्कि पूरे सिरमौर क्षेत्र में साझी विरासत और गंगा-जमुनी तहजीब की एक मजबूत पहचान बन चुकी है। करीब 300 वर्षों से पीरजादा परिवार इस दरगाह की सेवा और देखरेख करता आ रहा है। वर्तमान में इसकी परंपरा को छठी पीढ़ी के गद्दीनशीन गुल मन्नवर अहमद (बॉबी) आगे बढ़ा रहे हैं, जो नाहन के मुस्लिम समुदाय के अध्यक्ष भी हैं। उनका कहना है कि इस दरगाह का मूल संदेश मोहब्बत, इंसानियत और सबके लिए दुआ करना है।उन्होंने कहा कि यहां आने वाला हर व्यक्ति सम्मान के साथ स्वीकार किया जाता है और दरगाह पर हर इंसान की भलाई के लिए दुआ की जाती है। उनका मानना है कि सच्चे दिल से आने वाले लोगों की जायज मुरादें रब जरूर पूरी करता है। आज के दौर में, जब समाज को सबसे ज्यादा जरूरत एकता, भाईचारे और आपसी विश्वास की है, ऐसे समय में नाहन की हजरत लखदाता पीर साहेब की दरगाह एक ऐसा संदेश देती है, जो दिलों को जोड़ता है—रास्ते भले अलग हों, लेकिन दुआ का दर सबके लिए एक होता है।

दाड़लाघाट पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में दाखिले शुरू

अनंत ज्ञान

दाड़लाघाट। दाड़लाघाट स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में सत्र 2026-27 के लिए दाखिले शुरू हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार और शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय को सीबीएसई बोर्ड के अंतर्गत शामिल किए जाने के बाद इस सत्र से प्रवेश प्रक्रिया सीबीएसई के नियमों के अनुसार की जा रही है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि 1 अप्रैल को लगभग 25 बच्चों ने प्रवेश लिया, जबकि 2 अप्रैल को करीब 115 विद्यार्थियों ने दाखिला प्राप्त किया। इस प्रकार दो दिनों में 140 से अधिक बच्चों ने विद्यालय में प्रवेश लिया है। प्रधानाचार्य ने क्षेत्र के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने बच्चों का दाखिला विद्यालय में करवाएं, ताकि सरकार के इस प्रयास को सफल बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न आधुनिक प्रयोगशालाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दीपक गजपति ने भी अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों का दाखिला पीएम श्री विद्यालय में करवाएं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर संसाधन और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि अभिभावकों के सहयोग से यह विद्यालय क्षेत्र में शिक्षा का एक उत्कृष्ट केंद्र बनेगा। उन्होंने नजदीकी गांवों के लोगों से भी अधिक से अधिक संख्या में बच्चों का दाखिला करवाने की अपील की है, ताकि बच्चों का उज्वल भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

जिला सोलन में मतदाता सूचियों में नाम सम्मिलित करने के लिए अधिसूचना जारी

अनंत ज्ञान

सोलन। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने मतदाता सूचियों में पात्र मतदाताओं के नाम सम्मिलित करने के लिए प्रथम अप्रैल, 2026 की अर्हता तिथि के अनुसार अधिसूचना जारी की है। मतदाता सूचियों में पात्र मतदाताओं के नाम सम्मिलित करने का यह कार्यक्रम केवल उन्हीं पंचायती राज संस्थाओं पर लागू होगा जो ग्राम सभा अथवा शहरी स्थानीय निकायों के सृजन, पुनर्गठन अथवा विभाजन के कारण प्रभावित हुई हैं। कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रथम अप्रैल, 2026 को प्रकाशित कर दिया गया है। पुनरीक्षण प्राधिकारी के समक्ष दावे और आपत्तियां प्रस्तुत करने की तिथि 10 अप्रैल, 2026 निर्धारित की गई है। संशोधन प्राधिकारी द्वारा दावों और आपत्तियों का निपटारा 13 अप्रैल, 2026 तक किया जाएगा। अधिसूचना के अनुसार अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील 20 अप्रैल, 2026 तक प्रस्तुत करनी होगी। अपीलों का निपटारा अपीलीय प्राधिकारी द्वारा अपीलों का निपटारा 22 अप्रैल, 2026 तक किया जाएगा। मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 24 अप्रैल, 2026 को या उससे पूर्व किया जाएगा। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि जिला सोलन के सभी खण्ड विकास अधिकारियों को उनके संबंधित खण्डों के दावों और आपत्तियों पर निर्णय लेने के लिए पुनरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। इस सम्बन्ध में सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि इस प्रक्रिया राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना की अनुपालना सुनिश्चित बनाएं।

सोलन में सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण अभियान शुरू

अनंत ज्ञान

सोलन। जिला सोलन में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए किशोरियों का टीकाकरण अभियान जोर-शोर से शुरू कर दिया गया है। इस अभियान के तहत 14 से 15 वर्ष की बच्चियों को टीका लगाया जा रहा है और इसकी शुरुआत विभिन्न स्कूलों तथा स्वास्थ्य केंद्रों पर कर दी गई है। अभियान का मुख्य उद्देश्य है लड़कियों को भविष्य में गर्भाशय ग्रीवा यानी सर्वाइकल कैंसर से बचाना और उन्हें सुरक्षित स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना। हालांकि, कुछ स्थानों पर टीका लगने के बाद कुछ बच्चियों में हल्का सिरदर्द, चक्कर या उल्टी जैसे लक्षण देखे गए। इसके कारण कई अभिभावकों और छात्राओं में चिंता बढ़ी और टीकाकरण में भागीदारी में थोड़ी गिरावट देखी गई। इस संबंध में क्षेत्रीय अस्पताल सोलन के सीएमओ सोलन डॉ. अजय पाठक ने स्पष्ट किया कि टीकाकरण के बाद हल्के लक्षण सामान्य हैं और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि हल्का बुखार, सिरदर्द या उल्टी शरीर में प्रतिरक्षा विकसित होने की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। डॉ. पाठक ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और अपनी बच्चियों को समय पर टीकाकरण के लिए अवश्य भेजें। सीएमओ ने कहा कि यह टीका महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर से बचाव में बेहद प्रभावी है और कई विकसित देशों में इसे लंबे समय से सफलतापूर्वक लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह पूरी तरह परीक्षण किया हुआ, सुरक्षित और भविष्य में गंभीर बीमारी से बचाने में मददगार है।

जिला स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि टीकाकरण अभियान में स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से बच्चियों को व्यवस्थित रूप से बुलाया जा रहा है, ताकि हर एलिजिबल बच्ची इसका लाभ प्राप्त कर सके। स्वास्थ्य कर्मचारियों और शिक्षक समुदाय को भी अभियान में सक्रिय रूप से शामिल किया गया है, ताकि अभिभावकों और बच्चियों को सही जानकारी मिल सके। डॉ. पाठक ने यह भी कहा कि टीकाकरण अभियान महिलाओं की सेहत और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिले के सभी स्कूलों और स्वास्थ्य संस्थाओं में यह अभियान आगामी कुछ हफ्तों तक जारी रहेगा। विभाग अभिभावकों से अपील करता है कि वे टीकाकरण के दौरान दिखने वाले सामान्य लक्षणों को लेकर घबराएं नहीं और बच्चियों को समय पर टीका लगवाएं। इस अभियान से न केवल किशोरियों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में टीकाकरण के प्रति जागरूकता और विश्वास भी बढ़ेगा, जिससे लंबे समय में सर्वाइकल कैंसर से बचाव में मदद मिलेगी।

धरोहर

जलचालित घराटों के लिए प्रयास सोसायटी ने सरकार से मांगा ठोस संरक्षण

'घराट बचाओ, विरासत बचाओ' अभियान शुरू

अनंत ज्ञान

नाहन। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में कभी ग्रामीण जीवन की पहचान माने जाने वाले पारंपरिक जलचालित घराट अब तेजी से विलुप्त की ओर बढ़ रहे हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रयास सोसायटी ने 'घराट बचाओ, विरासत बचाओ' अभियान शुरू करने की घोषणा की है। संस्था ने सरकार से मांग की है कि पानी से चलने वाले इन पारंपरिक घराटों के संरक्षण, पुनरुद्धार और दोबारा संचालन के लिए ठोस नीति और योजनाएं बनाई जाएं।प्रयास सोसाइटी के सचिव धीरज रमौल ने जारी बयान में कहा कि घराट केवल अनाज पीसने का साधन नहीं, बल्कि पहाड़ी समाज की सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरणीय संतुलन और ग्रामीण आत्मनिर्भरता के मजबूत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि पहले समय में नदी-नालों के किनारे बने घराट स्थानीय लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करते थे, जहां मक्की, गेहूं, जौ और मंडुवा जैसे अनाज पिसे जाते थे। धीरज रमौल ने बताया कि घराट में धीमी गति से पिसा आटा न केवल स्वाद में बेहतर होता है, बल्कि उसमें पोषक तत्व और फाइबर भी सुरक्षित रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज जब लोग फिर से स्वास्थ्य और प्राकृतिक खानपान की ओर लौट रहे हैं, ऐसे समय में घराट का आटा और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। साथ ही घराट पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल प्रणाली है, क्योंकि यह जल-ऊर्जा पर आधारित है और किसी प्रकार का प्रदूषण नहीं फैलाता।उन्होंने चिंता जताई कि आधुनिक मशीनों के बढ़ते उपयोग, रखरखाव की कमी, जलस्रोतों के क्षरण और जागरूकता के अभाव के कारण सैकड़ों घराट बंद हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इनका संरक्षण नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियां इस समृद्ध परंपरा को केवल इतिहास की किताबों या बुजुर्गों की बातों में ही जान पाएंगी। प्रयास सोसाइटी ने सरकार, पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और युवाओं से सहयोग की अपील करते हुए कई सुझाव भी दिए हैं। इनमें बंद पड़े घराटों का पुनरुद्धार, पारंपरिक तकनीक के संरक्षण के लिए प्रशिक्षण, घराट के आटे की ब्रांडिंग, ग्रामीण पर्यटन से जोड़ना और जन-जागरूकता अभियान चलाना शामिल है। संस्था ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल इस दिशा में सरकार की ओर से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में अब जरूरत इस बात की है कि घराटों को केवल पुरानी याद मानकर न छोड़ा जाए, बल्कि इन्हें स्थानीय रोजगार, स्वस्थ जीवनशैली और सांस्कृतिक पहचान के साथ जोड़कर दोबारा जीवित किया जाए।धीरज रमौल ने कहा कि प्रयास सोसाइटी जल्द ही क्षेत्रीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम शुरू करेगी, ताकि लोगों की भागीदारी बढ़े और इस विरासत को बचाने के लिए एक मजबूत जनआंदोलन खड़ा किया जा सके।

कन्या महाविद्यालय नाहन को सीबीएसई का दर्जा मिलने पर पहली छात्रा का स्वागत

अनंत ज्ञान

सोलन। कुमारी आराधना बनी राजकीय आदर्श शमशेर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाहन की पहली छात्रा स्कूल प्रबंधन की ओर से स्कूल में प्रथम दाखिले के अवसर माला पहनाकर स्वागत किया गया। गौरतलब है कि सरकार द्वारा शहर के कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को सीबीएसई मान्यता प्राप्त घोषित कर दिया है ऐसे में अब दोनों स्कूल को-एड बने है ऐसे छात्र अपनी सुविधा के अनुसार एडमिशन ले सकेंगे।

यूएस आर्मी ने केशम आईलैंड में मचाई तबाही

होर्मुज स्ट्रेट में तनाव: केशम पोर्ट को अमेरिकी बमबारी में नुकसान, सैटेलाइट तस्वीरों से हुई पुष्टि

एजेंसी, नई दिल्ली

ईरान के लिए इस जंग में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज सबसे बड़ी रणनीतिक शक्ति है। इसी होर्मुज में स्थित है केशम आईलैंड। आजकल केशम आईलैंड से होकर ही जहाज आईआरजीसी की परमिशन से गुजरते हैं, लेकिन अब अमेरिका ने इसी आईलैंड पर अटैक किया है। ईरान जिस स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नाज करता है और जहां उसने टोल बूथ लगाया है अब जंग वहीं पहुंच चुकी है।

अमेरिका ने केशम आईलैंड पर दनादन बम बरसाए हैं। सैटेलाइट तस्वीरों से इस बात की पुष्टि हुई है कि अमेरिका और इसरायल के हमलों के बाद ईरान के केशम द्वीप पर बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। रॉयटर्स ने कोपरनिकस सेंटिनल-2 की तस्वीरों का हवाला देते हुए बताया कि वीरवार को द्वीप पर बंदरगाह वाले इलाके से धुआं उठता देखा गया। रॉयटर्स ने बंदरगाह के लेआउट का मिलान पहले से मौजूद फाइल तस्वीरों और सैटेलाइट डेटा से करके इस जगह की पुष्टि की।

केशम फ्री जोन के अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि बहमन कमर्शियल बंदरगाह और दोहा मछली पकड़ने वाले घाट के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया है कि हमले की ये घटनाएं 1 अप्रैल की शाम से 2 अप्रैल की दोपहर के बीच केशम पोर्ट के बुनियादी ढांचों को निशाना बनाकर किए गए। सैटेलाइट से जारी तस्वीरों में केशम पोर्ट से धुएं का गुबार निकलता हुआ दिखाया गया है। तस्वीरों में केशम पोर्ट के एकदम किनारा हिस्सा टूटा हुआ दिखता है।

ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने भी बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है, और साथ ही यह भी कहा कि केशम फ्री जोन के उप-प्रमुख मंसूर अजीमजादेह अर्देबिली ने कहा है कि बहमन बंदरगाह पूरी तरह से एक व्यावसायिक सुविधा है और इस पर किया गया कोई भी हमला अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन माना जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार ईरान को धमकी दे रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान समझौता नहीं करता है तो ईरान के सभी बुनियादी ढांचे ध्वस्त कर दिए जाएंगे। वीरवार को अमेरिका ने ईरान के सबसे बड़े पुल को तबाह कर दिया था। ट्रूथ पोस्ट पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'ईरान का सबसे बड़ा पुल ढह गया है, और अब इसका दोबारा कभी इस्तेमाल नहीं हो पाएगा अभी और भी बहुत कुछ होना बाकी है! अब ईरान के लिए समझौता करने का समय आ गया है, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।'

केशम आईलैंड मुख्य भूमि ईरान से हटकर 558 वर्ग मील में फैला एक इलाका है, जिसे एक भूमिगत मिसाइल 'शहर' से मजबूत बनाया गया है। इस शहर का इस्तेमाल उस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाज़ों पर रुक-रुककर हमला करने के लिए किया जाता है। शांति काल में क़ेशम एक पर्यटन स्थल है, जहां नमक की गुफाएं और यूरोपीय साम्राज्यों द्वारा बनाए गए किलेबंदी के अवशेष बिखरे हुए हैं। (अनंत ज्ञान)

ईरान का दावा: आईआरजीसी ने लड़ाकू विमान को मार गिराया

वहीं ईरान का दावा अलग है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने घोषणा की है कि ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम ने केशम द्वीप के ऊपर दुश्मन के एक लड़ाकू विमान को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने इस हमले की तस्वीरें भी जारी की हैं, लेकिन अमेरिका ने कहा है कि उसके किसी फाइटर एयरक्राफ्ट को ईरान ने निशाना नहीं बनाया है और ईरान का दावा गलत है। अमेरिका ने कहा है कि ईरान की आईआरजीसी ने 6 बार झूठ बोला है। ईरान ने अपने दावे में एक वीडियो एक्स पर शेयर किया है। जिसमें एक विमान को गिरते हुए दिखाया गया है। केशम आईलैंड ईरान का प्राइड है। ईरान समुद्र में जहां टोल टैक्स इकट्ठा करता है वो जगह लरक और केशम आईलैंड के बीच में है। इन्हीं दो आईलैंड के बीच जहाज गुजरते हैं और इसी दौरान इन जहाजों से ईरान ने टोल टैक्स लेना शुरू किया है। जहाजों को यहां से गुजरने के लिए ईरानी अधिकारियों से मंजूरी लेनी पड़ती है। इस रूट से ईरान उन्हीं देशों के जहाजों को गुजरने दे रहा है जिनसे उनके रिश्ते अच्छे हैं। कुछ तेल से भरे जहाजों को इस रूट से गुजरने के लिए 20 लाख डॉलर का टोल टैक्स चुकाना पड़ रहा है। अब अमेरिका-इसरायल ने इसी केशम आईलैंड पर हमला किया है।

वोटर लिस्ट में घुसपैठिए तो मोदी कैसे जीते: ममता

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि यदि वोटर लिस्ट में घुसपैठियों के नाम थे, तो नरेंद्र मोदी पहले भी उन्हीं वोटों के सहारे जीत चुके हैं और ऐसे में उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने यह बात दक्षिण दिनाजपुर में आयोजित चुनावी रैली में कही। ममता ने आरोप लगाया कि बंगाल में अधिकारियों के तबादले इस तरह किए गए हैं कि बाहरी लोगों का राज्य में प्रवेश आसान हो सके। उन्होंने हाल ही में मालदा में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने की घटना के लिए एआईएमआईएम और आईएसएफ को जिम्मेदार ठहराया। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी पर माहौल भड़काने का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि उनकी सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेगी। (अनंत ज्ञान)

देश से घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध: अमित शाह

एजेंसी, ग्वालपाड़ा (असम)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दुधनाई के कॉलेज ग्राउंड मैदान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा उम्मीदवार टंकेश्वर राभा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। वह असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे थे।

सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार देश से अवैध विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए प्रतिबद्ध है और राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने ग्वालपाड़ा जिले की सभी चारों विधानसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में असम को अशांत बनाए रखा और राज्य की संस्कृति के संरक्षण के लिए कोई ठोस कार्य नहीं किया। इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि भाजपा असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर ले जाने का प्रयास कर रही है। सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा शासन में लगभग 10 हजार लोगों को हथियार छोड़कर मुख्यधारा में वापस लाया गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 1.5 लाख एकड़ से अधिक भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि आगामी पांच वर्षों में यदि भाजपा सत्ता में लौटती है तो राज्य में कोई हिंसात्मक घटना नहीं होगी। उन्होंने महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने और युवाओं के लिए रोजगार सृजन हेतु नए उद्योग स्थापित करने का वादा भी किया। अपने संबोधन के अंत में शाह ने मतदाताओं से कांग्रेस के पक्ष में एक भी वोट न देने की अपील करते हुए असम में विकास व स्थिरता के लिए भाजपा का समर्थन करने का आग्रह किया। (अनंत ज्ञान)

जनगणना-2027: ओम बिरला ने की ऑनलाइन स्व-गणना की शुरुआत

एजेंसी, नई दिल्ली

- सोशल मीडिया पर नागरिकों को डिजिटल स्व-गणना में भाग लेने की अपील की

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना अभियान में भाग लेते हुए अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी साझा करते हुए नागरिकों से इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। बिरला ने कहा कि यह जनगणना का पहला चरण है और उन्होंने दिल्ली स्थित अपने आवास पर स्व-गणना पूरी की। उन्होंने इसे 'नए युग की शुरुआत' बताया और कहा कि पहली बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संचालित हो रही है। इससे नागरिक स्वयं अपने परिवार का विवरण दर्ज कर सकते हैं, जो सुरक्षित, सटीक और सुविधाजनक है।

देश में जनगणना-2027 की औपचारिक शुरुआत 1 अप्रैल 2026 को हुई। इसका शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी डिजिटल माध्यम से अपनी-अपनी स्व-गणना पूरी की। केंद्र सरकार ने इस बार जनगणना को पूरी तरह डिजिटल करने का निर्णय लिया है। नागरिक आधिकारिक पोर्टल पर स्वयं डेटा दर्ज कर सकते हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार पहला चरण 'मकानसूचीकरण और मकानों की गणना' 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 तक चलेगा। इसमें घरों की स्थिति, सुविधाओं, परिसंपत्तियों और बुनियादी ढांचे से संबंधित 33 प्रश्न शामिल हैं। प्रारंभिक चरण में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा, सिक्किम और दिल्ली के कुछ क्षेत्र शामिल हैं। प्रणाली 16 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है और उच्चस्तरीय सुरक्षा उपायों जैसे एन्क्रिप्शन व बहुस्तरीय प्रमाणीकरण के साथ आती है। (अनंत ज्ञान)

तमिलनाडु चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की 27 उम्मीदवारों की सूची

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए शुक्रवार को 27 उम्मीदवारों की आधिकारिक सूची जारी की। केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन को अवनाशी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि मायलापुर सीट से तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को टिकट मिला। सूची में राष्ट्रीय महिला मोर्चा प्रमुख वनिथी श्रीनिवासन और प्रदेश अध्यक्ष नैनार नैनार नागेंद्रन के नाम भी शामिल हैं। के. अन्नामलाई ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया था, इसलिए उनका नाम सूची में नहीं है। तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 सीटें हैं और गठबंधन समझौते के तहत भाजपा को 27 सीटें मिली हैं। आगामी मतदान 23 अप्रैल को होगा और मतगणना 4 मई को। भाजपा ने उम्मीदवारों की घोषणा से अपनी चुनावी रणनीति को मजबूत करने और पार्टी की पकड़ को विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ाने का प्रयास किया है। (अनंत ज्ञान)

कांग्रेस ने संसद के विशेष सत्र को बताया एकतरफा

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने 16 से 18 अप्रैल तक बुलाए गए संसद के विशेष सत्र को एकतरफा करार दिया है। पार्टी का आरोप है कि सरकार पहले ही सत्र बुलाने का निर्णय ले चुकी थी, जबकि विपक्षी दलों के सुझाव व पत्राचार को केवल दिखावा माना गया। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच मार्च में कई पत्रों का आदान-प्रदान हुआ। 16 मार्च को रिजिजू ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन पर चर्चा के लिए पत्र लिखा, लेकिन खरगे ने सर्वदलीय बैठक बुलाने और लिखित प्रस्ताव देने की सिफारिश की। 24 मार्च को विपक्षी दलों ने सुझाव दिया कि चुनाव आचार संहिता के चलते बैठक 29 अप्रैल के बाद बुलाई जाए। 26 मार्च को रिजिजू ने पुन: पत्र लिखा और चर्चा की मांग की, जबकि खरगे ने फिर से सर्वदलीय बैठक और 29 अप्रैल के बाद सत्र बुलाने का प्रस्ताव रखा। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा पहले ही 16-18 अप्रैल का निर्णय ले चुकी थी, और यह एकतरफा कदम था।

रमेश ने कहा कि रिजिजू ने खतों में केवल नारी शक्ति वंदन अधिनियम का जिक्र किया था, लेकिन अब स्पष्ट हो गया है कि सत्र में परिसीमन और अन्य संवैधानिक संशोधन के मुद्दे भी शामिल होंगे। विशेष सत्र पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में होने वाले विस चुनाव से ठीक पहले बुलाया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में 23 व 29 अप्रैल व तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान होना है। कांग्रेस ने इस समयनिर्धारण पर भी चिंता व्यक्त की है व इसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील बताया। सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में 30 महीने के भीतर संशोधन, परिसीमन व संविधान में संबंधित अन्य बदलावों पर चर्चा होगी। विपक्ष का कहना है कि इससे पारदर्शिता व सर्वदलीय सहमति पर प्रश्न उठते हैं। (अनंत ज्ञान)

रूस के पहले उपप्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव का दो दिवसीय भारत दौरा

द्विपक्षीय सहयोग और वैश्विक मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली

रूस के पहले उपप्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव दो दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे हैं। उनका यह दौरा दो और तीन अप्रैल 2026 तक है। इस दौरान उन्होंने भारत के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की और पश्चिम एशिया समेत कई मुद्दों पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि मंटुरोव ने 3 अप्रैल को नई दिल्ली में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर के साथ बैठक की। मंटुरोव व्यापार, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, तकनीक और सांस्कृतिक सहयोग पर बने भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के सह-अध्यक्ष भी हैं। दोनों पक्षों ने व्यापार, उद्योग, ऊर्जा और उर्वरक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बात की। इसके अलावा कनेक्टिविटी, तकनीक, नवाचार और जरूरी खनिजों में नए मौकों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पिछले साल दिसंबर में हुए 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के फैसलों को लागू करने की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा मंटुरोव ने पश्चिम एशिया के संघर्ष और दुनिया के अन्य बड़े घटनाक्रमों पर भी अपने विचार साझा किए। अपने दौरे के दौरान मंटुरोव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ भी मुलाकात की।

डिप्टी पीएम के साथ मुलाकात के बाद विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा, 'वीरवार को नई दिल्ली में रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव की मेजबानी करके मुझे प्रसन्नता हुई। हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग पर गहन चर्चा की, जिसमें व्यापार, उद्योग, ऊर्जा, उर्वरक, कनेक्टिविटी और मोबिलिटी पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही, प्रौद्योगिकी, नवाचार और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में मौजूद नए अवसरों पर भी बात हुई। हमने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष भी शामिल है।' (अनंत ज्ञान)

मंटुरोव ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

इससे पहले रूसी संघ के पहले उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने भारत-रूस संबंधों की प्रगति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान उन्होंने आपसी सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति के बारे में जानकारी दी, जिसमें व्यापार और आर्थिक साझेदारी, उर्वरक, कनेक्टिविटी और लोगों के बीच संबंध शामिल हैं।

सांसद धर्मबीर ने 13 लाभार्थियों को सौंपे छह लाख 50 हजार रुपए के सब्सिडी चैक

अनंत ज्ञान

- महेंद्रगढ़ डिवीजन में 726 घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाए

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सांसद धर्मबीर सिंह ने 13 लाभार्थियों को सब्सिडी के चैक वितरित कर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का संदेश दिया।

सांसद धर्मबीर ने शुक्रवार को कहा कि यह योजना आम लोगों को महंगे बिजली बिलों से राहत दिलाने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि अब उपभोक्ता केवल बिजली उपयोगकर्ता ही नहीं, बल्कि खुद बिजली उत्पादक भी बन सकते हैं। सौर ऊर्जा अपनाने से न केवल आर्थिक बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा में इस योजना को सफल बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर आकर्षक अनुदान प्रदान कर रही हैं। योजना के तहत एक लाख 80 हजार रुपए तक की वार्षिक आय वाले परिवारों को प्रति किलोवाट 30 हजार रुपये केंद्र सरकार और 25 हजार रुपये राज्य सरकार की ओर से सहायता दी जा रही है। वहीं एक लाख 80 हजार से तीन लाख रुपये तक आय वाले परिवारों को भी राज्य सरकार की ओर से प्रति किलोवाट 10 हजार रुपए की अतिरिक्त सहायता मिल रही है।

यह लाभ अधिकतम दो किलोवाट तक के घरेलू कनेक्शन पर उपलब्ध है। आंकड़ों के अनुसार, नारनौल सर्कल में इस योजना के तहत अब तक 3808 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 1437 घरों में सोलर सिस्टम सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं। अकेले नारनौल डिवीजन में 711 और महेंद्रगढ़ डिवीजन में 726 घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाए गए हैं। विभाग द्वारा अब तक 1240 लाभार्थियों को केंद्र सरकार की सब्सिडी और 120 लाभार्थियों को राज्य सरकार की अतिरिक्त सब्सिडी जारी की जा चुकी है। इस मौके पर महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ यतेंद्र राव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कारीगरी ने चंडीगढ़ में खोला नया रेस्टोरेंट

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। कारीगरी, जिसकी अगुवाई शेफ हरपाल सिंह सोखी कर रहे हैं, उन्होंने 3 अप्रैल को चंडीगढ़ में अपना नया स्थान खोला, जिससे ब्रांड का देशभर में कुल 12 लोकेशन तक विस्तार हो गया।

160 सीटों वाला यह रेस्टोरेंट शहर में इस कॉन्सेप्ट को पेश करता है और उस बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाता है, जिसे अपने मजबूत डाइनिंग कल्चर के लिए जाना जाता है। इस उद्घाटन कार्यक्रम को 'कारीगरों की बारात' के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसमें रसोई और अतिथि अनुभव, दोनों को केंद्र में रखते हुए हुनर और उसके पीछे काम करने वाले लोगों पर ध्यान दिया गया। इस दौरान मेहमानों को ब्रांड के दर्शन और रसोई की प्रक्रियाओं से परिचित कराया गया। चंडीगढ़ के मेन्यू में नई डिशों का संग्रह शामिल है, जो स्वाद के विविध आयाम और गहराई पेश करता है। इसमें तंदूरी अनानास शिकंजी, दाल मुरादाबादी स्प्राउट्स कचौरी चाट, आंध्रा पोडी चिकन फ्राइड, बुर्राटा पालक कोफ्ता और ग्रीन टमाटर बटर चिकन जैसी विशेषताएँ शामिल हैं। क्षेत्रीय स्पर्श एग घी रोस्ट के साथ नोल परोट्टा और अंडा भुर्जी दाल तड़का में दिखाई देता है।

- शेफ हरपाल सिंह सोखी ने पेश किए नए प्रयोग और पारंपरिक स्वादों का अनोखा मेन्यू
- चंडीगढ़ में रेस्टोरेंट अनुभव को और बेहतर बनाने पर फोकस

कुलचा सेक्शन में बटर चिकन, मलाई चिकन और कीमा घोटाला के विकल्प हैं, साथ ही पिज्जा मरीनारा कुलचा चीज बर्स्ट, चिलगोजा चुकंदर नान और चीज़ मलाई कुलचा परोसा जाता है। शेफ हरपाल सिंह सोखी ने बताया कि मेन्यू को परिचित स्वादों के आधार पर तैयार किया गया है और उसमें नए प्रयोगों के लिए भी जगह रखी गई है।

उन्होंने कहा, 'हमने स्वाद, तीखापन, खट्टापन और गाढ़ापन का संतुलन बनाए रखा है। बनावट और परोसने के क्रम पर ध्यान देकर हर कौर को संतुलित अनुभव बनाया गया। हमारा उद्देश्य मूल स्वाद के प्रति सच्चाई बनाए रखते हुए अनुभव को और गहरा करना था। प्रबंध निदेशक योगेश शर्मा ने कहा कि चंडीगढ़ में यह शुरुआत ब्रांड के निरंतर विस्तार का हिस्सा है। उन्होंने बताया, 'शहर में बाहर खाने की मजबूत संस्कृति व उच्च अपेक्षाओं के मद्देनजर हमारा ध्यान रसोई की कार्यक्षमता, टीम प्रबंधन और टेबल टर्नअराउंड पर रहा। हमारा लक्ष्य हर शहर में समान गुणवत्ता और स्थानीय अनुभव सुनिश्चित करना है। अब चंडीगढ़ में यह रेस्टोरेंट दोपहर और रात्रि भोजन के समय मेहमानों का स्वागत करने के लिए तैयार है।

गेहूं खरीद नए नियमों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। जिले में गेहूं खरीद प्रक्रिया के लिए लागू किए गए नए नियमों के विरोध में कांग्रेस ने गोहाना में प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने किसानों के समर्थन में सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुराने नियम दोबारा लागू करने की मांग उठाई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसान और आढ़ती भी शामिल रहे, जिन्होंने नई व्यवस्था को जटिल और परेशान करने वाली बताया। बरोदा से विधायक इंदु राज नरवाल और कांग्रेस नेता जगबीर मलिक ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा सरकार किसान और मजदूर विरोधी नीतियां अपना रही है। उनका कहना है कि बायोमेट्रिक सत्यापन और ट्रैक्टर नंबर अनिवार्य करने जैसे प्रावधान किसानों के लिए बड़ी समस्या बन रहे हैं। छोटे और मध्यम किसानों को मंडी में फसल बेचने के लिए अतिरिक्त औपचारिकताओं से गुजरना पड़ रहा है, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ रहे हैं। किसानों का आरोप है कि नई प्रक्रिया के कारण मंडी में अनावश्यक देरी और असमंजस की स्थिति बन रही है।

रेवाड़ी एम्स के लिए एक स्वतंत्र कैनाल आधारित वाटर वर्क्स स्थापित किया जाएगा: आरती राव

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने रेवाड़ी जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि गांव माजरा मुस्तिल भालखी स्थित एम्स के लिए एक स्वतंत्र कैनाल आधारित वाटर वर्क्स स्थापित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मुख्यमंत्री से मंजूरी मिल चुकी है और इसे सैद्धांतिक स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना पर लगभग 26 करोड़ 83 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। विशेष बात यह है कि एम्स के लिए जल आपूर्ति का पूरा खर्च हरियाणा सरकार स्वयं वहन करेगी, जिससे संस्थान को भविष्य में किसी प्रकार की वित्तीय या आपूर्ति संबंधी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने शुक्रवार को जानकारी दी कि प्रस्तावित वाटर वर्क्स के माध्यम से प्रतिदिन करीब 1500 किलोलीटर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। यह जल आपूर्ति अस्पताल के सुचारू संचालन, स्वच्छता व्यवस्था और मरीजों की देखभाल के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना एम्स रेवाड़ी को एक स्वतंत्र और स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराएगी, जिससे संस्थान की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही, यह कदम क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को भी मजबूती प्रदान करेगा। मंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और उन्हें आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद न केवल रेवाड़ी बल्कि आसपास के जिलों के लोगों को भी बेहतर और सुगम स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल भविष्य में एम्स रेवाड़ी को एक अत्याधुनिक और आत्मनिर्भर स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

शिक्षा व पर्यावरण में रोटरी की वैश्विक व क्षेत्रीय परियोजनाओं का प्रदर्शन

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। रोटरैक्टर्स व रोटेरियंस की सामूहिक प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में, रोटरी इंटरनेशनल के प्रेसिडेंट-इलेक्ट ओलायिंका हकीम बाबालोला ने वैश्विक प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला, और तेज गति से इनक्लूसिव वैश्विक विकास की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

बाबालोला, बेंगलुरू से आए केपी नागेश, डायरेक्टर, रोटरी इंटरनेशनल (2025-27) और डिस्ट्रिक्ट गवर्नर-इलेक्ट (डिस्ट्रिक्ट 3080-भारत) रोटेरियन डॉ. रीता कालरा के साथ, जीरकपुर के होटल पार्क प्लाजा में आयोजित हो रहे 'सृजन 2026 - एक नई शुरुआत' (सृजन 2026 - ए न्यू बिगनिंग) नामक एक ऐतिहासिक 'प्रेसिडेंट्स-इलेक्ट और सेक्रेटरीज़-इलेक्ट लर्निंग सेमिनार (पीईएलएस/एसईएलएस)' के अवसर पर मीडियाकर्मियों के साथ अपने विचार साझा कर रहे थे। यह बताना महत्वपूर्ण है कि रोटरी इंटरनेशनल एक ग्लोबल सेवा संगठन है, जिसके दुनिया भर में 45,000 से अधिक क्लबों में 1.2 मिलियन से अधिक बिजनेसमैन, प्रोफेशनल और कम्युनिटी लीडर्स सदस्य हैं। 1905 में स्थापित यह संगठन मानवीय सेवा, उच्च नैतिक मानकों और विश्व शांति पर केंद्रित है। बाबालोला, जो 1984 से रोटरैक्टर और 1994 से रोटेरियन हैं, ने मीडियाकर्मियों को बताया कि रोटरी की रणनीतिक प्राथमिकताओं में पोलियो को खत्म करने का वैश्विक मिशन, अगले पांच वर्षों में दुनिया भर में सदस्यता बढ़ाकर 1.25 मिलियन करना, और पर्यावरण व स्थिरता, बुनियादी शिक्षा व साक्षरता, तथा रोग निवारण व उपचार पर केंद्रित 'ग्लोबल ग्रांट' साझेदारियों को मजबूत करना शामिल है। बबाबोला ने कहा कि रोटरी एक संगठन के तौर पर शांति के लिए काम करता है व उन्होंने पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि राजनेताओं को मानवता की भलाई के लिए युद्ध खत्म करने का फ़ैसला लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रोटरी हमेशा युद्ध से प्रभावित इलाकों में लोगों की मदद करता है और विस्थापित समुदायों के पुनर्वास की दिशा में काम करता है। उन्होंने आगे कहा कि रोटरी युद्ध खत्म होने के बाद वहा पहुंचता है और हिंसा से पीड़ित लोगों की मदद करता है। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं को डिजिटल और एआई स्किल्स से लैस करने के लिए 'एआई फंक्शनल लिटरेसी फॉर यूथ प्रोजेक्ट' की योजना ट्राईसिटी के युवाओं के लिए बनाई जा रही है। उन्होंने इनोवेशन-संचालित सेवा और युवाओं की मज़बूत भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। चंडीगढ़ ट्राईसिटी के लिए घोषित अन्य क्षेत्रीय पहलों और भविष्य के लिए तैयार किए गए परियोजनाओं में महिला सशक्तिकरण की पहलें शामिल हैं, जो डिजिटल सुरक्षा, वोकेशनल स्किलिंग और एंटरप्रेन्योरशिप पर केंद्रित हैं; और 'हैप्पी स्कूल्स इनिशिएटिव' जिसका उद्देश्य एजुकेशनल के बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करना है।

विशेष रूप से, रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3080 और 3090 द्वारा आयोजित इस दो-दिवसीय प्रमुख लीडरशिप प्रोग्राम ने हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ से 500 से अधिक रोटरी लीडर्स को एक मंच पर एकत्रित किया है। केपी नागेश, आरआई डायरेक्टर, (2025-27) ने कहा कि इस सेमिनार के दौरान स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलावों को भी प्रदर्शित किया गया; इनमें तपेदिक (टीबी) उन्मूलन, सर्वाइकल कैंसर जागरूकता, गैर-संक्रामक रोगों के लिए मोबाइल स्क्रीनिंग, कचरा प्रबंधन अभियान और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए रोटरी नर्सरी का विकास जैसी परियोजनाएं शामिल थीं।

चार पिस्तौल व सात जिंदा कारतूस के साथ तीन गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। अलग-अलग स्थानों से सीआईए स्टाफ ने तीन युवकों को काबू कर उनके कब्जे से चार पिस्तौल तथा सात कारतूस बरामद किए हैं। संबंधित थाना पुलिस ने पकड़े गए तीनों युवकों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपित असलहा को कहां से लेकर आए, अवैध असलहा रखने के पीछे उद्देश्य क्या रहा। इसके बारे में पूछताछ की जा रही है। सीआईए थाना प्रभारी अनूप सिंह ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि गांव अहिरका के निकट एक युवक अवैध असलहा के साथ खड़ा हुआ है। जो कहीं जाने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कारवाई करते हुए युवकों को काबू कर लिया। पुलिस कर्मियो ने जब युवक की तलाशी ली तो उसके कब्जे दो पिस्तौल तथा तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए।

पुदीना को 'वंडर हर्ब' के रूप में किया प्रचारित

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के लाभों का प्रचार करने के अपने मिशन में आगे बढ़ाते हुए भारत की सबसे बड़ी विज्ञान आधारित आयुर्वेद कंपनी, डाबर इंडिया लिमिटेड ने पुदीना को एक आश्चर्यजनक जड़ी बूटी के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए एक अभियान शुरू किया।

इस मौके पर डॉ. तन्वी अरोड़ा, डाबर इंडिया लिमिटेड, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशस के मैनेजर दिनेश कुमार मौजूद थे। इस मौके पर पुदीना की उपयोगिता को लेकर डॉ. तन्वी अरोड़ा ने बताया कि पुदीना एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स युक्त होता है, जो मानव पेट के लिए खासकर तेज गर्मी के दौरान चमत्कार कर सकते हैं, गर्म-लहरों व बढ़ते पारा के स्तर की त्वरित आवृत्ति के साथ, गर्मियों के मौसम के दौरान स्वास्थ्य समस्याएं आम हो गई हैं। इस तीव्र मौसम में संभावित स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए, डाबर उन लोगों को पुदीना के उपयोग की सलाह देते हैं जो दिन में लंबे समय तक धूप में रहते हैं और आम गर्मी की बीमारियों के शिकार होते हैं।

कार्यक्रम में बोलते हुए, डाबर इंडिया लिमिटेड, डायरेक्टर-मार्केटिंग, श्री श्रीराम पद्मनाभन ने कहा: 'जीवन शैली में विकसित रुझानों और उपभोक्ताओं के काम का पैटर्न देखने पर पता चलता है कि आज सभी बहु-मुखी कार्य कर रहे हैं और इसलिए उन्हें प्रभावी और प्राकृतिक समाधान की आवश्यकता होती है।

डाबर, सबसे भरोसेमंद हेल्थकेयर कंपनी के रूप में, दैनिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए पारंपरिक आयुर्वेद को उपलब्ध कराने के अपने लक्ष्य को मजबूत करता है और पुदीन हरा कई गैस्ट्रिक विकारों के लिए एक निश्चित समाधान है। गर्मियों के मौसम के दौरान प्रचलित कई बीमारियों को ध्यान में रखते हुए, पुदीन हरा अपचन, गैस और अम्लता जैसे पेट की समस्याओं के समाधान में मदद करता है। डॉ. तन्वी अरोड़ा, आयुर्वेद फिजिशियन ने कहा, 'आयुर्वेद की पांडुलिपियों में आधुनिक समय की बीमारियों का सबसे अच्छा प्रबंधन गहराई से छिपा हुआ है।

पुदीना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 3,000 साल पुरानी है और इसे वंडर हर्ब के रूप में नामित किया गया है जो मानव पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद है। पुदीना में मौजूद मेन्थॉल पाचन के लिए जरूरी एंजाइमों को उत्तेजित करता है, पेट की मांसपेशियों को आराम देता है, अपचन और मरोड़ की संभावनाओं को कम करता है। यह पेट की ऐंठन, अम्लता और पेट फूलना आदि पर इसके शांत प्रभाव के लिए भी जाना जाता है।

स्पोर्ट्स विंडो

कोलंबिया को बड़ा झटका, जेम्स रोड्रिगेज अस्पताल में भर्ती

एजेंसी, नई दिल्ली। कोलंबिया के कप्तान जेम्स रोड्रिगेज को फीफा वर्ल्ड कप 2026 से कुछ महीने पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिससे उनके खेलने को लेकर उनके प्रशंसकों के बीच चिंता बढ़ गई है। रोड्रिगेज ने हाल ही में कोलंबिया राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए फ्रांस राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के खिलाफ खेले गए एक फ्रेंडली मैच में हिस्सा लिया था। इस मुकाबले में कोलंबिया को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा और रोड्रिगेज ने करीब एक घंटे तक मैदान पर समय बिताया। मैच के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। कोलंबिया फुटबॉल संघ ने बयान जारी कर बताया, 'फ्रांस के खिलाफ मैच के अगले दिन खिलाड़ी को गंभीर डिहाइड्रेशन की समस्या हुई, जिसके कारण पिछले 72 घंटों से उन्हें अस्पताल में रखकर निगरानी और रिकवरी कराई जा रही है।' (अनंत ज्ञान)

अदिति अशोक अरामको चैंपियनशिप गोल्फ में संयुक्त 58वें स्थान पर

एजेंसी, लास वेगास। अदिति अशोक ने भारतीय खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वह अरामको चैंपियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर के बाद संयुक्त 58वें स्थान पर हैं। अदिति ने पहले दौर में दो ओवर 72 का स्कोर बनाया। भारत की अन्य खिलाड़ियों में अवनि प्रशांत, दीक्षा डागर और प्रणवी उर्स अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं। अवनी और दीक्षा तीन ओवर 75 का कार्ड खेलकर संयुक्त 71वें स्थान पर, जबकि प्रणवी चार ओवर 76 के स्कोर के साथ संयुक्त 90वें स्थान पर हैं। कट दो ओवर पर निर्धारित किया गया है। इससे अदिति मुश्किल में पड़ गई हैं जबकि अन्य भारतीय खिलाड़ियों पर दूसरे दौर के बाद बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। पहले दौर के बाद जापान की मियू यामाशिता और नासा हाटाओका तथा अमेरिका की लॉरेन कॉफलिन संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। इन तीनों ने पांच अंडर 67 का स्कोर बनाया। (अनंत ज्ञान)

सुदर्शन येल्लामाराजू टेक्सास ओपन में संयुक्त 31वें स्थान पर पहुंचे

एजेंसी, सैन एंटोनियो। भारत में जन्मे कनाडाई गोल्फर सुदर्शन येल्लामाराजू ने वैलेरो टेक्सास ओपन में तीन अंडर 69 के स्कोर के साथ शुरुआत की और वह पहले दौर के बाद संयुक्त 31वें स्थान पर हैं। पहले दौर के बाद मार्क हबर्ड शीर्ष पर काबिज थे। उन्होंने सात अंडर 65 का स्कोर बनाया। हबर्ड ने चौथे होल में बोगी की लेकिन इसके बाद उन्होंने आठ बर्डी लगाकर दिन का अच्छा समापन किया। येल्लामाराजू ने 10वें, 11वें और 12वें होल में लगातार तीन बर्डी लगाकर शुरुआत की, लेकिन 15वें और 18वें होल पर वह बोगी कर बैठे। उन्होंने 17वें होल में एक और बर्डी हासिल की। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले नौ होल की शुरुआत दो बर्डी से की, लेकिन पांचवें और सातवें होल पर शॉट गंवा दिया। उन्होंने नौवें होल पर बर्डी के साथ पहले दौर का समापन किया। (अनंत ज्ञान)

पीएसएल ने फखर जमान पर दो मैचों के प्रतिबंध को रखा बरकरार

एजेंसी, लाहौर। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की तीन सदस्यीय तकनीकी समिति ने फखर जमान पर गेंद से छेड़छाड़ के आरोप में लगाए गए दो मैचों के प्रतिबंध के खिलाफ इस सलामी बल्लेबाज की अपील को खारिज कर दिया है। समिति ने सुनवाई की और सभी उपलब्ध साक्ष्यों की जांच करने के बाद मैच रेफरी रोशन महानामा द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखा। उन्होंने लाहौर कलंदर्स के कप्तान जमां पर गेंद की स्थिति बदलने के लिए लेवल तीन के अपराध का आरोप लगाया था। (अनंत ज्ञान)

एना के आगे मॉडल्स भी फेल

सर्बिया की टेनिस खिलाड़ी एना इवानोविक भी खूबसूरती में किसी से पीछे नहीं हैं। वह दुनिया की नंबर वन टेनिस खिलाड़ी भी रह चुकी हैं। उनकी सुंदरता के आगे कई मॉडल्स फेल हैं। वह अपने आक्रामक खेल के लिए जानी जाती हैं।

अभिषेक शर्मा को ओवर रिएक्शन पड़ा भारी, लगा 25 प्रतिशत जुर्माना

अभिषेक ने अंपायर के फैसले पर जताई नाराजगी

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के उपकप्तान अभिषेक शर्मा को उनके ऑन-फील्ड व्यवहार के लिए जुर्माना झेलना पड़ा। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेले गए मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताना उन्हें भारी पड़ गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया। यह कार्रवाई आईपीएल की आचार संहिता के लेवल-1 उल्लंघन के तहत की गई, जिसमें मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है। हालांकि इस विवाद के बीच अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन शानदार रहा।

मैच के दौरान अभिषेक शर्मा को एक कैच आउट दिया गया, जिसे वरुण चक्रवर्ती ने लपका था। हालांकि इस फैसले की जांच भी की गई, लेकिन थर्ड अंपायर ने इसे सही करार दिया। इसके बावजूद अभिषेक शर्मा कुछ देर तक क्रीज पर खड़े रहे और निराशा जताते हुए इशारे करते नजर आए। उनके इस व्यवहार को आचार संहिता का उल्लंघन माना गया।

उन्होंने सिर्फ 21 गेंदों में 48 रन की आक्रामक पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उन्होंने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 34 गेंदों में 82 रन की विस्फोटक साझेदारी भी की। (अनंत ज्ञान)

सूर्यवंशी के सामने आज गुजरात के तेज गेंदबाजों की कड़ी परीक्षा

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को बनानी पड़ेगी बेहतर रणनीति

एजेंसी, अहमदाबाद

कैगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज की मौजूदगी वाला तेज गेंदबाजी आक्रमण देखने में तो काफी खतरनाक लगता है, लेकिन शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले आईपीएल मैच में बल्लेबाजों के लिए अनुकूल पिच पर 'वंडर ब्वाय' वैभव सूर्यवंशी के सामने उनकी कड़ी परीक्षा होगी। पंद्रह वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत की। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ केवल 15 गेंद पर अर्धशतक जड़ दिया था, जिससे उसकी टीम ने 127 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया था। सूर्यवंशी शनिवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक बार फिर से

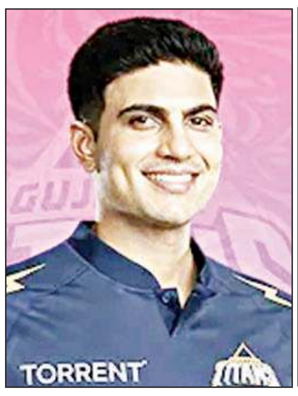

आक्रामक रुख अपनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन गुजरात टाइटंस का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है जिसमें रबाडा, सिराज और प्रसिद्ध जैसे खतरनाक तेज गेंदबाज हैं। इस मैच में टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल से बेहतर रणनीति अपनाने की उम्मीद की जाएगी, क्योंकि पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में टीम की हार के दौरान उनके कुछ फैसलों की आलोचना हुई थी। इस मैच में जहां सिराज को केवल दो ओवर दिए गए थे, वहीं प्रसिद्ध को 13वें ओवर में गेंदबाजी के लिए लाया गया था। (अनंत ज्ञान)

संभावित टीमें

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रवींद्र जडेजा, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नंद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, जोस बटलर, निशांत सिंधु, वॉशिंगटन सुंदर, अरशद खान, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, इशांत शर्मा, गुरनूर सिंह बराड़, राशिद खान, मानव सुथार, साई किशोर, जयंत यादव, ग्लेन फिलिप्स, जेसन होल्डर, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, पृथ्वी राज यारा, टॉम बैंटन।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया

सीरीज में क्लीन स्वीप किया, वेस्टइंडीज को अच्छी शुरुआत के बावजूद मिली हार

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को तीसरे वनडे में 9 विकेट से हराकर सीरीज पर क्लीन स्वीप कर लिया। यह मुकाबला बासेटेरे में 2 अप्रैल को खेला गया, जहां लेग स्पिनर अलाना किंग के पांच विकेट ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में 49/1 का मजबूत स्कोर बनाया, लेकिन इसके बाद टीम की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। 19वें ओवर तक स्कोर 78/5 हो गया।

ओपनिंग में 38 रन की साझेदारी के अलावा रीएलियाना ग्रिमोंड और चिनेल हेनरी के बीच 37 रन की साझेदारी ही कुछ हद तक टीम को संभाल सकी। ग्रिमोंड 27वें ओवर में किंग का शिकार बनीं, जिसके बाद

संक्षिप्त स्कोर

वेस्टइंडीज: 136 ऑलआउट (35.4 ओवर)। चिनेल हेनरी 42*, हेली मैथ्यूज 34। अलाना किंग 5/19, एशले गार्डनर 2/29।

ऑस्ट्रेलिया: 137/1 (19.4 ओवर) फोएबे लिचफील्ड 68*, एलिस पेरी 33*, अश्मिनी मुनीसर 1/35। ऑस्ट्रेलिया ने मैच 9 विकेट से जीता।

पूरी टीम तेजी से सिमट गई। हेनरी ने 42 रन बनाकर नाबाद पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई खास समर्थन नहीं मिला और वेस्टइंडीज की पूरी टीम 35.4 ओवर में 136 रन पर ऑलआउट हो गई। (अनंत ज्ञान)

अलाना किंग की घातक गेंदबाजी, झटके 5 विकेट

अलाना किंग ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर 5 विकेट झटके और मैच की सबसे बड़ी नायिका रहीं। उनके अलावा एशले गार्डनर ने भी 2 विकेट लेकर टीम की जीत में योगदान दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट खोकर हासिल की जीत

137 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की। टीम ने पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़कर मैच पर पकड़ बना ली। जॉर्जिया वोल ही एकमात्र बल्लेबाज रहीं जो आउट हुईं। इसके बाद फोएबे लिचफील्ड और एलिस पेरी के बीच 87 रन की नाबाद साझेदारी हुई। लिचफील्ड ने 68 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि पेरी 33 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया ने 19.4 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

चेन्नई के लिए आयुष म्हात्रे ने 29 गेंदों पर जड़ी फिफ्टी

एजेंसी, चेन्नई

आईपीएल-2926 का 7वां मैच चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला जा रहा है। चेपॉक स्टेडियम में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। चेन्नई ने अनकैप्ड ऑलराउंडर प्रशांत वीर को डेब्यू कैप सौंपी। पंजाब ने कोई बदलाव नहीं किया। समाचार लिखे जाने तक चेन्नई ने 9 ओवर के बाद 1 विकेट के नुकसान पर 94 रन बना लिए हैं। टीम से ऋतुराज गायकवाड और आयुष म्हात्रे पिच पर थे।

जेवियर बार्टलेट के दूसरे ओवर में संजू सैमसन कैच आउट

म्हात्रे ने 29 गेंद पर फिफ्टी लगा दी। जेवियर बार्टलेट ने दूसरे ओवर में संजू सैमसन को कैच करा दिया। सैमसन 7 रन ही बना सके। ऋतुराज गायकवाड और आयुष म्हात्रे ने 7वें ओवर में फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली। टीम ने 14 रन के स्कोर पर संजू सैमसन का विकेट गंवा दिया था। (अनंत ज्ञान)

डेल स्टेन से मिली तेज गेंदबाज बनने की प्रेरणा: आकिब नबी

एजेंसी, मुंबई

जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ी आकिब नबी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन की तेज गति से गेंद को स्विंग कराने की क्षमता ने उन्हें तेज गेंदबाज बनने के लिए प्रेरित किया। इस साल जम्मू-कश्मीर को रणजी ट्रॉफी में पहली बार खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले नबी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल हैं। उन्हें शनिवार को दिल्ली के घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलने का मौका मिल सकता है।

नबी ने 'जियो हॉटस्टार' से कहा, "बचपन में मैं डेल स्टेन को गेंदबाजी करते हुए देखता था। जिस तरह से वह तेज गति से गेंद को स्विंग कराते थे, उससे मुझे तेज गेंदबाज बनने की प्रेरणा मिली और उम्मीद है कि एक दिन मैं भारत के लिए खेलूंगा।' उन्होंनेकहा, "क्रिकेट खेलने के कारण मुझे पिता से बहुत डांट पड़ती थी। वह नहीं चाहते थे कि मैं क्रिकेटर बनूं। वह चाहते थे कि मैं डॉक्टर बनूं।" नबी ने कहा कि जम्मू और कश्मीर के लिए मेंटोर (मार्गदर्शक) के रूप में काम करने वाले इरफान पठान ने उनके खेल में काफी सुधार किया। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'जब इरफान भाई जम्मू-कश्मीर के कोच बने तब मैं अंडर-23 टीम में था और वहां मेरे प्रदर्शन ने उनका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने मुझे जम्मू कश्मीर की सीनियर टीम में शामिल करने में मदद की। वह मेरा मार्गदर्शन करते थे, मुझे गुर सिखाते थे और उन्होंने मेरी बहुत मदद की।'

पठान ने कहा कि उनकी योजना जम्मू-कश्मीर के लिए तेज गेंदबाजों का एक बड़ा समूह तैयार करना था और नबी इसके मुख्य गेंदबाजों में से एक थे। पठान ने कहा, "मैंने आकिब नबी को पहली बार 2018 में देखा था जब मैं जम्मू-कश्मीर की टीम का मेंटोर था। तब हम आठ से दस तेज गेंदबाजों का मजबूत समूह बनाना चाहते थे।' (अनंत ज्ञान)

खेलो इंडिया : पश्चिम बंगाल बना फुटबॉल चैंपियन

रायपुर में खेले गए फाइनल में कड़े मुकाबले में छत्तीसगढ़ को 1-0 से हराया

एजेंसी, रायपुर

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर के स्वामी विवेकानंद एथलेटिक स्टेडियम, कोटा में खेले गए पुरुष फुटबॉल के फाइनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के बीच बेहद रोमांचक और कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में छत्तीसगढ़ को पराजय का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

फाइनल मैच में दोनों टीमों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार तालमेल, तेज आक्रमण और मजबूत रक्षा का परिचय दिया। खिलाड़ियों ने पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए हर पल मुकाबले को संतुलित बनाए रखा। हाफ टाइम तक पश्चिम बंगाल की टीम 1-0 की बढ़त बनाए हुए थी। छत्तीसगढ़ की टीम ने लगातार आक्रमण कर गोल उतारने की भरपूर कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, विभिन्न विभागों तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारी और खेलप्रेमी बड़ी संख्या में फाइनल मैच देखने के लिए मैदान में पहुंचे थे। (अनंत ज्ञान)

छत्तीसगढ़ ने गोल करने की भरपूर कोशिश की, लेकिन नहीं मिली सफलता

शतरंज: भारतीय मूल की बोधना शिवानंदन इंग्लैंड की शीर्ष महिला खिलाड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय मूल की शतरंज खिलाड़ी बोधना शिवानंदन अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की नवीनतम रेटिंग सूची के अनुसार इंग्लैंड की शीर्ष महिला खिलाड़ी बन गई हैं।

इस 11 वर्षीय खिलाड़ी के माता-पिता 2007 में तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से इंग्लैंड चले गए थे। उनके अभी 2366 रेटिंग अंक हैं। उत्तरी लंदन में रहने वाली प्राथमिक विद्यालय की छात्रा बोधना ने फिडे की सूची में चार बार की ब्रिटिश महिला चैंपियन 25 वर्षीय लैन याओ को पीछे छोड़कर इंग्लैंड की

खिलाड़ियों में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके साथ ही वह पहली बार विश्व की शीर्ष 100 महिला खिलाड़ियों में भी शामिल हो गई हैं।

वह अभी 72वें स्थान पर काबिज हैं। इंग्लैंड के शतरंज महासंघ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार, "यह हैरो की एक स्कूली छात्रा के लिए बड़ी उपलब्धि है जिन्होंने (2020 के कोविड-19) लॉकडाउन के दौरान उस बैग में शतरंज का बोर्ड और सेट मिलने के बाद इस खेल को अपनाया, जिसे उसके पिता फेंकना चाह रहे थे।' (अनंत ज्ञान)

लुहणू में हुआ बिलासपुर की सीनियर क्रिकेट टीम का चयन

बिलासपुर जिले की सीनियर क्रिकेट टीम में चुने खिलाड़ी। • अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में होने वाली सीनियर (बालक) क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए बिलासपुर टीम का चयन शुक्रवार को लुहणू क्रिकेट मैदान में किया गया। सीनियर क्रिकेट टीम का हिस्सा बनने के लिए करीब तीस खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह जानकारी देते हुए बिलासपुर क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव विशाल जगोता ने बताया कि इस टीम में ईवान राजपूत, आरव भोगल, प्रिंस ठाकुर, मयंक शर्मा, अंश गौतम, अभिनव, प्रतीक महाजन, आर्यन पुंडीर, राघव वर्मा, धैर्य गुप्ता, मनन

10 अप्रैल को ऊना में कुल्लू के साथ होगा पहला मुकाबला

रनौट, सारंग चंदेल, शौर्यवीर, अक्षज ठाकुर, तरुण, आयुष कुमार, अर्श धीमान, सक्षम, सूर्या व अर्णव गौतम को शामिल किया गया है। टीम का प्रशिक्षण शिविर बिलासपुर में शनिवार से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि बिलासपुर सीनियर क्रिकेट टीम अपना पहला मैच 10 अप्रैल को ऊना में कुल्लू के साथ खेलेगी। जगोता ने बताया कि चयनकर्ताओं में चयन समिति चेयरमैन महेंद्र चंदेल, संयोजक आरके रघु, विनेंद्र डोगरा, विशाल रतवान, जितेंद्र ठाकुर व आशीष कपिल शामिल रहे।

आईपीएल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा बोले

लंबे समय तक दबदबा बनाए रखना हमारा लक्ष्य

एजेंसी, बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा ने साफ कर दिया है कि टीम का लक्ष्य सिर्फ एक खिताब जीतना नहीं, बल्कि लंबे समय तक दबदबा कायम करना है। आरसीबी पॉडकास्ट पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले सीजन की सफलता टीम के लिए नई शुरुआत है। जितेश ने कहा, 'यह एक साल की बात नहीं है।'

हम यहां दबदबा बनाने आए हैं। मैं यह साबित करना चाहता हूं कि पिछले सीजन में जो हुआ वह कोई एक बार की बात नहीं थी।' पिछले सीजन में आरसीबी की ऐतिहासिक खिताबी जीत को याद करते हुए जितेश ने इसे अपने करियर का सबसे खास पल बताया। उन्होंने कहा, 'आरसीबी के लिए पहला खिताब जीतना एक जादुई एहसास था। सबसे बड़ी खुशी इस बात की थी कि मैं इसमें योगदान दे सका। यह पल हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा।' जितेश शर्मा ने अपने निजी जीवन के मुश्किल दौर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिता के निधन का दर्द आज भी उनके साथ है। उन्होंने कहा, 'जब आप अपने पिता को खोते हैं, तो वह खालीपन कभी नहीं भरता। मैं इसे

भूलने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, बल्कि उस भावना को अपने साथ लेकर आगे बढ़ रहा हूं।' उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस बात का गर्व है कि उनके पिता ने उन्हें भारत के लिए खेलते और आरसीबी के लिए ट्रॉफी जीतते देखा। जितेश ने अपने मानसिक मजबूती का श्रेय दिनेश कार्तिक को दिया। उन्होंने कहा कि कार्तिक ने उन्हें न सिर्फ तकनीकी रूप से बेहतर बनाया, बल्कि मुश्किल समय में सही सलाह भी दी। उन्होंने कहा, 'डीके अन्ना ने मुझे अपने खेल को समझने और मानसिक रूप से मजबूत बनने में काफी मदद की। उन्होंने मुझे कुछ समय के लिए ब्रेक लेकर परिवार के साथ समय बिताने की सलाह दी, जिससे मैं खुद को फिर से संभाल पाया।'

जितेश ने कहा कि अब वह खुद को सिर्फ विकेटकीपर के रूप में नहीं देखते, बल्कि टीम के लिए एक फिनिशर और फील्डर की भूमिका भी निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा काम है टीम में जगह बनाना, चाहे जो भी भूमिका मिले।' अब मैं खुद को एक ऑलराउंड योगदान देने वाले खिलाड़ी के रूप में देखता हूं।' (अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

'अनंत ज्ञान' की प्रति प्राप्त करने समाचार, विज्ञापन, शुभकामना संदेश एवं निविदा प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें।

"अनंत ज्ञान – आपकी आवाज, आपका समाचार पत्र"

शिमला — सत्यदेव भारद्वाज, ब्यूरो चीफ, मो. 70181-60595
धर्मशाला — राजेश कुमार, जिला प्रभारी, मो. 98164-48474
सोलन — मोहन चौहान, जिला प्रभारी, मो. 94181-57519
मंडी — अनिल शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 94189-80288
हमीरपुर — विक्रम कटवालिया, ब्यूरो चीफ, मो. 94180-03422
बिलासपुर — अरुण डोगरा, जिला प्रभारी, मो. 90159-09310
चंबा — राहुल सहगल, वरिष्ठ संवाददाता, मो. 78278-66759
ऊना — राजेश शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 98163-96500
कुल्लू एवं लाहौल/स्पीति — कमलेश वर्मा, जिला प्रभारी, मो. 86799-97600
पठानकोट — अशोक ठाकुर, विशेष संवाददाता, मो. 94184-85666
चंडीगढ़/मोहाली — गुरनाम सागर, स्टाफ रिपोर्टर, मो. 99153-26615

Head Office:- Plot No.8, Phase-II, Ind. Area Nagrota Bagwan, Distt. Kangra (H. P.)- 176047
Contact: 01892-299098, 98168-75517
Email: anantgyaanmedia@gmail.com